मनोज
कॉमिक्स
संख्या 653 मूल्य 6.00
कातिल
मक्खियां
अमर-अकबर
ashutoshstory@gmail.com

कातिल मक्खियां

लेखक : अंसार अख्तर
चित्रांकन : चव्हाण

अमर-अकबर इन दिनों अफ्रीका में अपने एक स्थानीय मित्र रॉजर मैल्कम के मेहमान थे। रॉजर धनवान व्यक्ति था। पिछले कई दिनों से वह अपने दोनों मित्रों को अफ्रीका के खतरनाक जंगलों की सैर करा रहा था। रॉजर के पास एक फोरसीटर छोटा-सा विमान भी था। इस वक्त वह रॉजर के ड्राइंगरूम में बैठे थे।

अगली सुबह रॅाजर उन दोनों को लेकर अपने फोर सीटर विमान में उड़ा।
विमान स्वयं रॅाजर उड़ा रहा था।
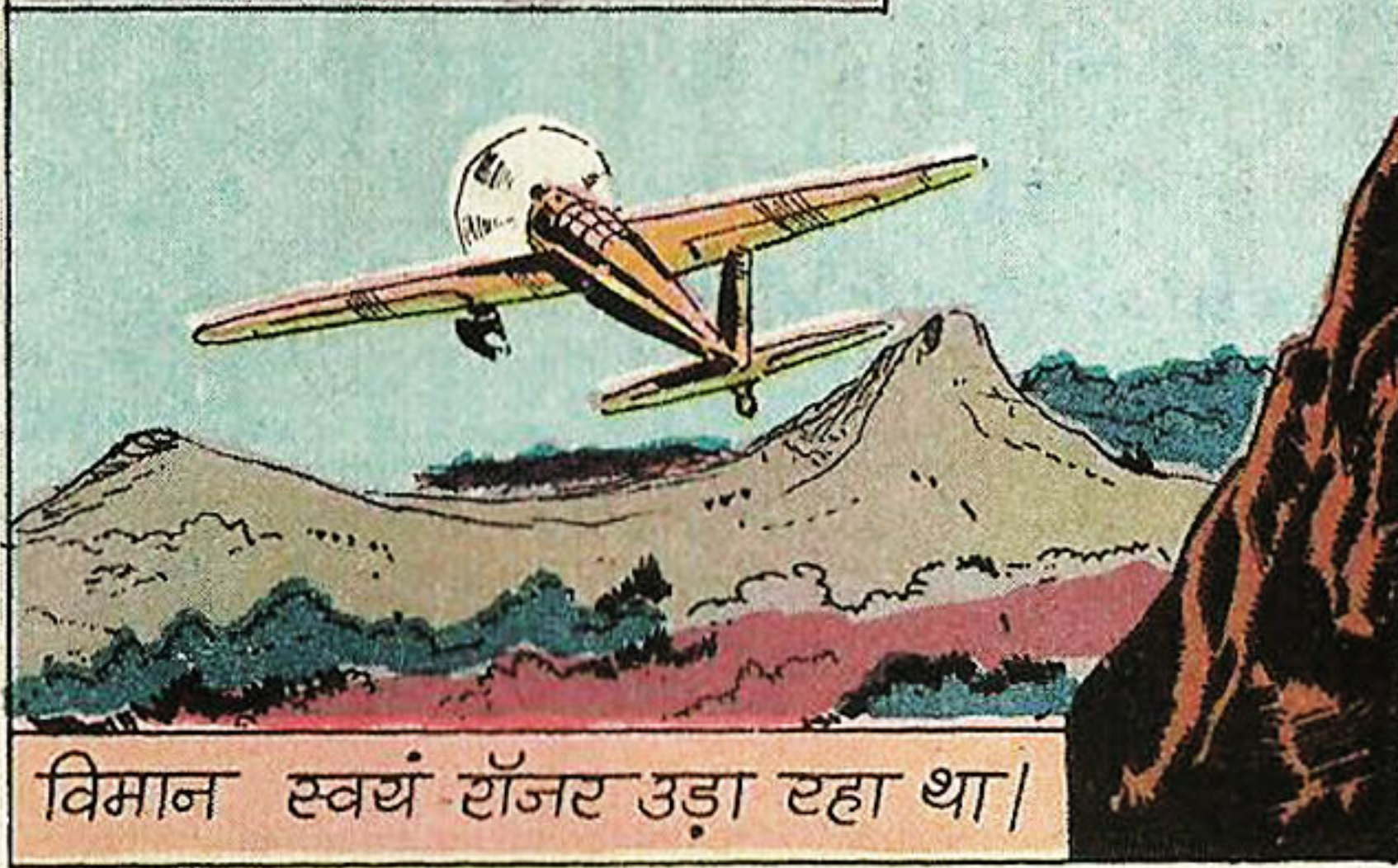
क्या नाम बताया था तुमने उस टापू का?
हम उसे कोंगा द्वीप कहते हैं।

तो कब तक पहुंच जायेंगे हम तुम्हारे कोंगा द्वीप पर?
दो घण्टे का सफर है, लेकिन तुम इस सफर में बोर नहीं होगे, क्योंकि रास्ते में तुम्हें बड़े दिलचस्प दृश्य देखने को मिलेंगे।
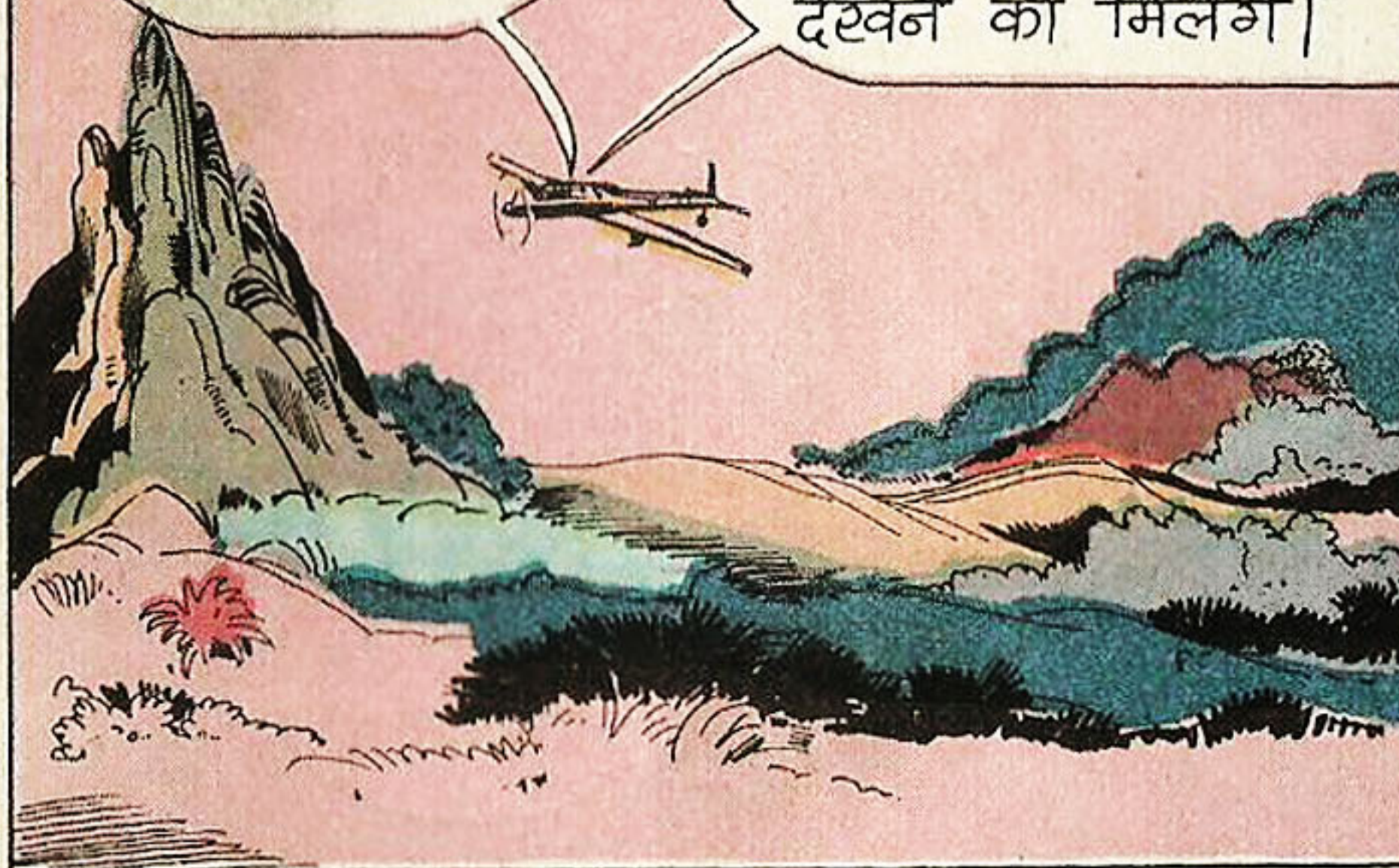
विमान इस समय एक जंगल के ऊपर उड़ान भर रहा था।
नीचे जंगल जानवरों से भरा पड़ा है। तुम लोग देखना चाहोगे?
हां।

रॅाजर विमान को काफी नीचे ले गया।
वह देखो, जिराफों का झुण्ड।
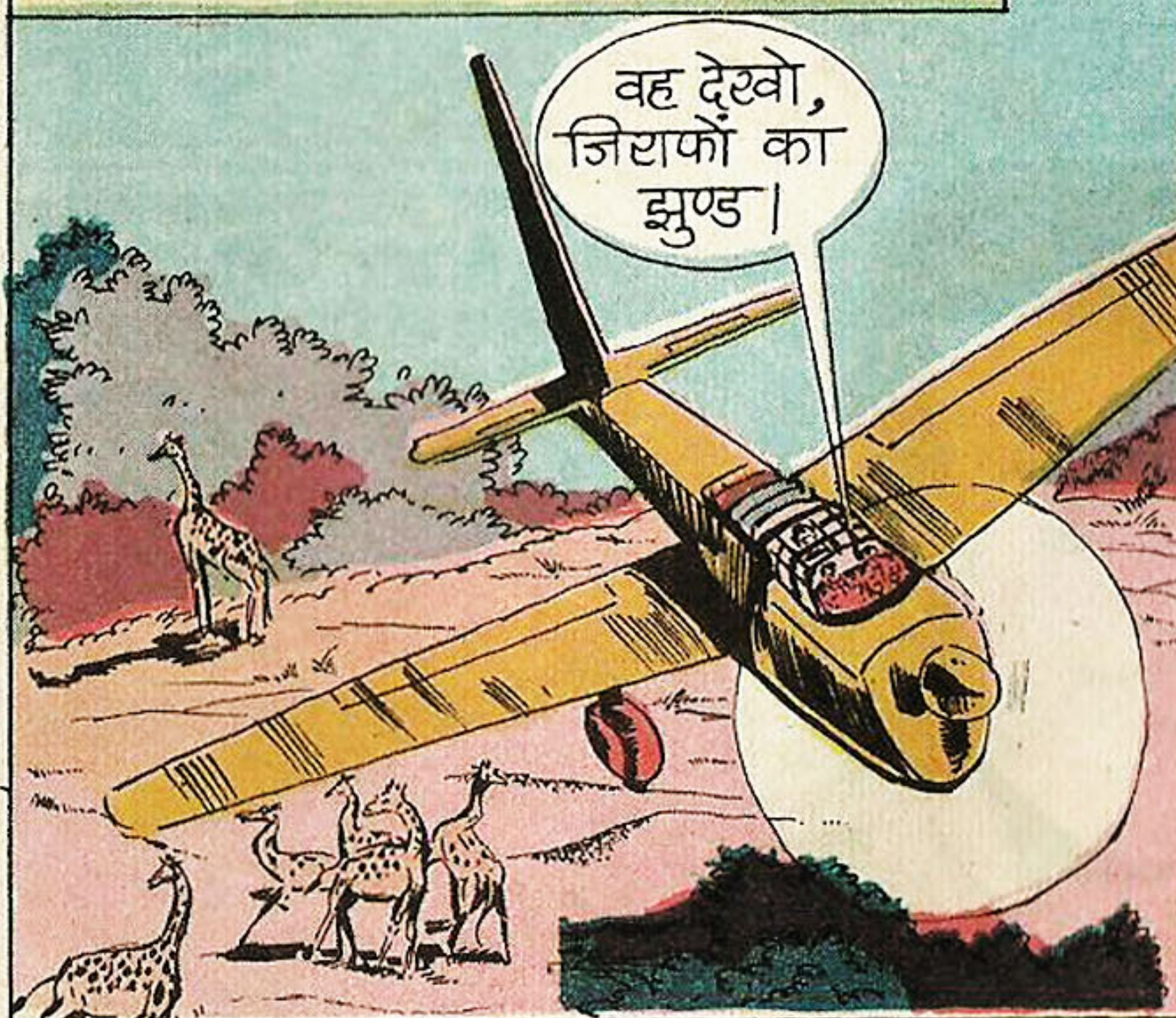
लेकिन वह भाग क्यों रहे हैं?
यह तो हमारे जहाज से डर रहे हैं, या फिर शेर इनका पीछा कर रहा है।

अरे! सचमुच शेर ही है।

ओह! आज हमें शेर को शिकार करते देखने का मौका मिलेगा।
मैं विमान को कुछ और नीचे उतारता हूं।

नीचे जंगल में—

ओह! एक जिराफ अपने झुण्ड से बिछुड़ गया है।
वही शेर का शिकार बनेगा।

रॉजर का अनुमान ठीक था।

उसने जिराफ को गिरा लिया है।
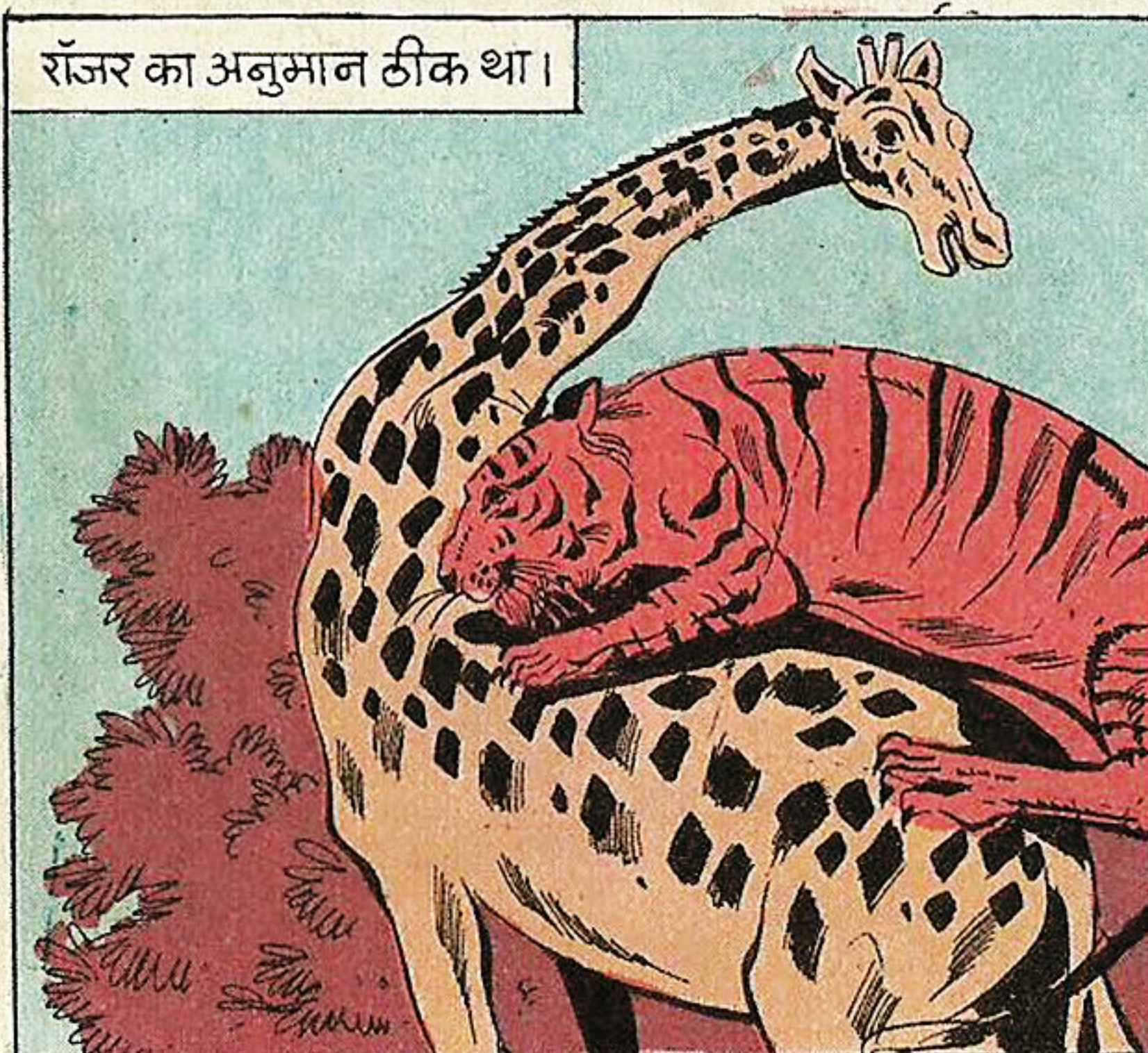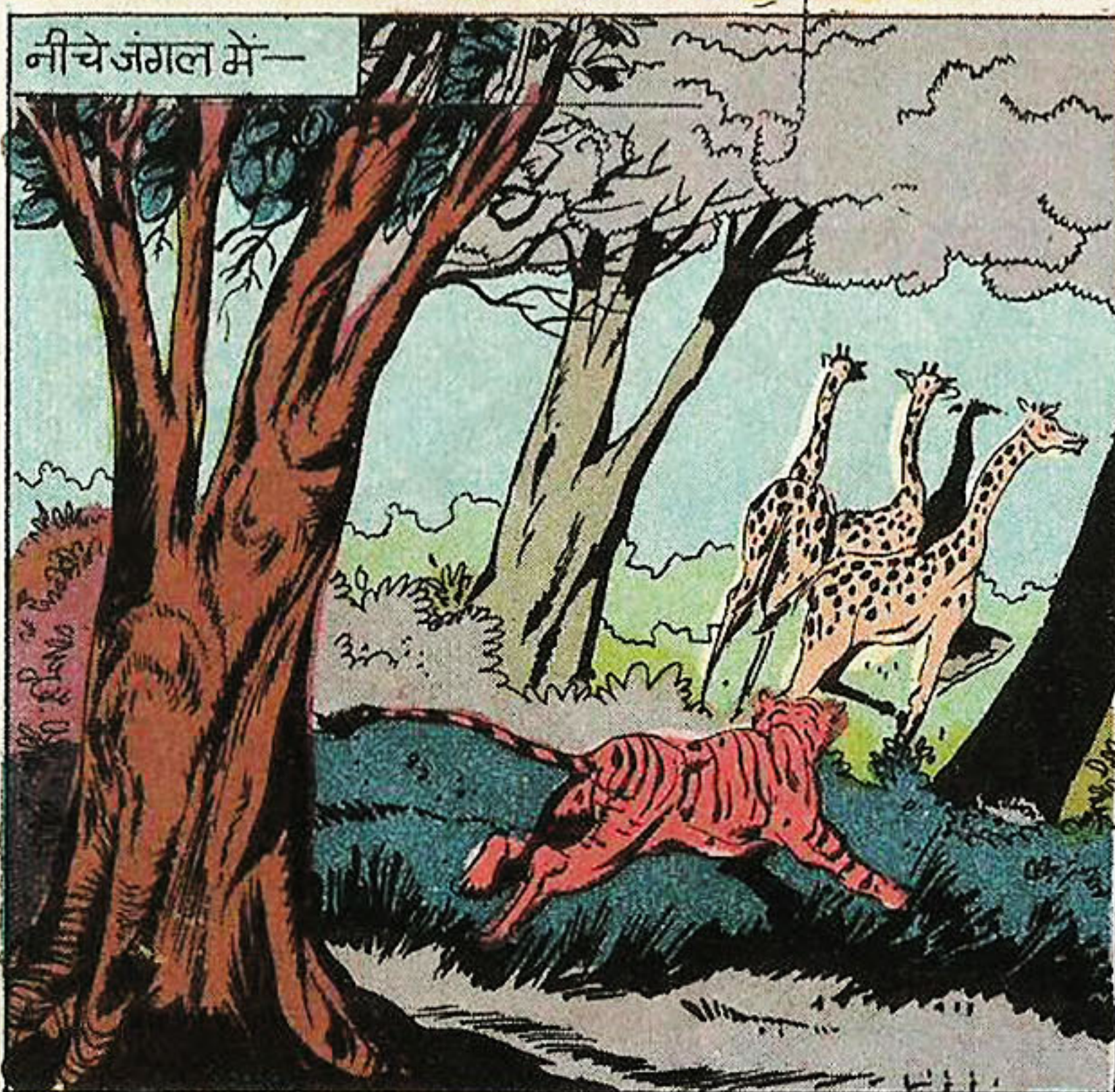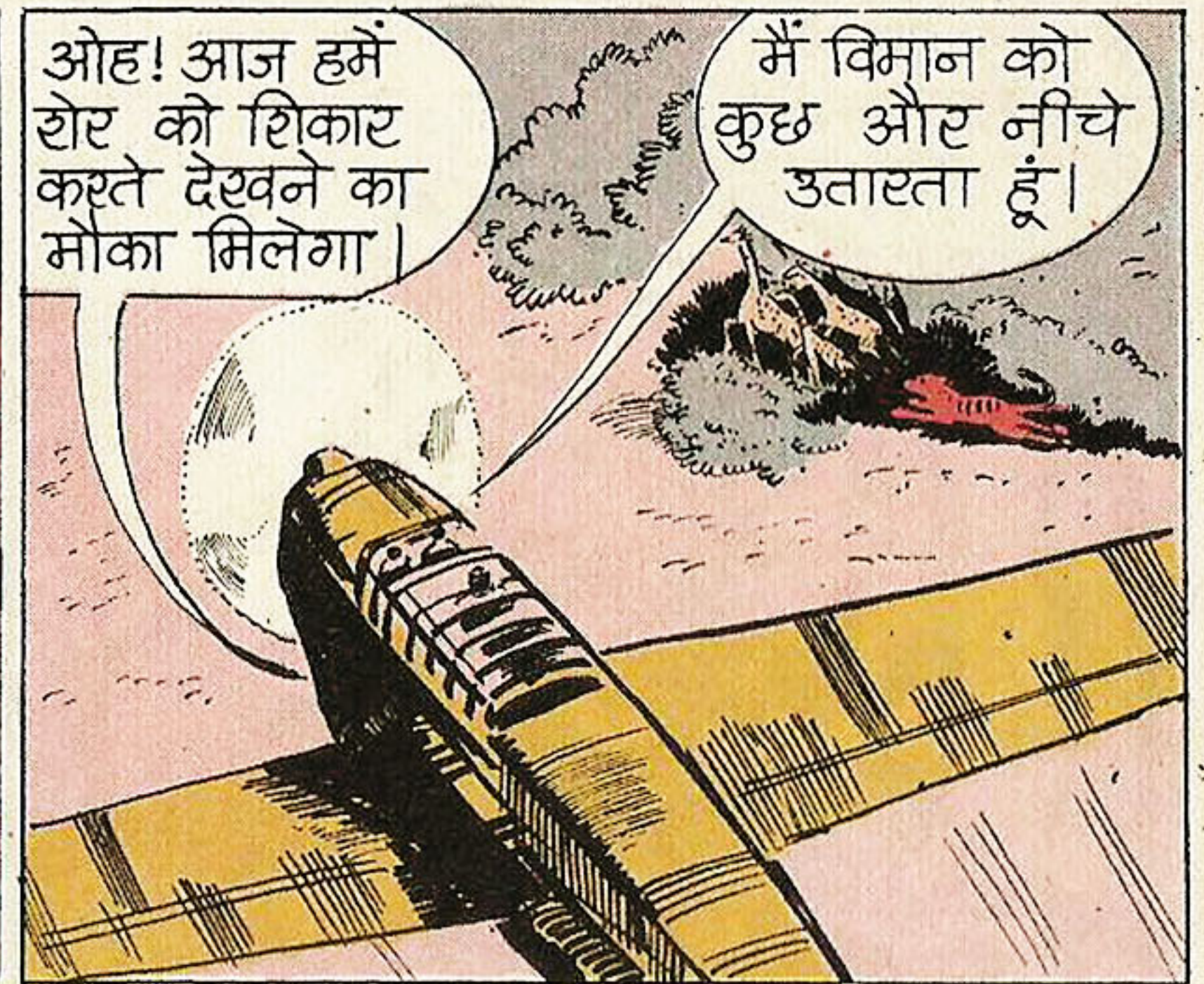
कुछ ही क्षण में शेर ने जिराफ की गर्दन अपने भयानक जबड़ों में दबाकर उसे बेबस कर डाला।
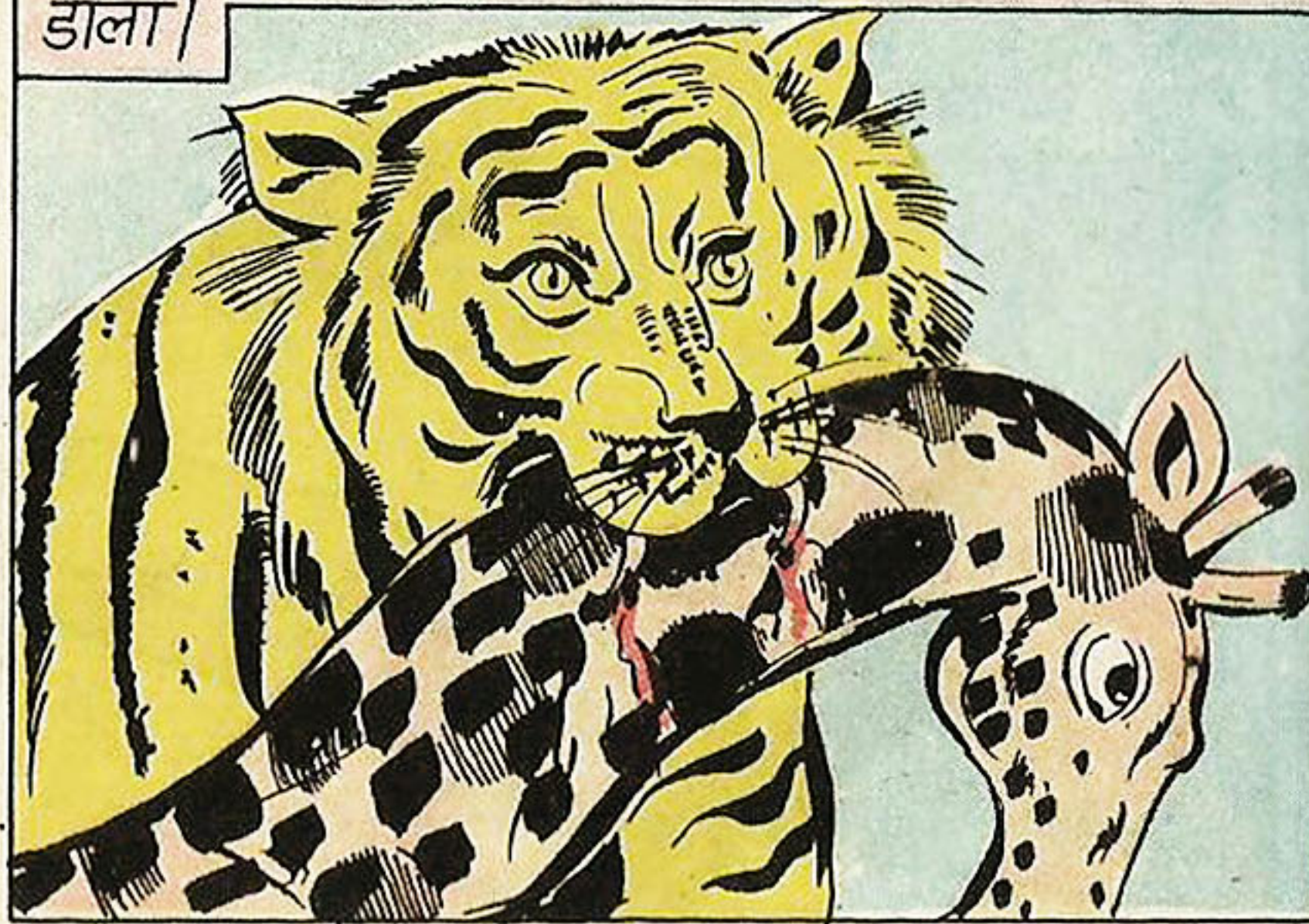
रॉजर ने विमान को फिर ऊपर उठाया।
कितना भयानक दृश्य था। मुझे तो उस बेचारे जिराफ पर दया आ रही है।
यहां दया का सवाल नहीं है दोस्त! प्रकृति ने जंगल का कानून ही ऐसा बनाया है कि वहां सिर्फ शक्तिशाली ही राज कर सकता है।

जंगल का यह कानून तो आजकल सभ्य संसार में भी चल रहा है। वहां भी शक्तिशाली देश छोटे देशों को अपना शिकार बना रहे हैं।
ठीक कहते हो।

कुछ देर बाद—
इस वक्त हम किस क्षेत्र में उड़ रहे हैं?
हम मोंगिया द्वीप के निकट हैं। इस द्वीप पर एक असभ्य जाति आबाद है, जो कबीले बनाकर रहती है।

सुना है, इस तरह के असभ्य कबीले बहुत खतरनाक होते हैं। वह इंसान को भी खा जाते हैं।
यह जाति इतनी खतरनाक नहीं है। ईसाई मिशनरी के कुछ स्वयं सेवक उनको सभ्य बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं और...।

तभी जहाज को एक झटका लगा और इंजन से तेज आवाज निकली।
ओह!

क्या हुआ?
ओह! जहाज नीचे गिर रहा है।

विमान तेजी से नीचे गिर रहा था।

रॉजर ने घबराये हुए स्वर में कहा—
जहाज का इंजन फेल हो गया है।
ओह गॉड!
अब क्या करें?

एक ही तरीका है। जहाज के समुद्र में गिरने से पहले हमें इससे बाहर कूदना होगा। अमर! तुम जहाज का दरवाजा खोल दो।
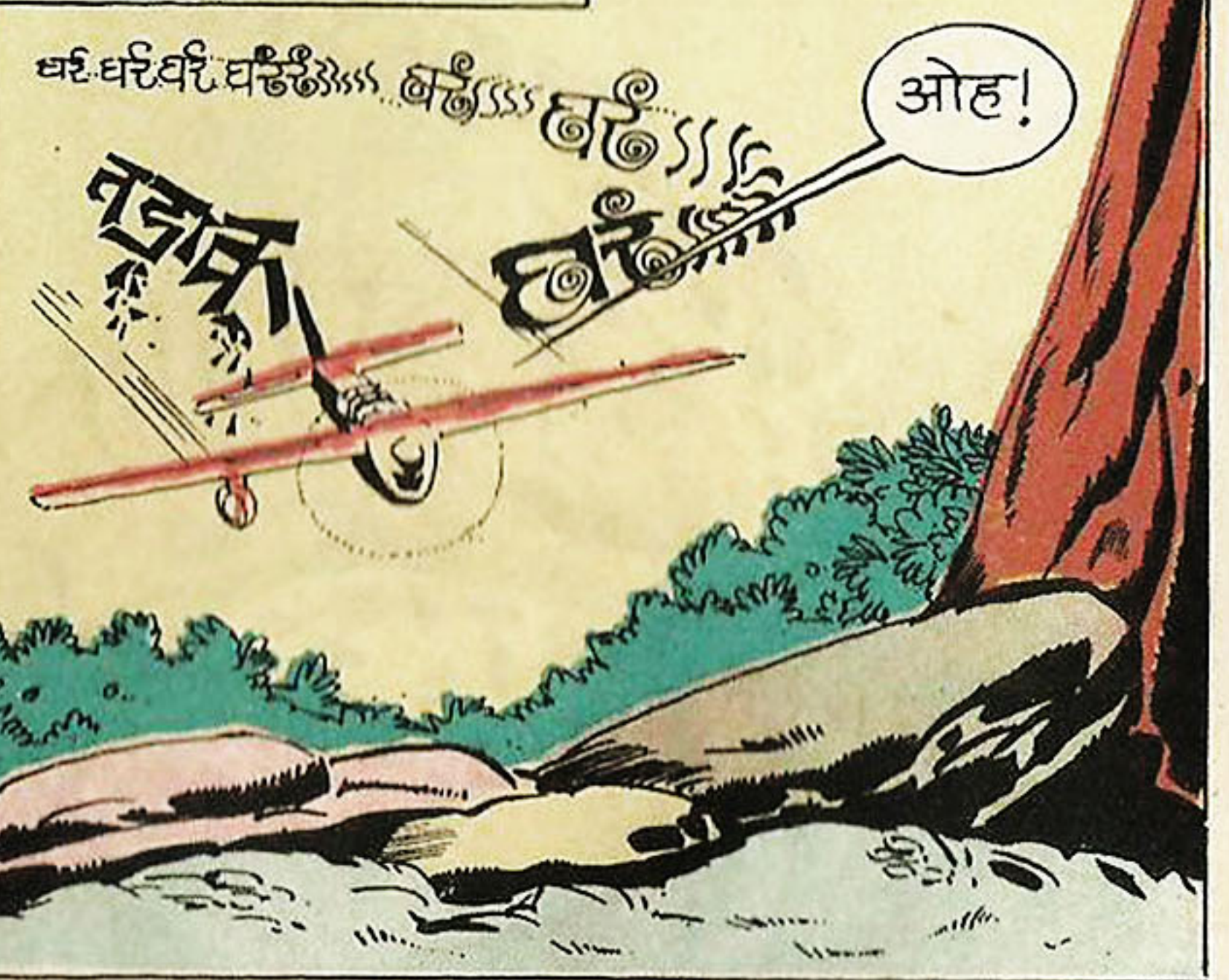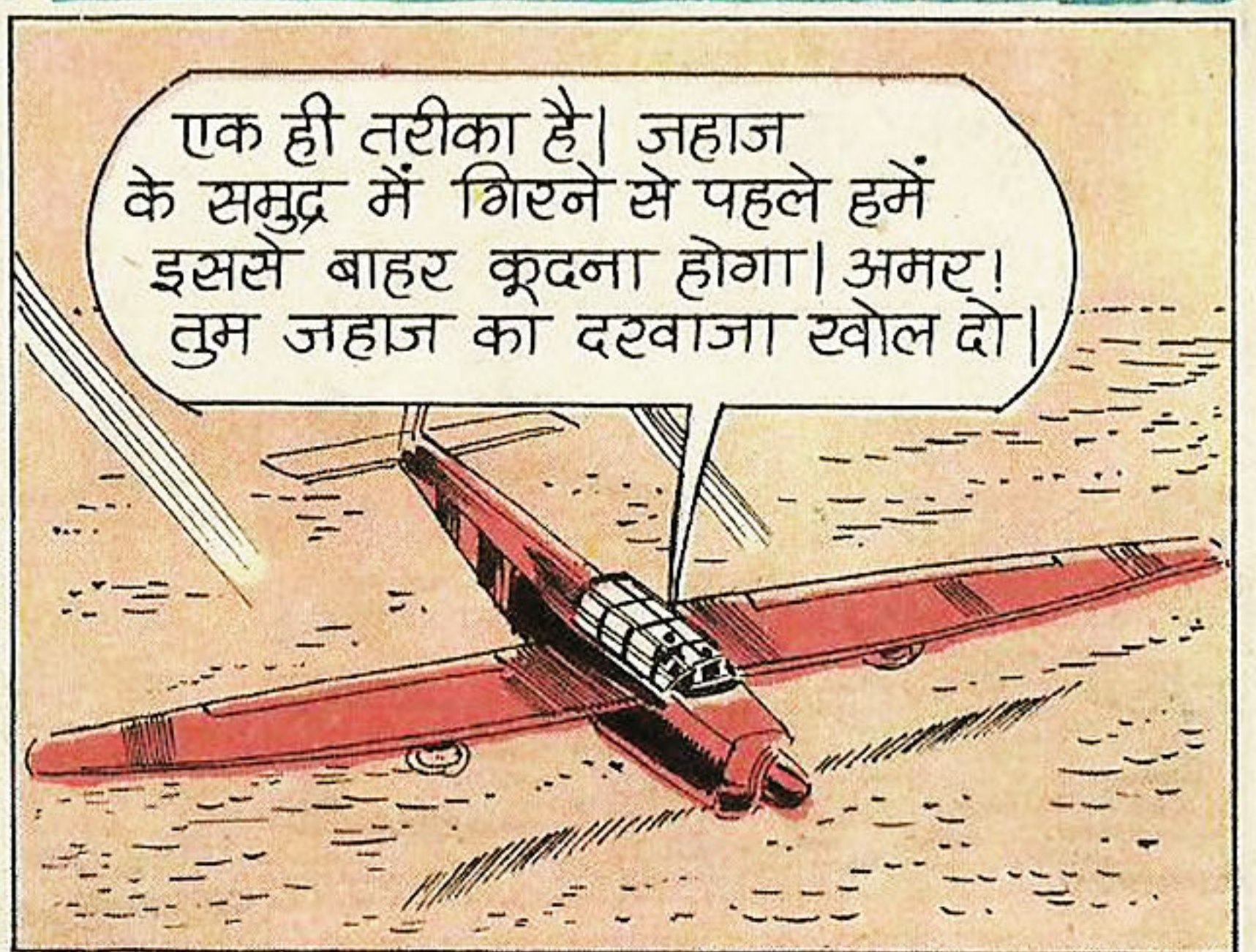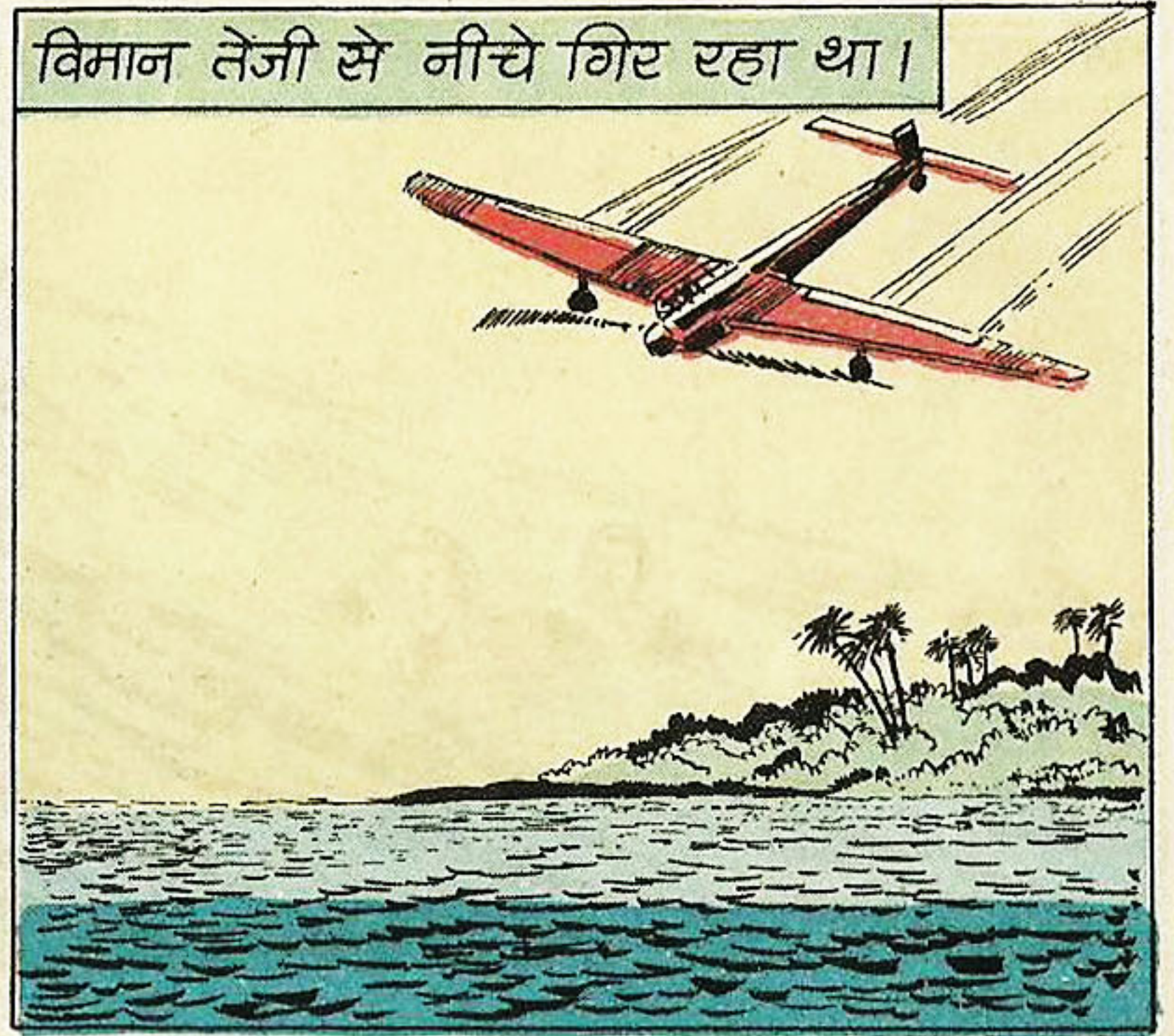
जहाज जब समुद्र की सतह से कुछ ही ऊपर रह गया तो उन्होंने बाहर छलांग लगा दी।
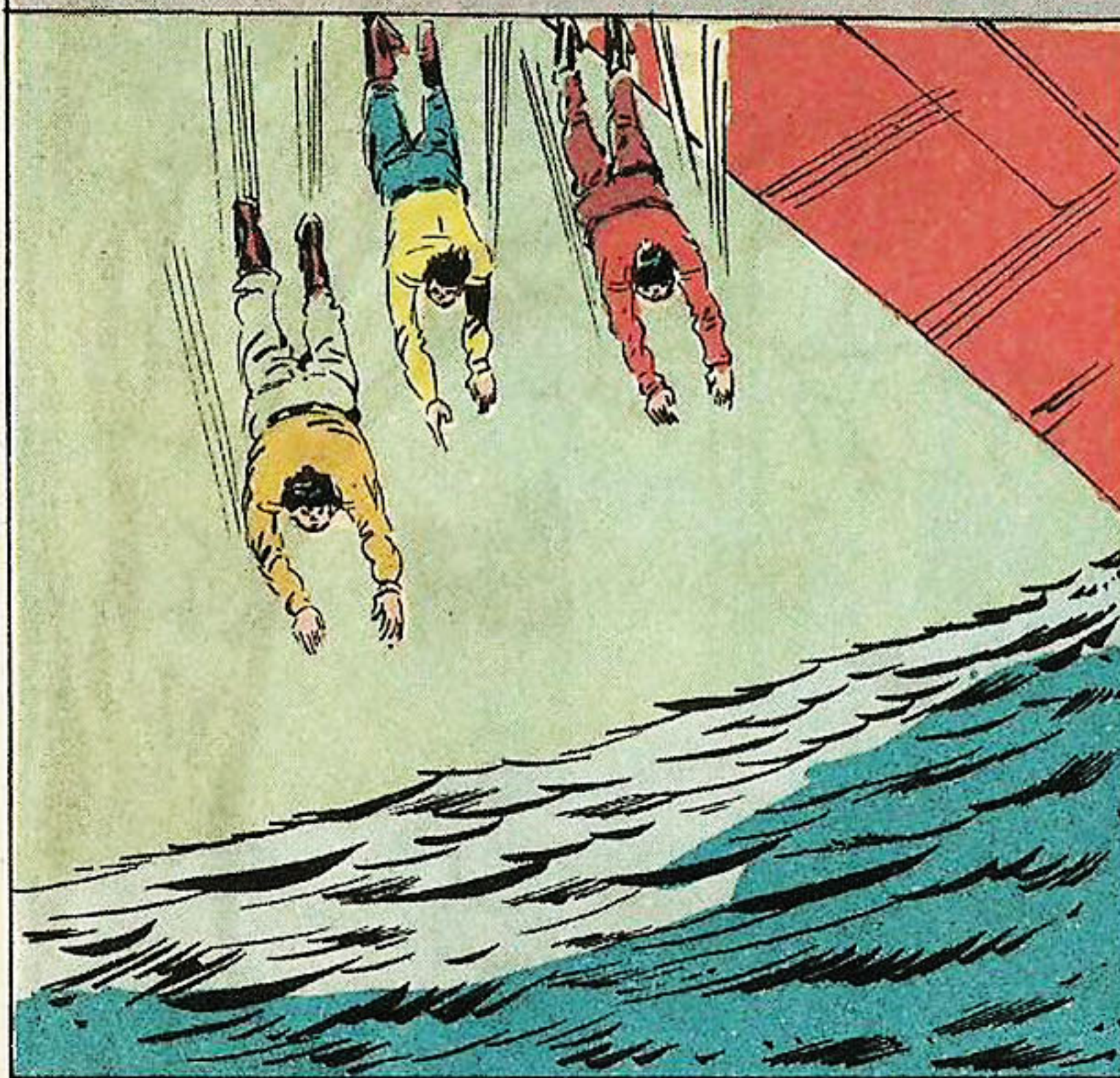
उनके पानी तक पहुंचने से पहले ही जहाज समुद्र की सतह से जा टकराया था।
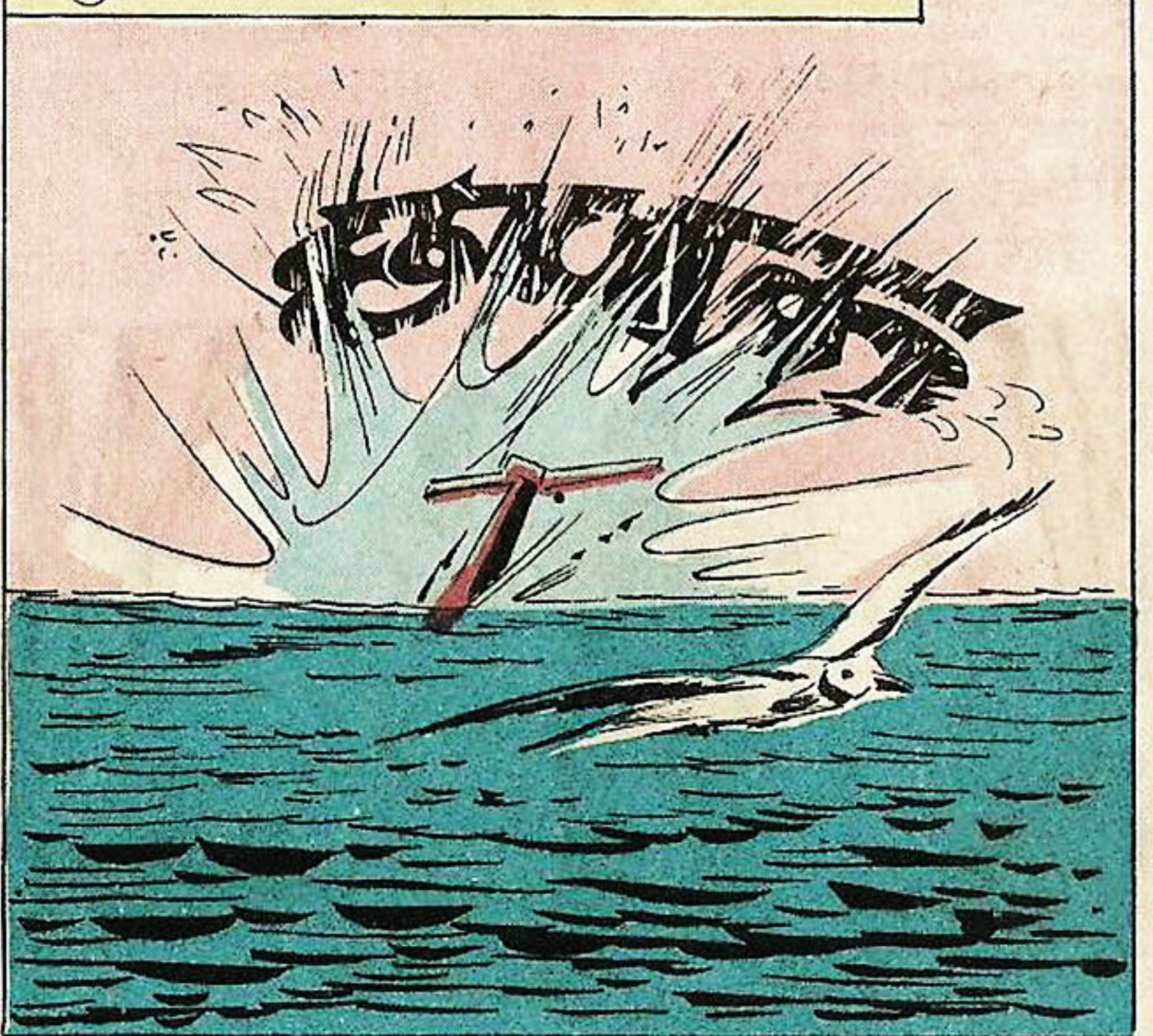
वह तीनों भी आस-पास ही पानी में गिरे थे।
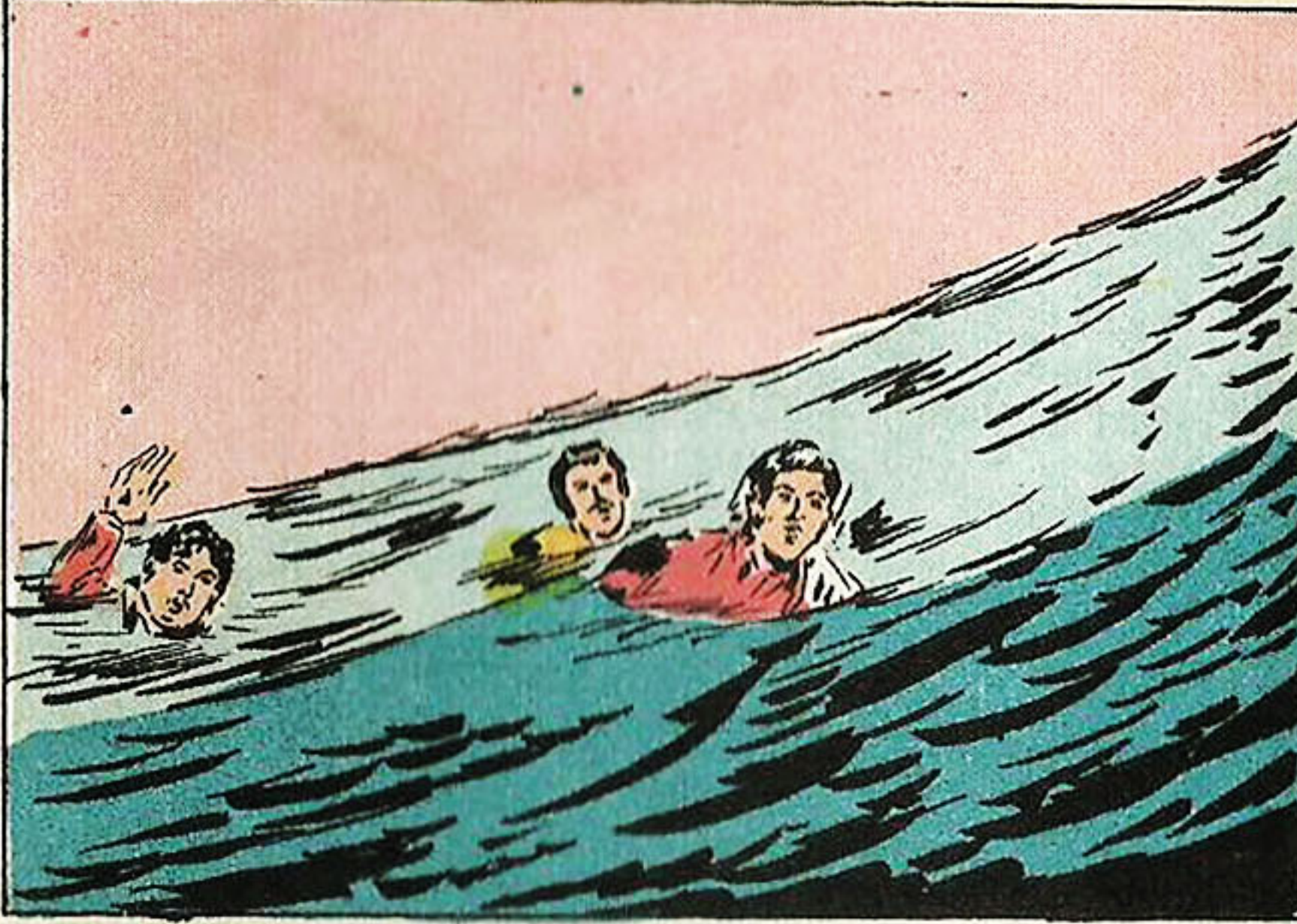
तुरन्त ही वह तैरकर निकट पहुंचे।
शुक्र है कि जान बच गई।
अभी कहां ? हम लोग तो आसमान से गिरकर खजूर में लटक गये हैं। यह समुद्र ...?

घबराओ नहीं दोस्त! वह सामने मोंगिया द्वीप है। तैरकर वहां चलो।
तीनों उस द्वीप की ओर तैरने लगे।

शीघ्र ही—
हफ्फ... हफ्फ!
द्वीप के किनारे पहुंचकर वह पानी से निकलकर रेत पर लेटकर हांपने लगे।

कुछ देर बाद—
अब क्या होगा रॉजर? जान तो बच गई है, लेकिन हम वापस कैसे जायेंगे?
मुझे तो उस असभ्य जाति की चिंता है, अगर उन्होंने हम पर हमला कर दिया तो?

तभी—

अरे! वह जंगली आ गया।

घबराओ नहीं, मैं उससे बात करने की कोशिश करता हूं।
रॉजर जंगली की ओर बढ़ा।

लेकिन जंगली पलटकर भाग खड़ा हुआ।
ऐ...!

जंगली रुका नहीं, घनी झाड़ियों में घुसकर गायब हो गया।

रॉजर निराश वापस लौट आया।
वह शायद हमसे डर गया था?
फिर अब क्या करें?

चलो, टापू के भीतर चलते हैं। हो सकता है, मिशनरी के कुछ स्वयं-सेवक यहां आये हुए हों, अगर उनसे मुलाकात हो गई तो समस्या सुलझ जायेगी।
और अगर हमें जंगलियों ने पकड़ लिया तो?
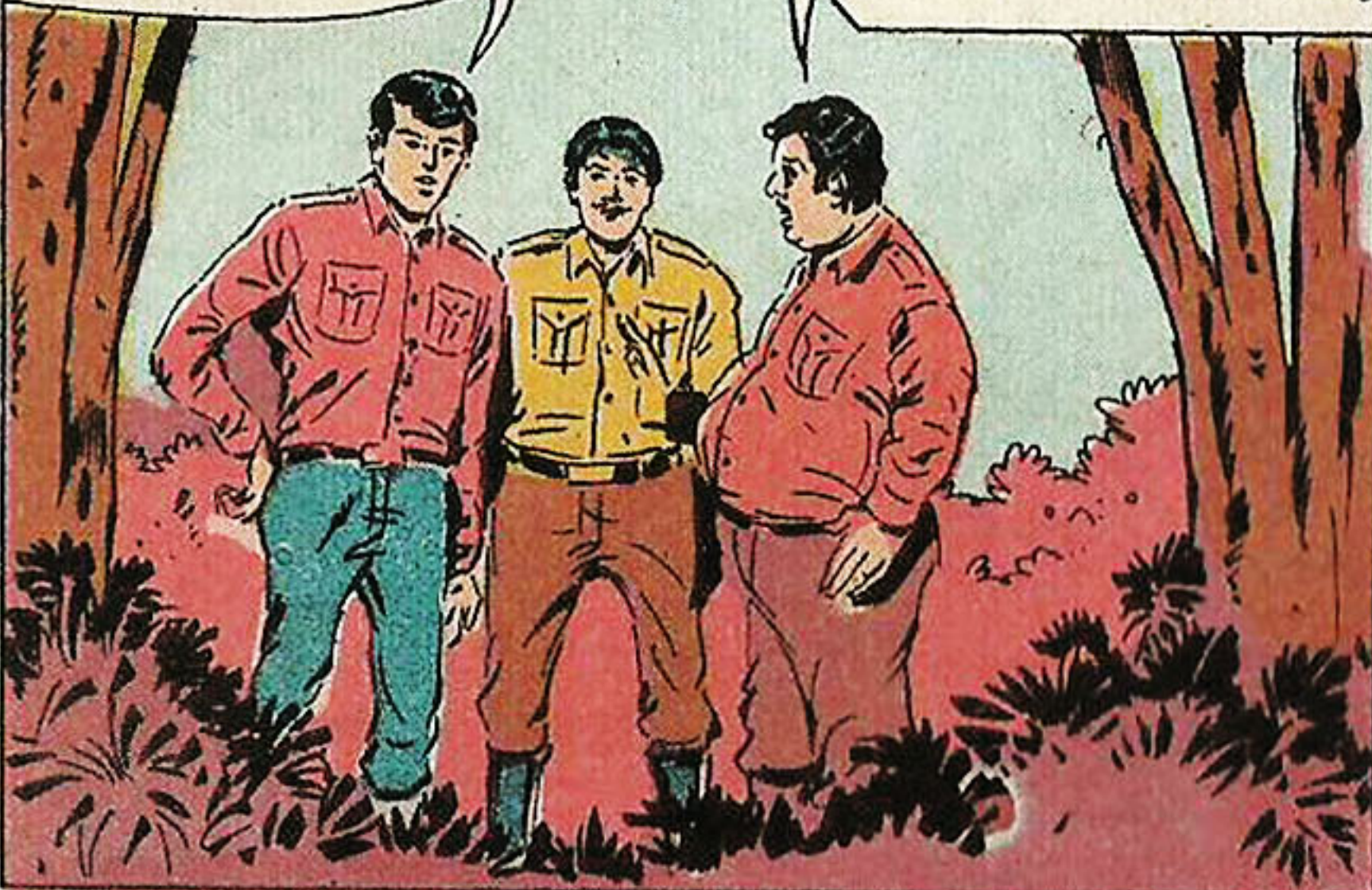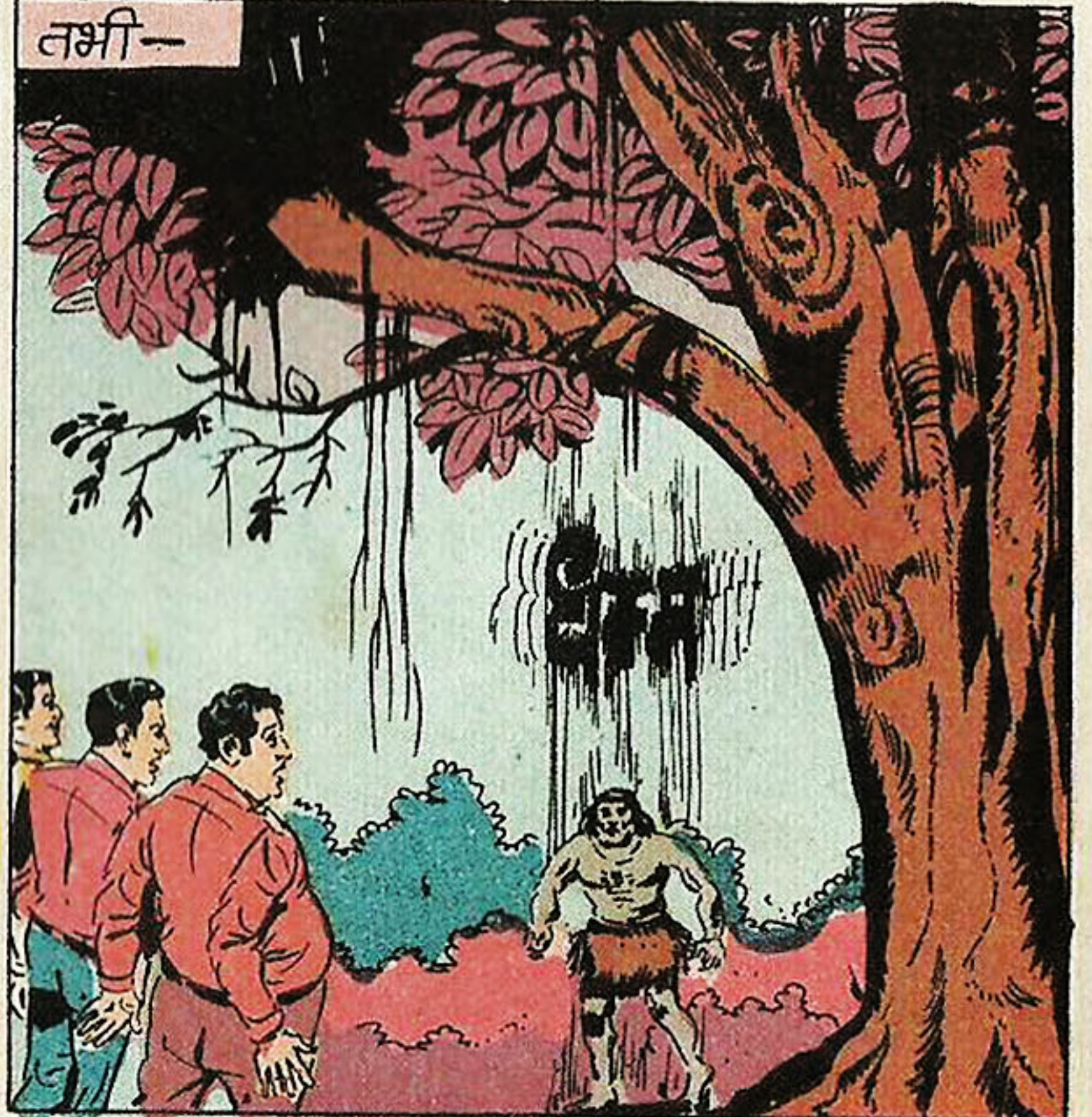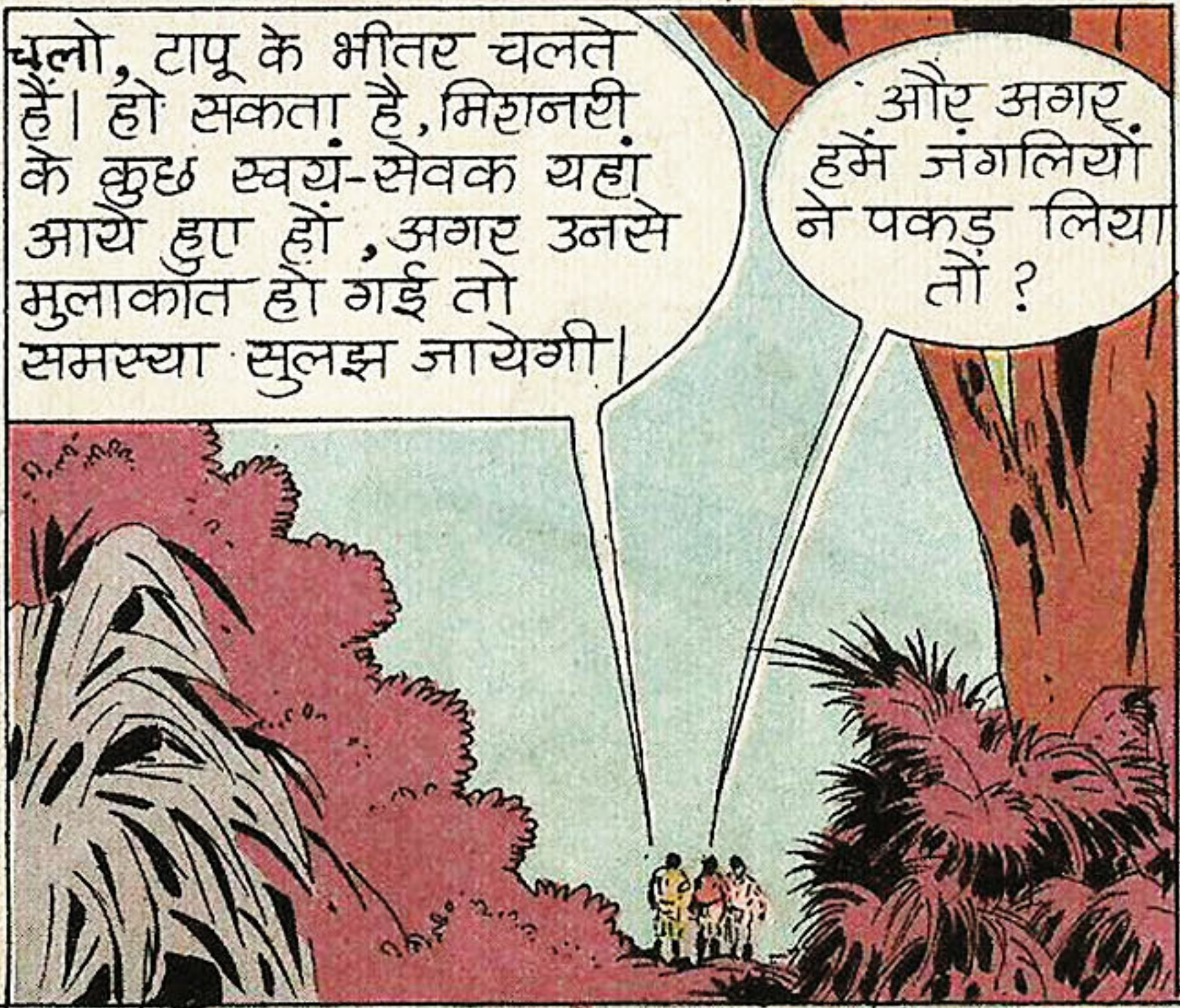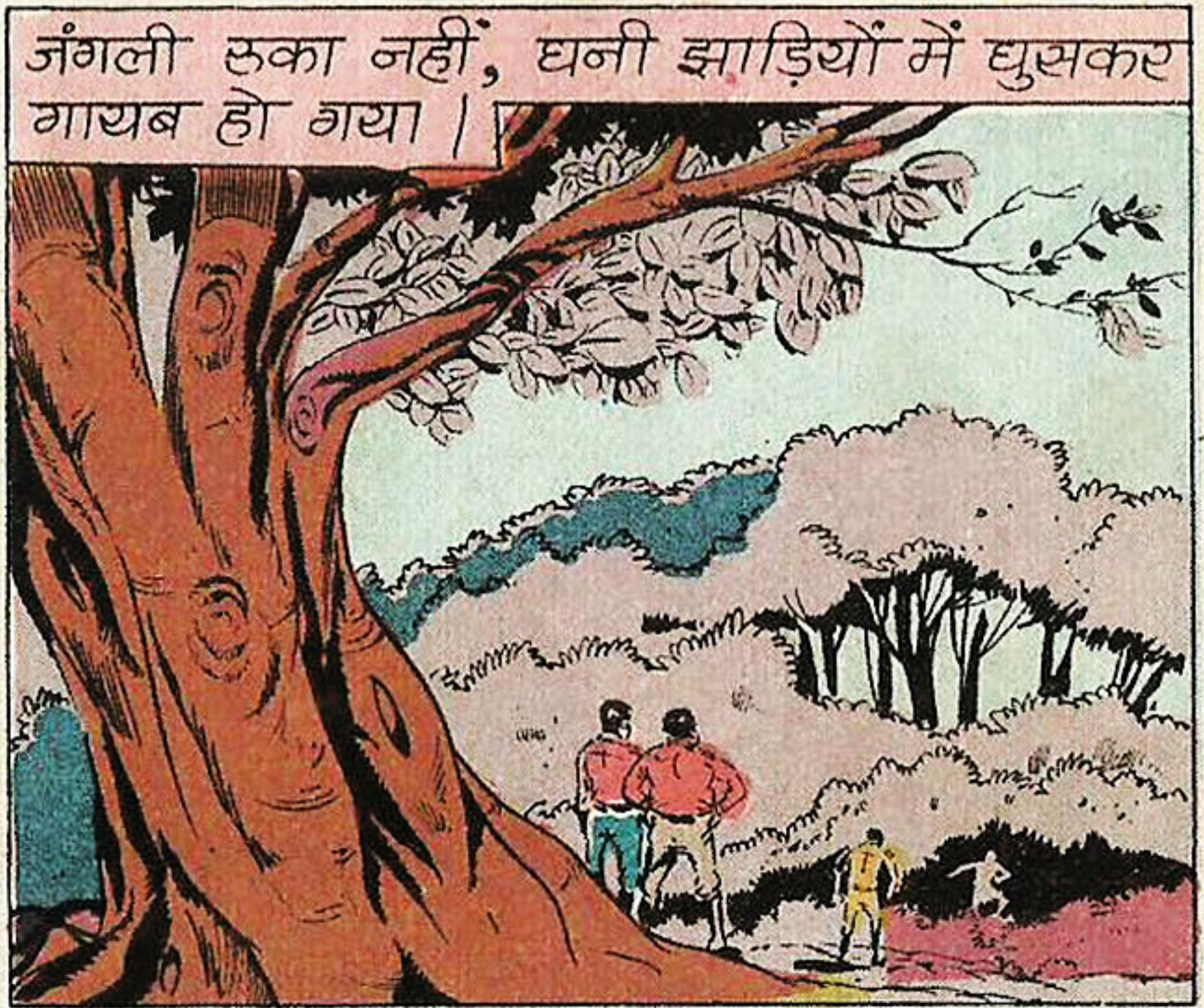
कुछ खतरा तो मोल लेना ही पड़ेगा।
काश! हम अपने पिस्तौल साथ लाये होते तो मुकाबला तो कर सकते थे।

अभी वह चलने का इरादा कर ही रहे थे कि झाड़ियों के पीछे कुछ शोर हुआ और आठ-दस जंगली निकलकर सामने आ गये।

ओह! शायद जंगली हमला करने आये हैं।
डरो मत।

तभी रॉजर खुशी से चीख उठा।
ओह! उनके साथ एक सभ्य मानव भी है। शायद मिशनरी का स्वयं-सेवक।

जंगली वहीं रुके हुए थे, जबकि स्वयं-सेवक उनकी ओर बढ़ा।
हैलो! आप लोग कौन हैं?

रॉजर ने अपना परिचय कराया और उसे अपनी विपदा सुनाई।
तो आपका जहाज समुद्र में गिर गया है, मगर मैं आपकी सहायता करूंगा।
थैंक्स! लेकिन यह जंगली?

इनसे डरिए मत। हम लोग इन्हें काफी सभ्य बना चुके हैं। मैं इनको आपके बारे में समझा दूंगा, फिर यह आपके मित्र बन जायेंगे।
थैंक्स मिस्टर...!

मेरा नाम माइकल है।
आपसे मिलकर ऐसा लग रहा है मिस्टर माइकल, जैसे हमें नया जीवन मिल गया है।

कुछ देर बाद वह जंगलियों की बस्ती में एक झोंपड़ी में माइकल के साथ बैठे थे। जंगलियों ने उन्हें मित्र मान लिया था और उनके सामने खाने के लिए फलों का ढेर लगा दिया था।
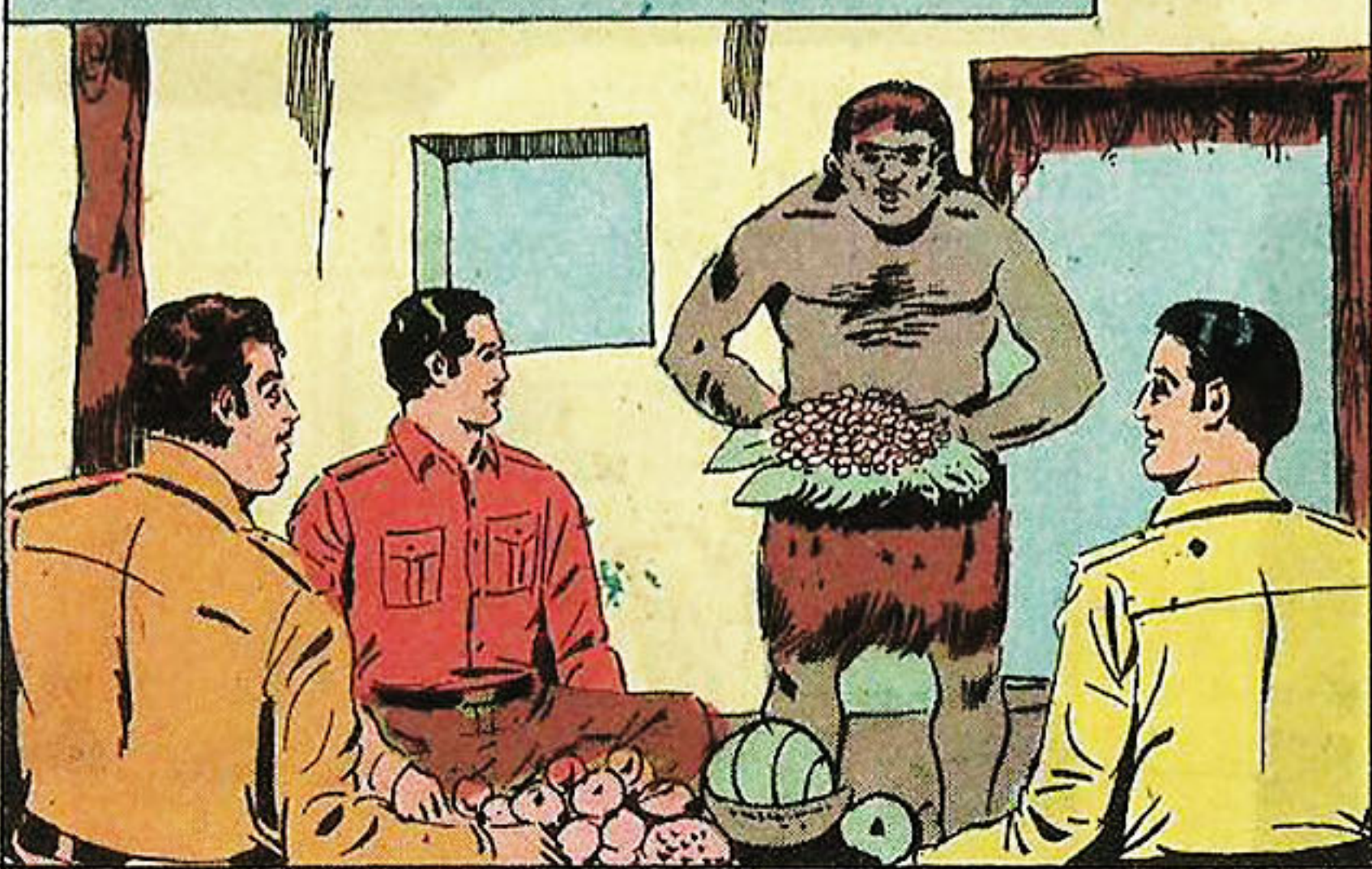
फल रखकर जंगली बाहर चले गये तो रॉजर ने माइकल को विस्तार से अपने सफर के बारे में बताया। सबकुछ सुनकर माइकल बोला—
तो अब आप लोग वापस शहर जाना चाहते हैं या कोंगा टापू जायेंगे?

मैं तो कोंगा टापू ही जाना चाहता हूं। वह यहां से निकट भी है और फिर वहां मेरा भाई डेविड भी है। हम वहां पहुंच गये तो वह हमारी वापसी का प्रबन्ध कर देगा।
तुम्हारा विचार ठीक है रॉजर!

तो फिर मैं आप लोगों को अपनी बोट में कोंगा द्वीप छोड़ आऊंगा, लेकिन मैंने सुना है कि उस द्वीप के निकट जो पतली-सी नहर जाती है, उसमें खतरनाक मगरमच्छों की भरमार है।

हां, यह तो है। द्वीप तक पहुंचने का वह संकरा रास्ता बड़ा खतरनाक है। नदी में कीचड़ भी है और खतरनाक मगरमच्छ भी, लेकिन अभी तक वहां कोई दुर्घटना नहीं घटी है।
तो ठीक है, हम कुछ देर बाद ही कौंगा के लिए रवाना हो जाते हैं।

माइकल के पास काफी बड़ी बोट थी, जो इंजन से चलती थी।

बोट रवाना हुई तो जंगलियों ने तट से अपने भाले लहराकर व उछल-कूद करके उन्हें बिदाई दी।

चार घण्टे खुले समुद्र में यात्रा करने के बाद उनकी मोटर बोट एक संकरी खाड़ी में प्रविष्ट हुई।
यह खाड़ी हमारे द्वीप तक जाती है, बल्कि यूं कहना उचित होगा कि वहीं जाकर समाप्त हो जाती है।

बोट जिस नहर में चल रही थी, उसका पानी काफी गंदा और बदबूदार था।
यह दुर्गन्ध कैसी है?

इस नदी में मगरमच्छ रहते हैं। उन्हीं के कारण पानी सड़ गया है।

तभी–
ओह ! मगरमच्छ।

उधर भी है।
और इधर भी।

यह हमारी बोट पर हमला तो नहीं करेंगे ?
नहीं, इंजन की आवाज से डरकर यह निकट नहीं आयेंगे। वैसे भी हम टापू के निकट पहुंच चुके हैं।

उनकी बोट मगरमच्छों के निकट से गुजरती रही।

फिर वह टापू के निकट पहुंच गये।
अरे ! वह देखो, तट पर मेरा भाई डेविड खड़ा है।

वह शायद बोट की आवाज सुनकर तट पर आया है।
हां !
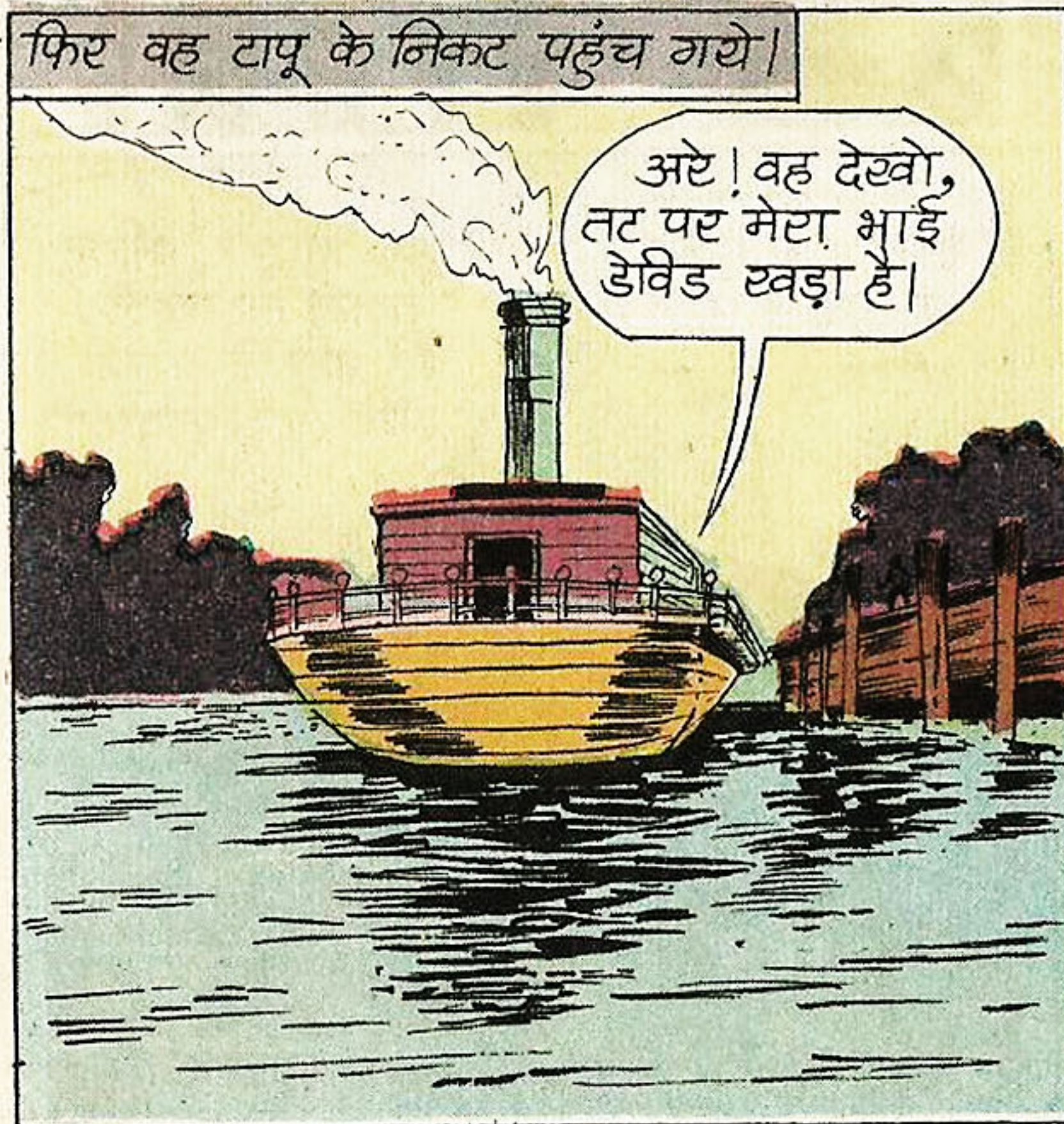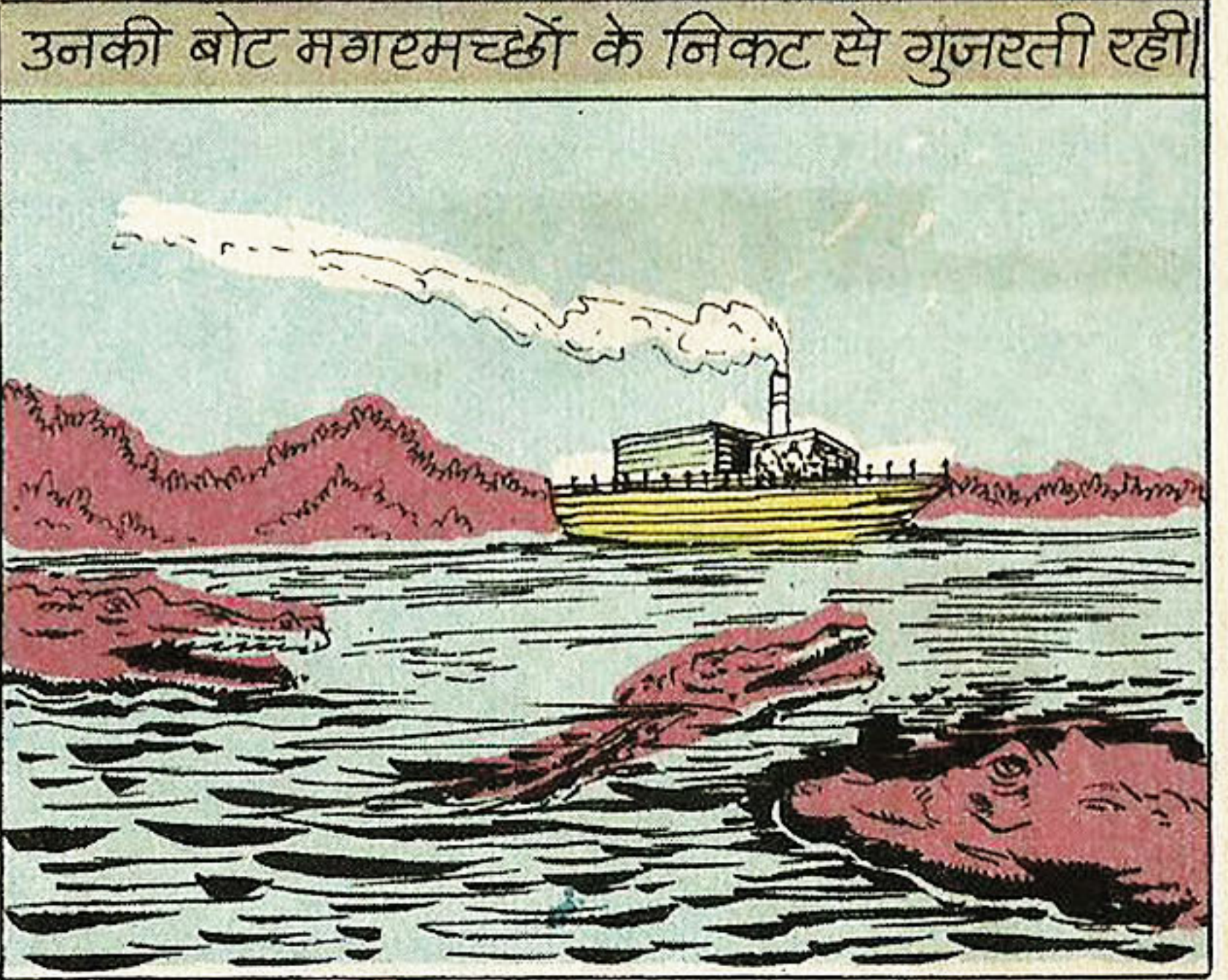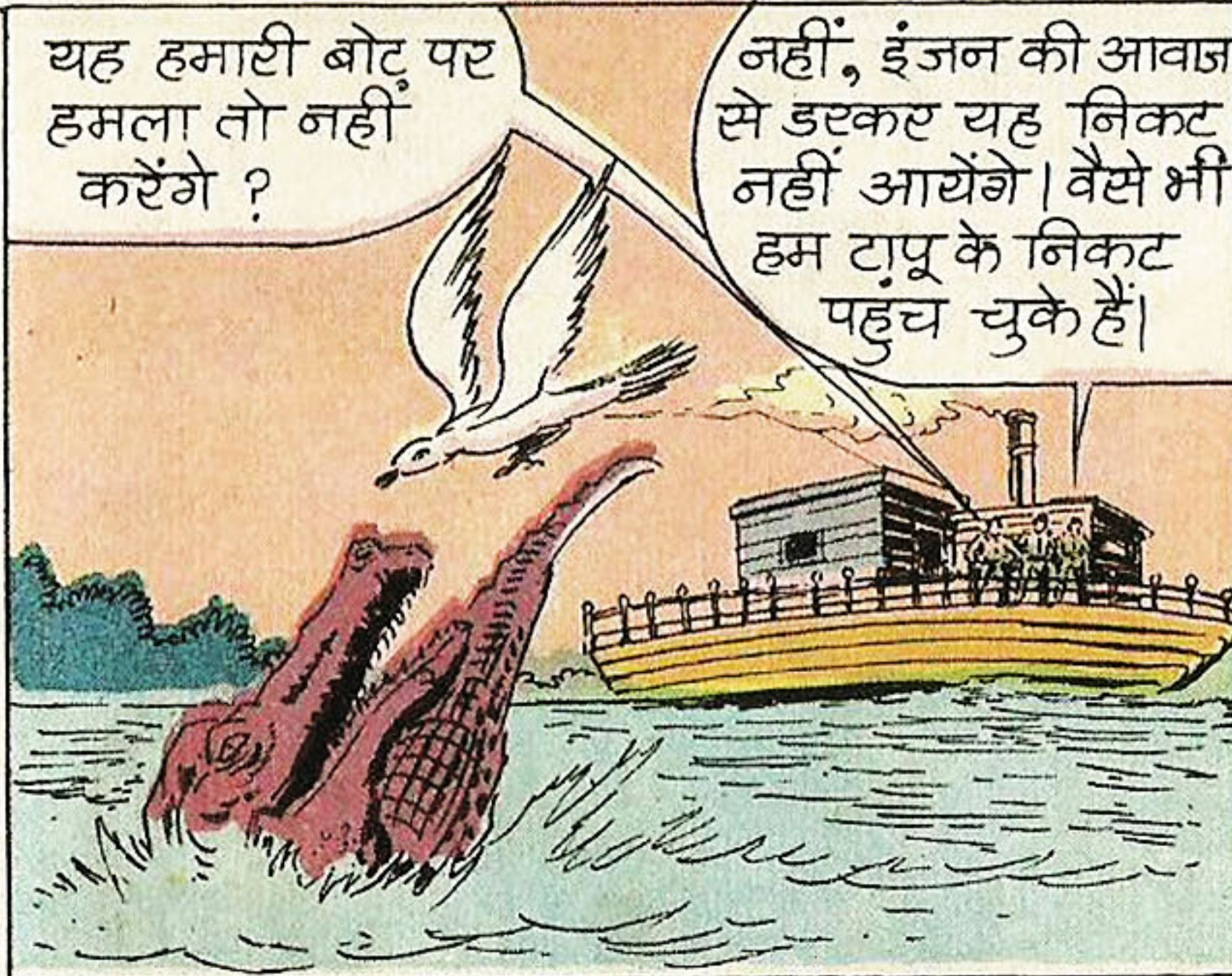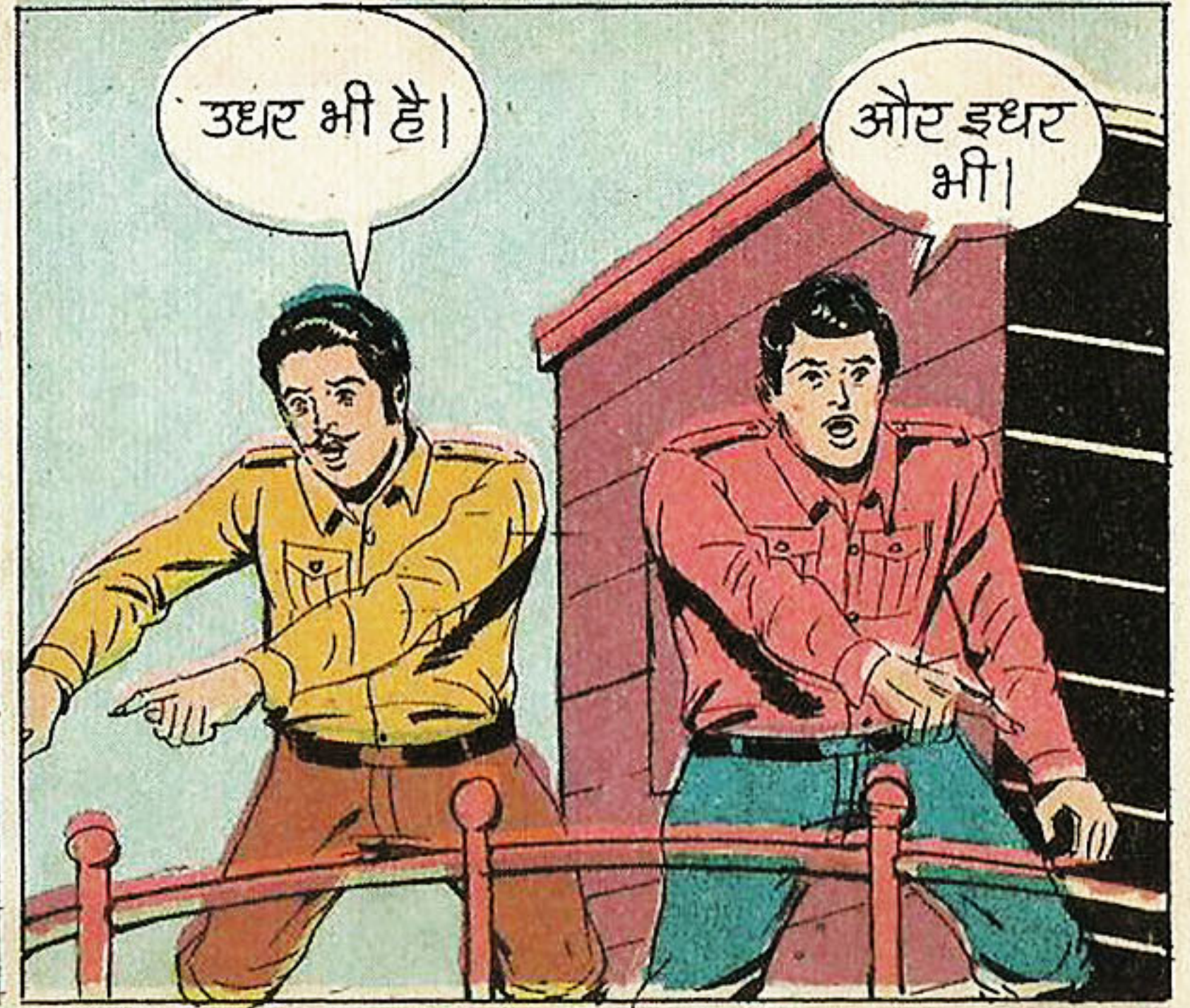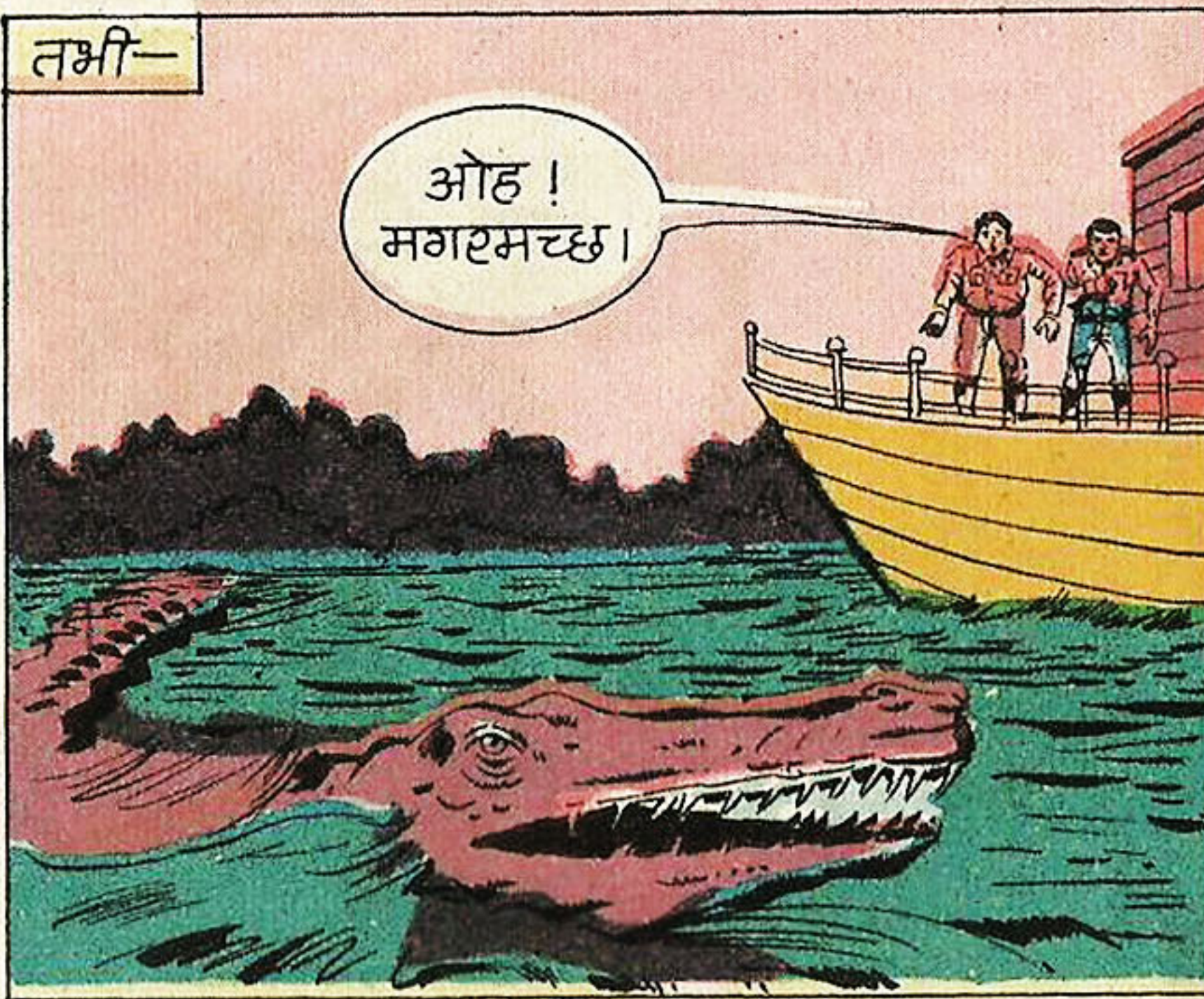
बोट के रुकते ही रॉजर कूदकर उतरा और डेविड की ओर दौड़ा।
डेविड! मेरे भाई!
रॉजर!
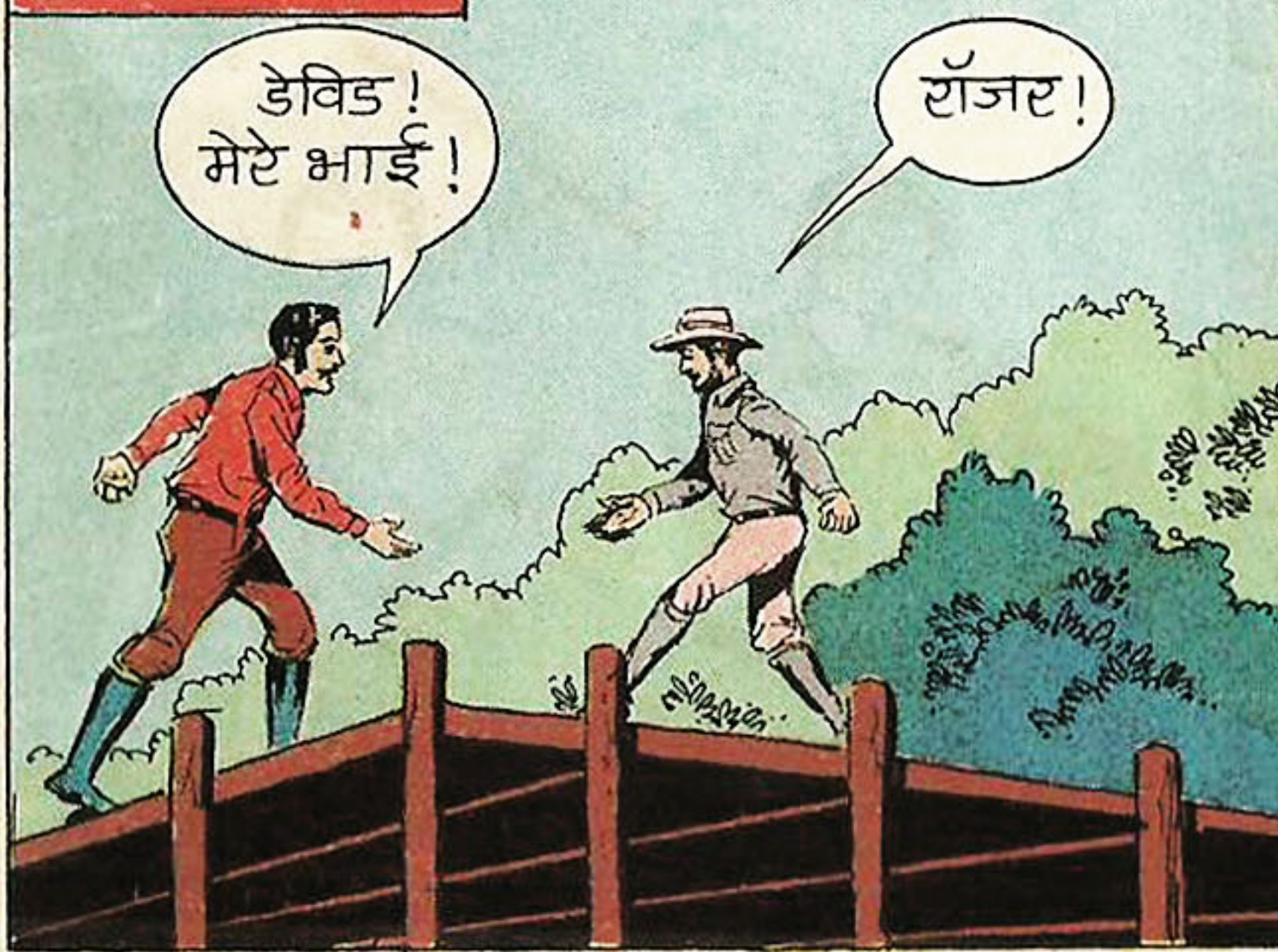
दोनों भाइयों ने हाथ मिलाया। अमर-अकबर और माइकल भी बोट से उतरकर निकट पहुंच गये।
राजन ने उन सबका परिचय कराया।
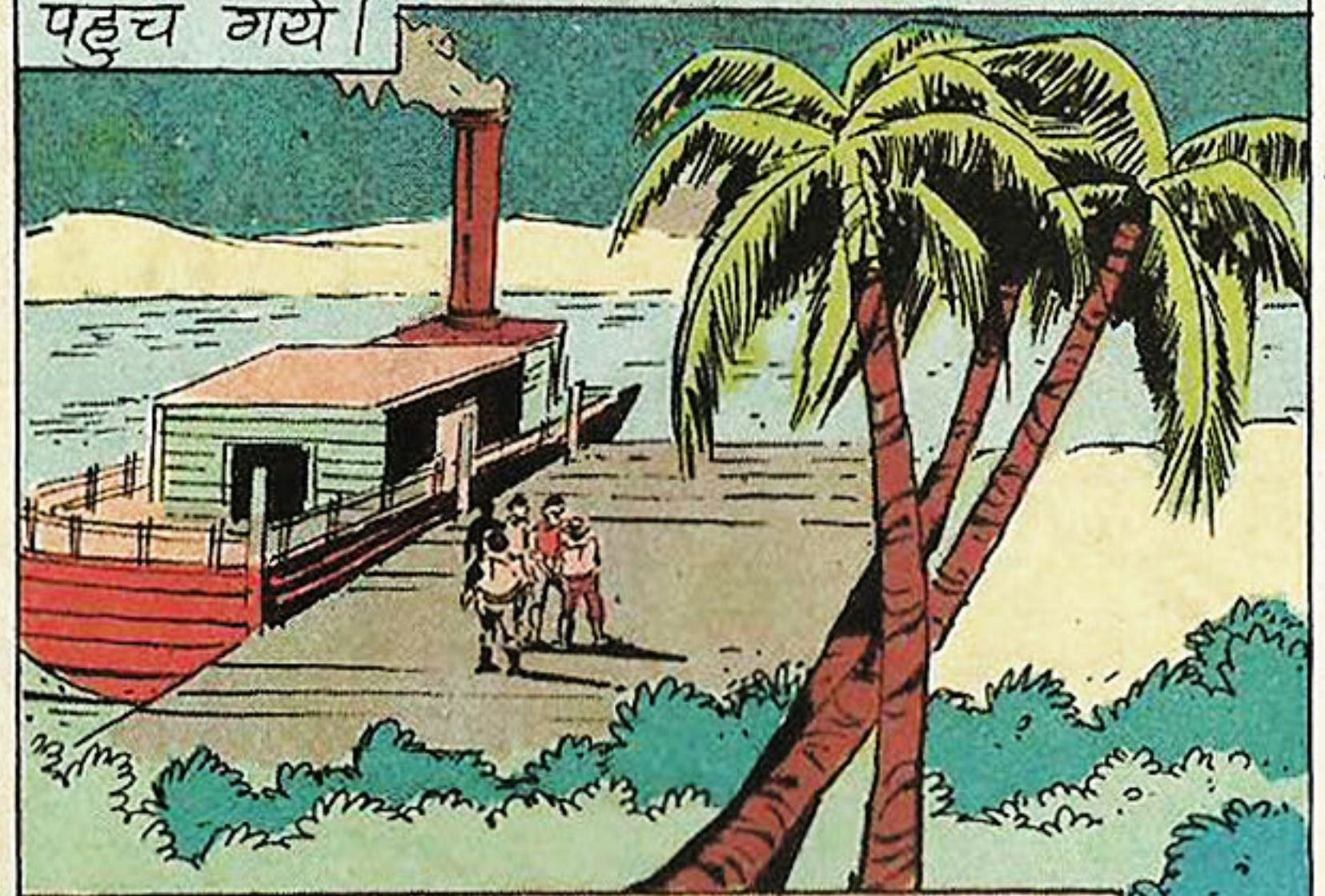
टापू के बीच एक पुरानी हवेली बनी हुई थी, जिसके चारों ओर जंगल था। डेविड उन्हें हवेली की ओर ले चला।
जंगल में बनी यह हवेली कितनी विचित्र लग रही है।
यह हवेली हमारे पुरखों ने बनवाई थी। अब यह हम दोनों भाइयों की सम्पत्ति है।
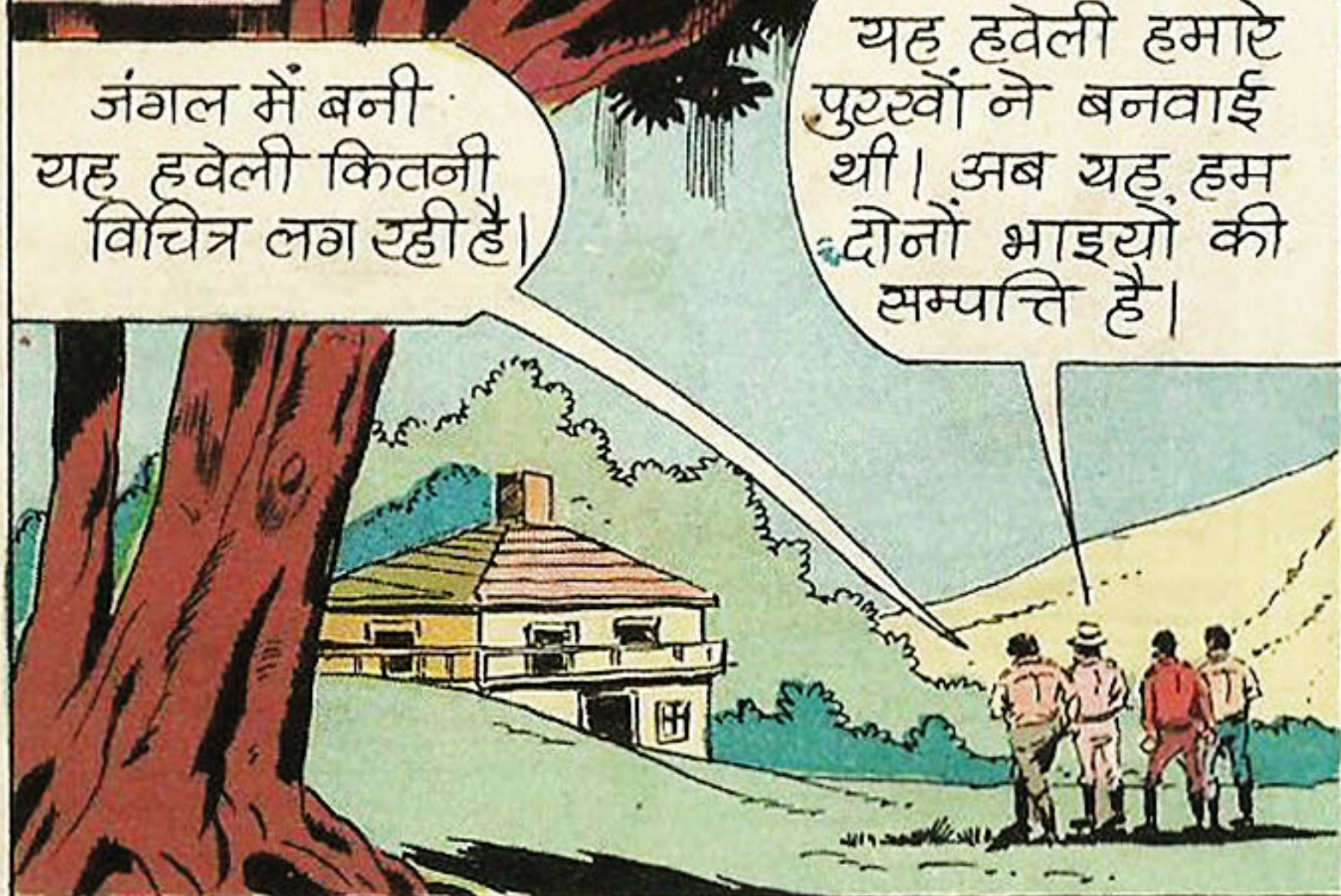
हवेली की खिड़कियां बहुत बड़ी थीं और सभी खिड़कियों और रोशनदानों पर कांच लगे हुए थे।
हवेली के किसी भी कमरे में बैठकर इन खिड़कियों से पूरे टापू को देखा जा सकता है।

यह तो ठीक है मिस्टर डेविड, लेकिन इस टापू पर आप अकेले क्या करते हैं? आपका मन यहां अकेले में ऊब नहीं जाता होगा?
मैं यहां अकेला नहीं हूं, मेरी पूरी सेना मेरे साथ रहती है।

सेना? आपका मतलब है फौज?
हां। आइये, भीतर चलने से पहले मैं आपको अपनी सेना से मिलवाता हूं।

डेविड उन्हें हवेली के पीछे लेकर आया
ओह! यह क्या चीज है?

यह शहद की मक्खियां मेरी सेना है। मैंने कुल सौ छत्ते तैयार किये हैं, जिनमें अरबों मक्खियां मेरे लिए शहद एकत्र करती हैं और जरूरत पड़ने पर मेरे लिए शिकार भी करती हैं।

शिकार भी करती हैं?
जी हां! वर्षों की मेहनत के बाद मैंने इन मक्खियों की भाषा समझने में सफलता प्राप्त कर ली है। अब मैं इन्हें अपने इशारे पर चला सकता हूं।

यह असम्भव है। भला मधु मक्खियां इंसान की भाषा कैसे समझेंगी?
लेकिन अपनी भाषा तो समझ लेंगी ना। आप इस बात को यूं भी कह सकते हैं कि मैंने इन मधु मक्खियों की भाषा सीख ली है। वर्षों के अध्ययन के बाद...

...मैंने ये समझा है कि जब मधु मक्खी को गुस्सा आता है तो वह अपने पंखों से एक भिनभिनाहट का स्वर निकालती है। यह स्वर सुनकर दूसरी मक्खियां भी क्रोध में आ जाती हैं और समझ लेती हैं कि निकट में कोई शत्रु है और उन्हें उस पर आक्रमण करना है...
...मक्खियों की उसी क्रोध वाली भिनभिनाहट को मैंने अपने होंठों से निकालने में दक्षता प्राप्त कर ली है। अब मैं अपने मुंह से स्वर निकालकर इन मक्खियों को क्रोध दिला सकता हूं।

आप बड़ी विचित्र बात बता रहे हैं मिस्टर डेविड!
मुझे भी विश्वास नहीं होता।
और मुझे भी।

मैं अपनी बात का सबूत पेश कर सकता हूं। आप जंगल में उस हिरण को चरते देख रहे हैं?

हां।
तो मैं अपनी सेना से उस हिरण का शिकार कराता हूं। आप लोग मेरे निकट खड़े हो जाइये और बिल्कुल हरकत मत कीजिए, अगर मैं आगे बढ़ूं या पीछे हटूं तो भी आप लोग निश्चल खड़े रहिए।

ठीक है।
तो फिर मैं अपनी फौज को बुलाता हूं। याद रखिए, आप लोगों को हिलना बिल्कुल नहीं है, वरना नतीजे की जिम्मेदारी मुझ पर नहीं होगी।
कहकर...

... डेविड ने अपने होंठों को एक विचित्र से अंदाज में भींचकर मुंह से आवाज निकालनी शुरू की।
...भिन्न ssss भिन्न ssss भिन्ना...
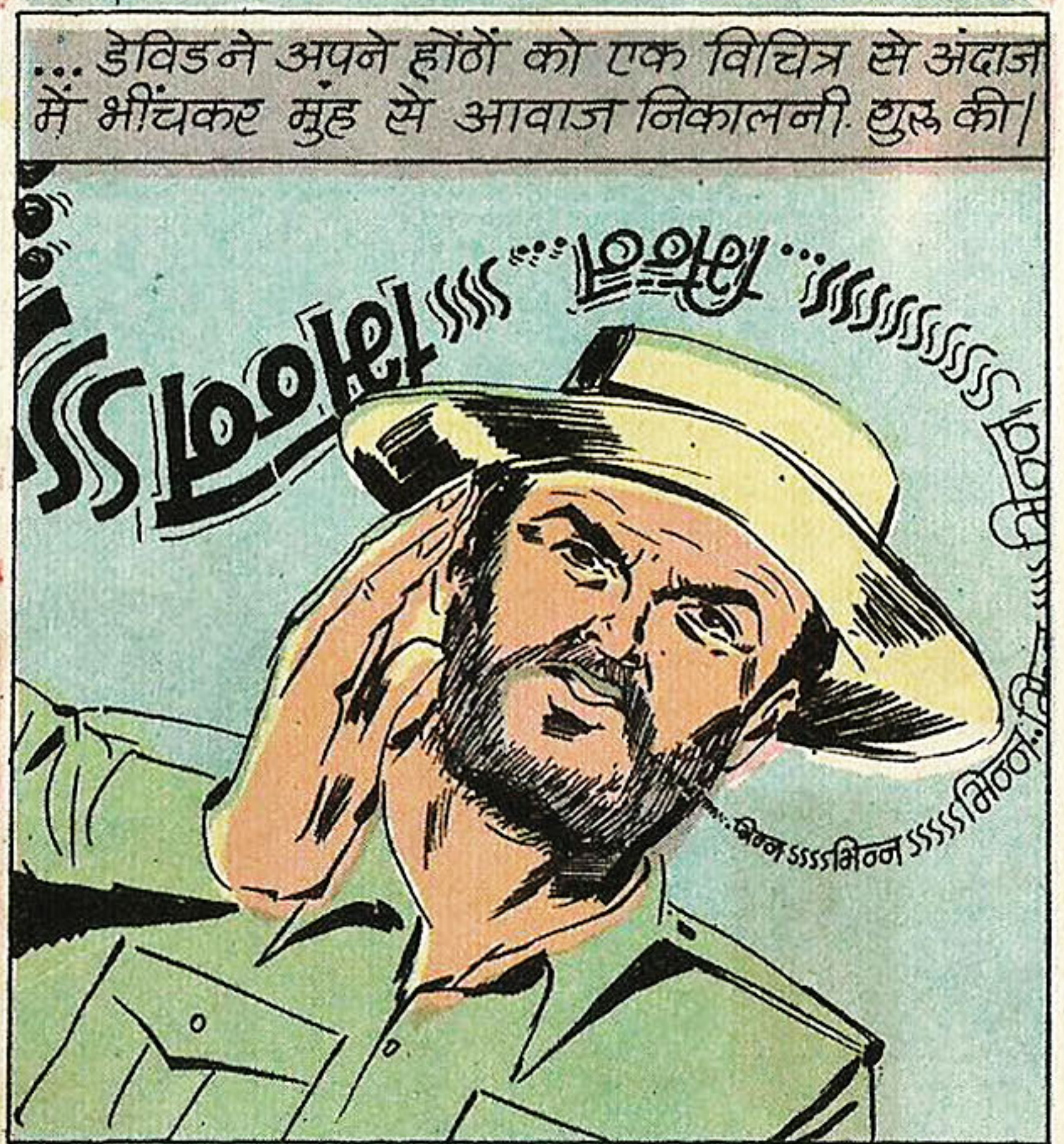
इस आवाज के साथ ही मक्खियों के छत्तों में हलचल हुई और कुछ मक्खियां उड़ने लगीं।
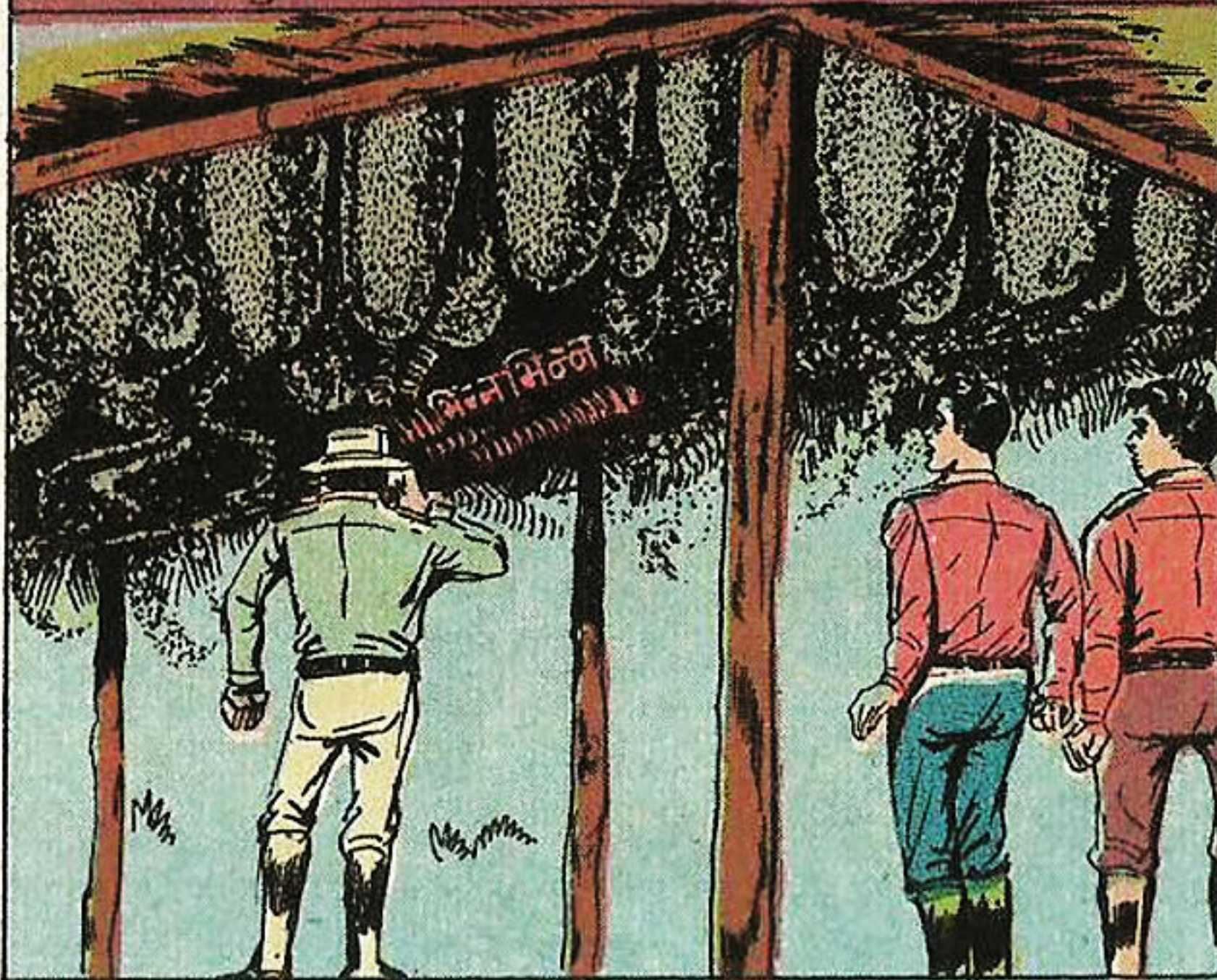
फिर सारा वातावरण मक्खियों की भिनभिनाहट से गूंज उठा।
डेविड के मुख से निकलने वाले स्वर को सुनकर मक्खियां उनकी ओर आ रही थीं।
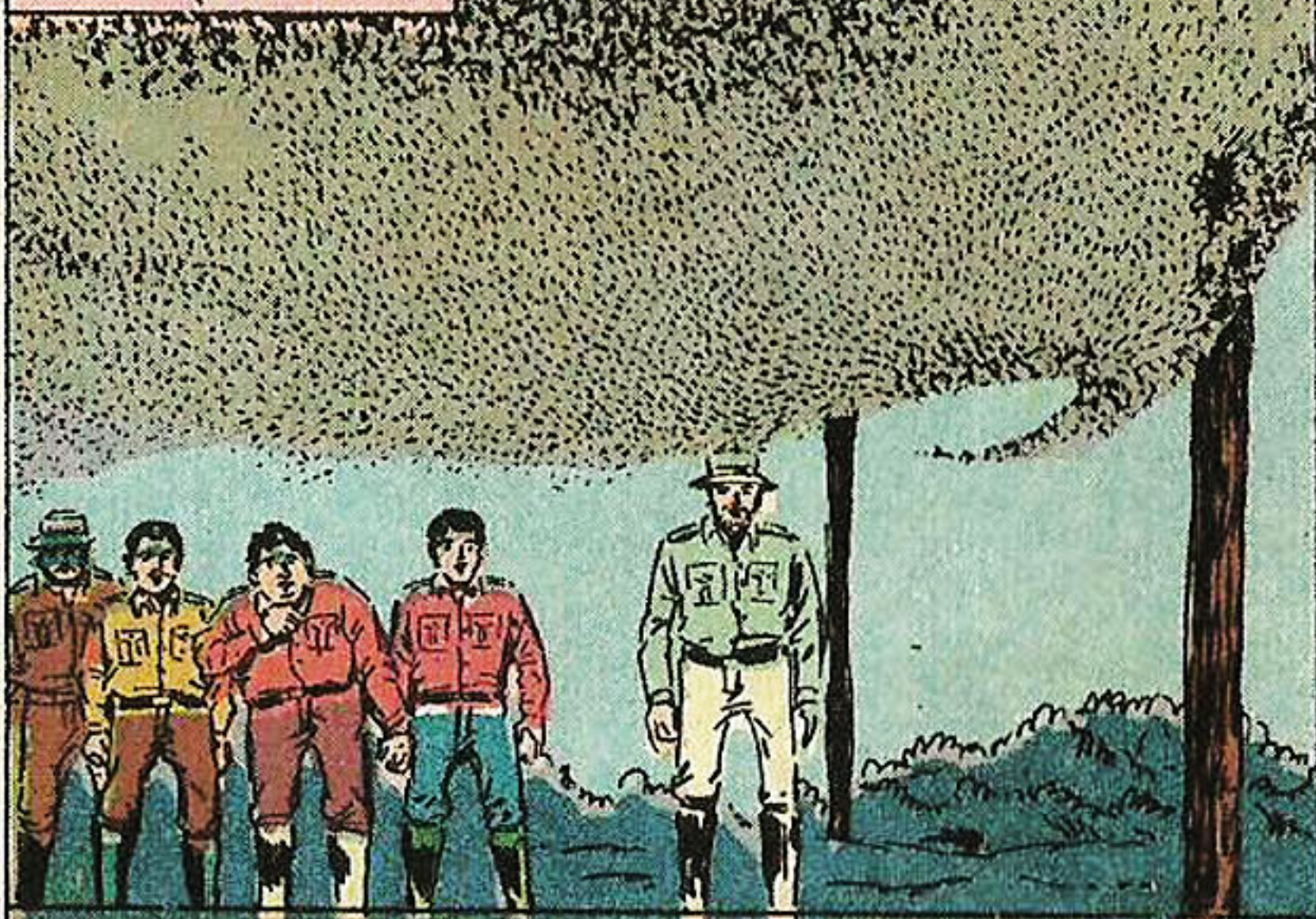
मक्खियों का विशाल बादल उनके सिरों पर मंडरा रहा था। कुछ मक्खियां उनके शरीर से भी टकरा रही थीं।
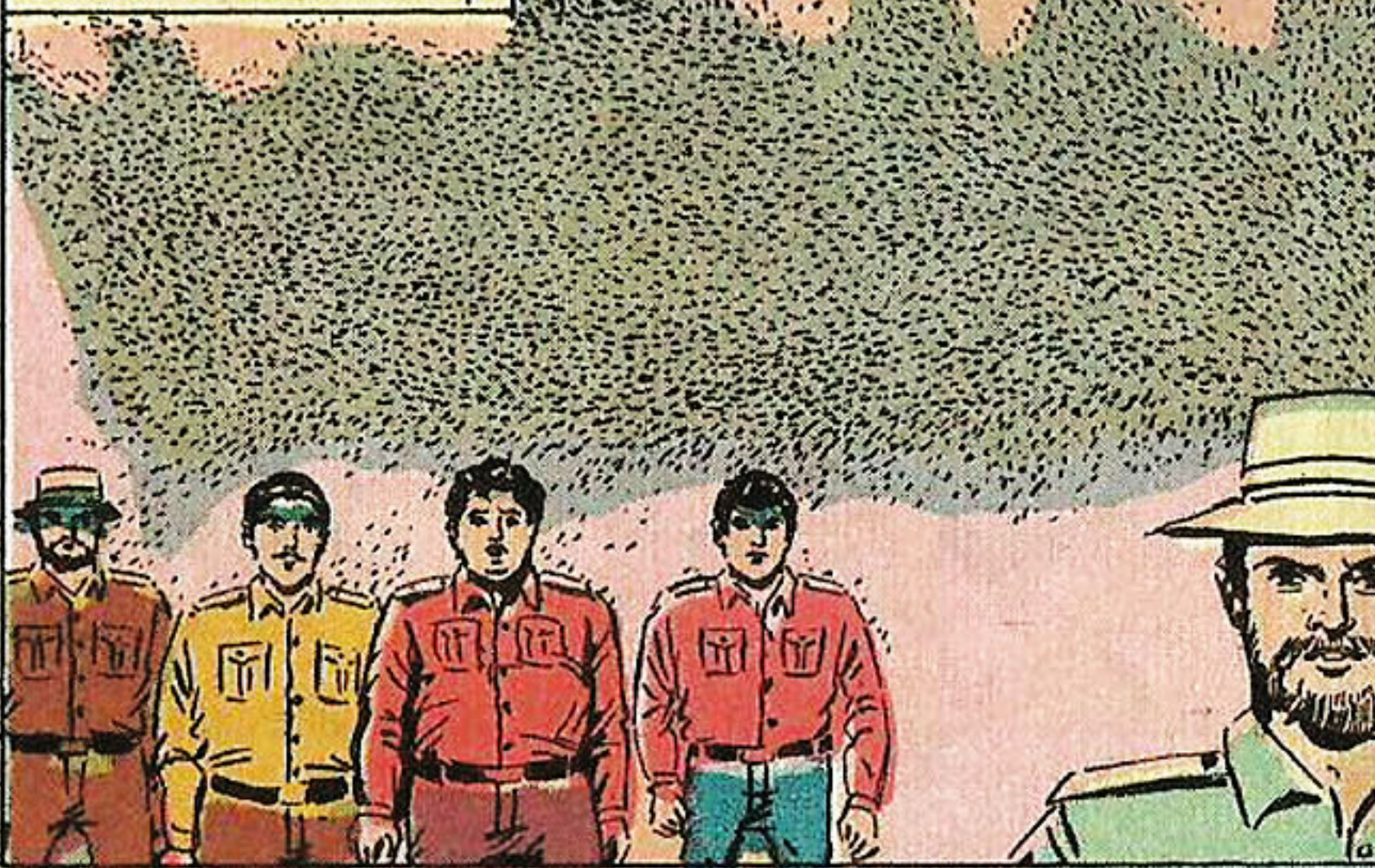
डेविड के निर्देशानुसार वह तीनों निश्चल खड़े थे, लेकिन उनके दिल तेजी से धड़क रहे थे।

फिर डेविड ने बहुत धीरे-धीरे जंगल में चर रहे हिरण की ओर बढ़ना शुरू किया। मक्खियों का बादल उसके साथ चल रहा था।
वह तीनों आश्चर्य से अपनी जगह खड़े देख रहे थे।

करोड़ों मक्खियों की तेज भिनभिनाहट हिरण ने सुनी तो वह घबराकर भागा।
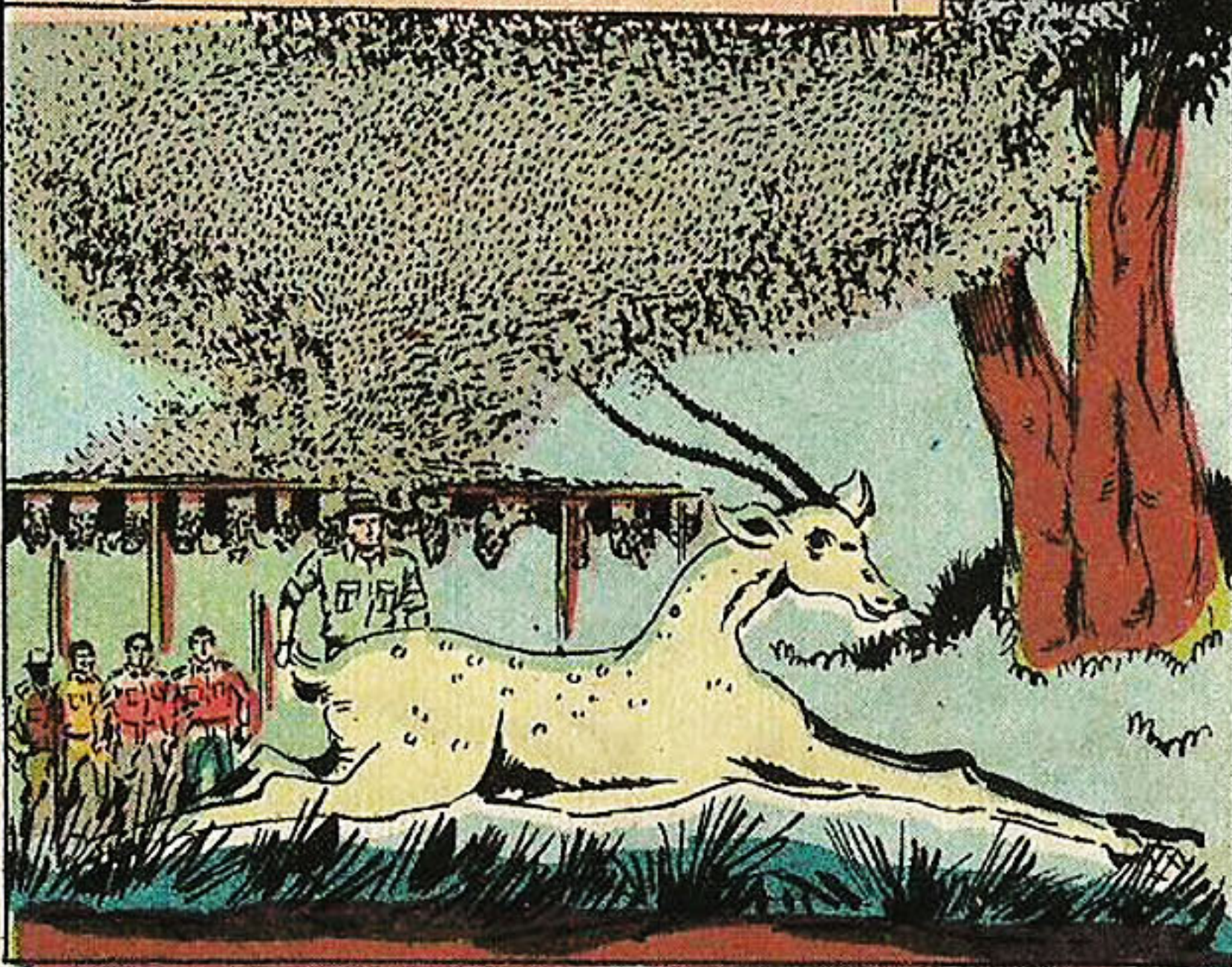
मक्खियों का दल बादल के रूप में डेविड के सिर से हटकर हिरण की ओर भागा...
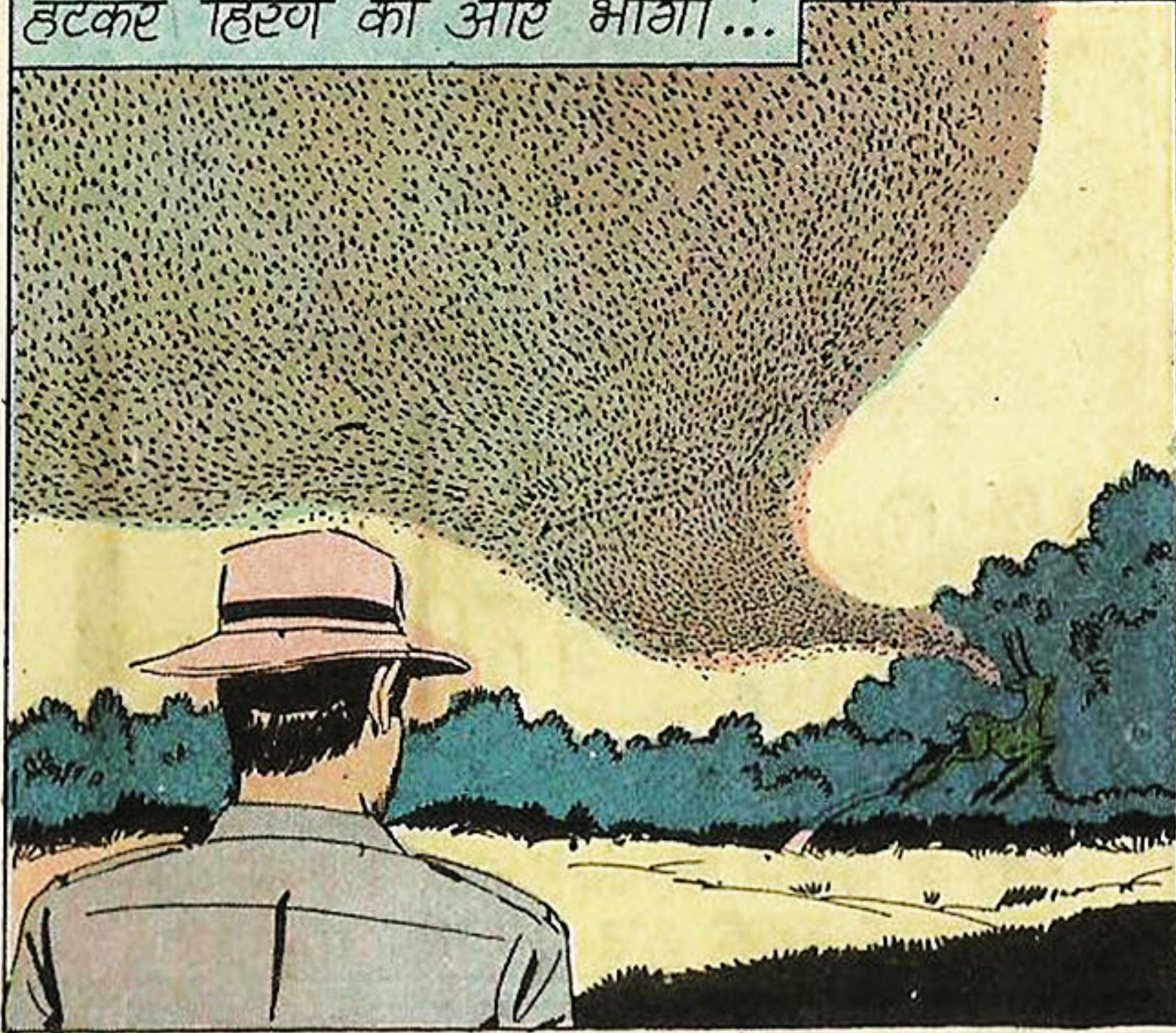
...और कुछेक क्षण में मक्खियां हिरण तक पहुंच गईं।
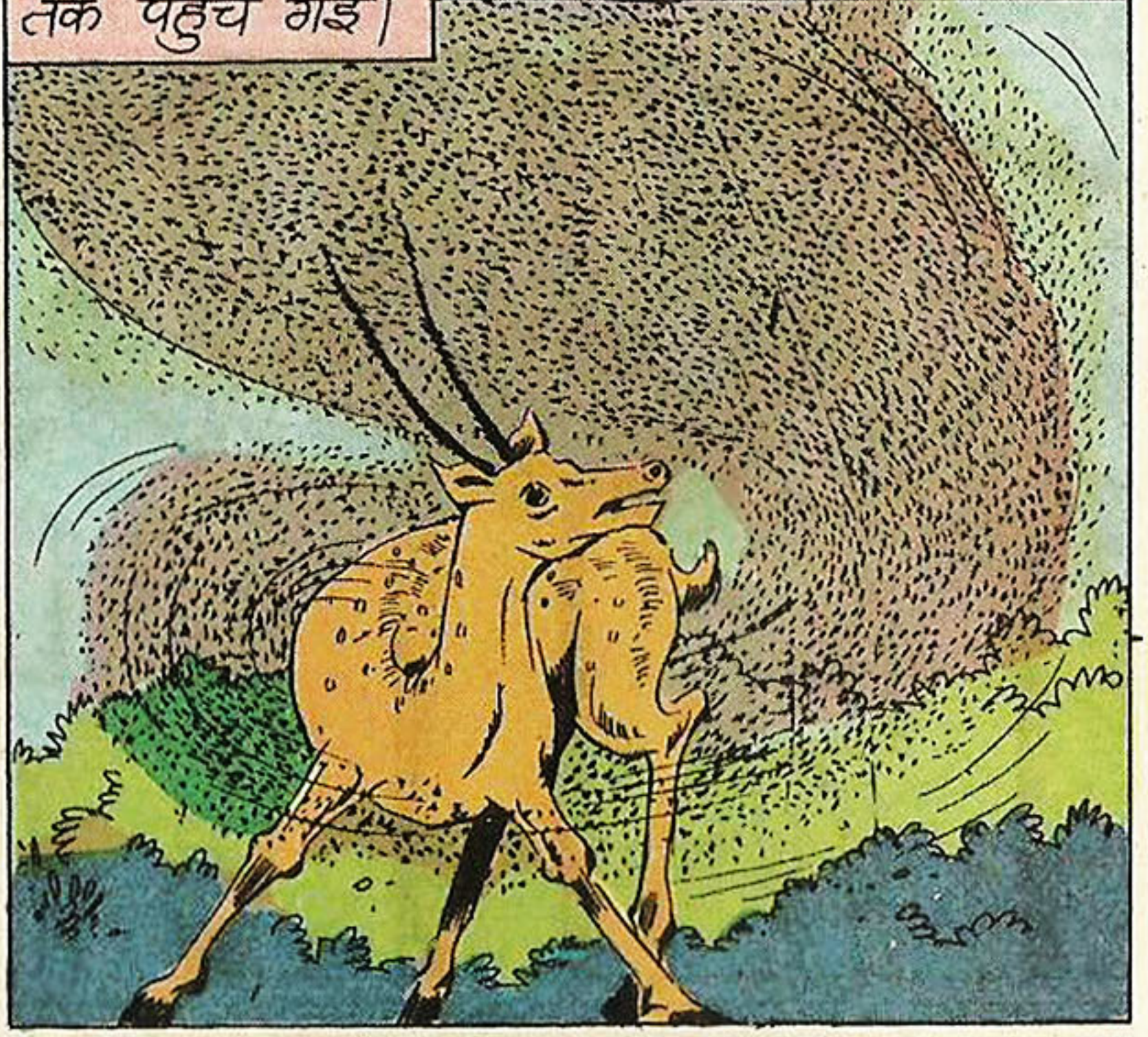
हिरण गिर गया। उसके समूचे शरीर पर मक्खियां लिपटी हुई थीं।
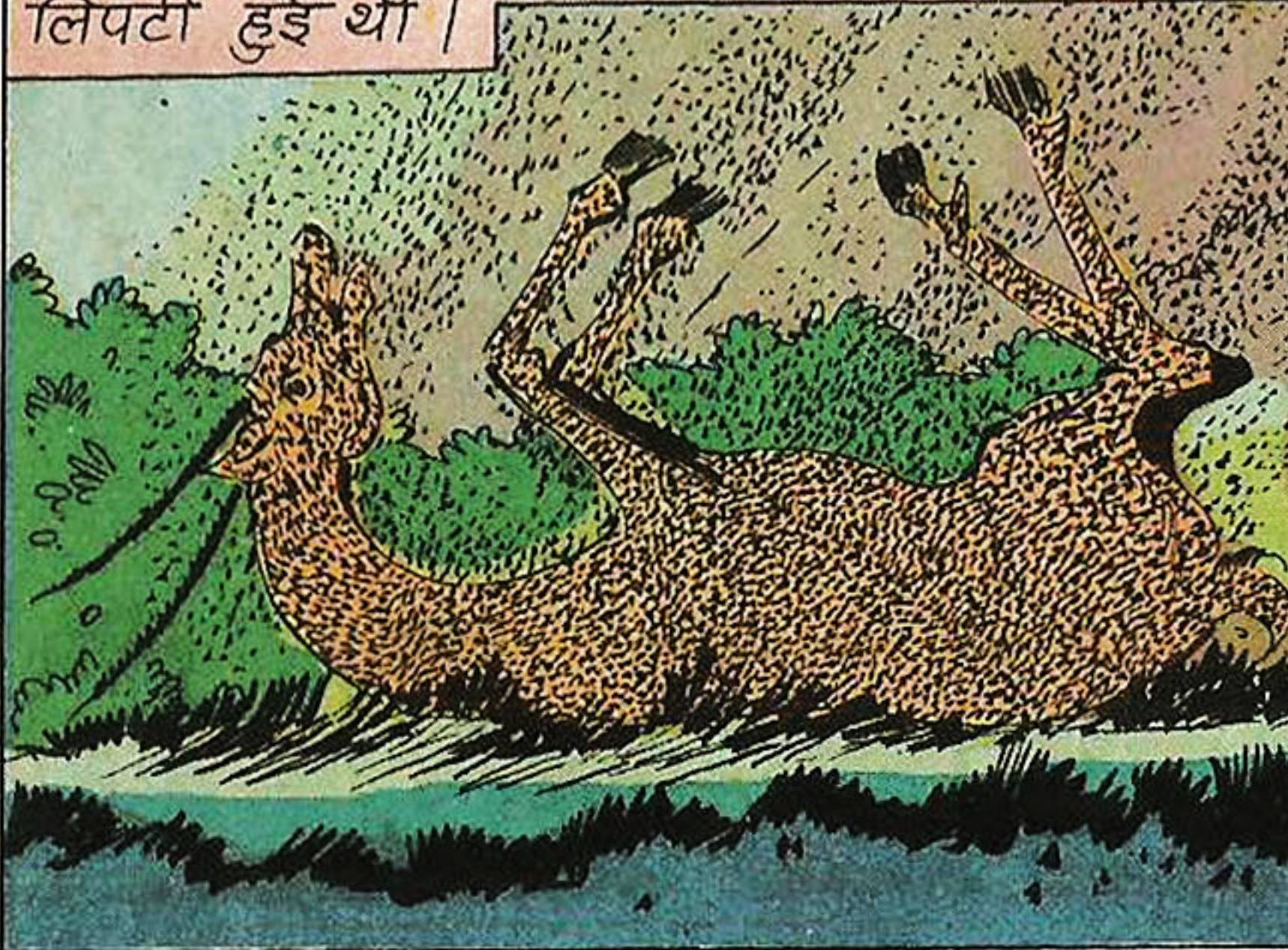
तीनों हैरत से यह दृश्य देख रहे थे।
कुछ क्षण बाद मक्खियां हिरण के शरीर से उड़कर अपने छत्तों की ओर जाने लगीं।

अब वहां सिर्फ हिरण का मृत शरीर पड़ा रह गया।
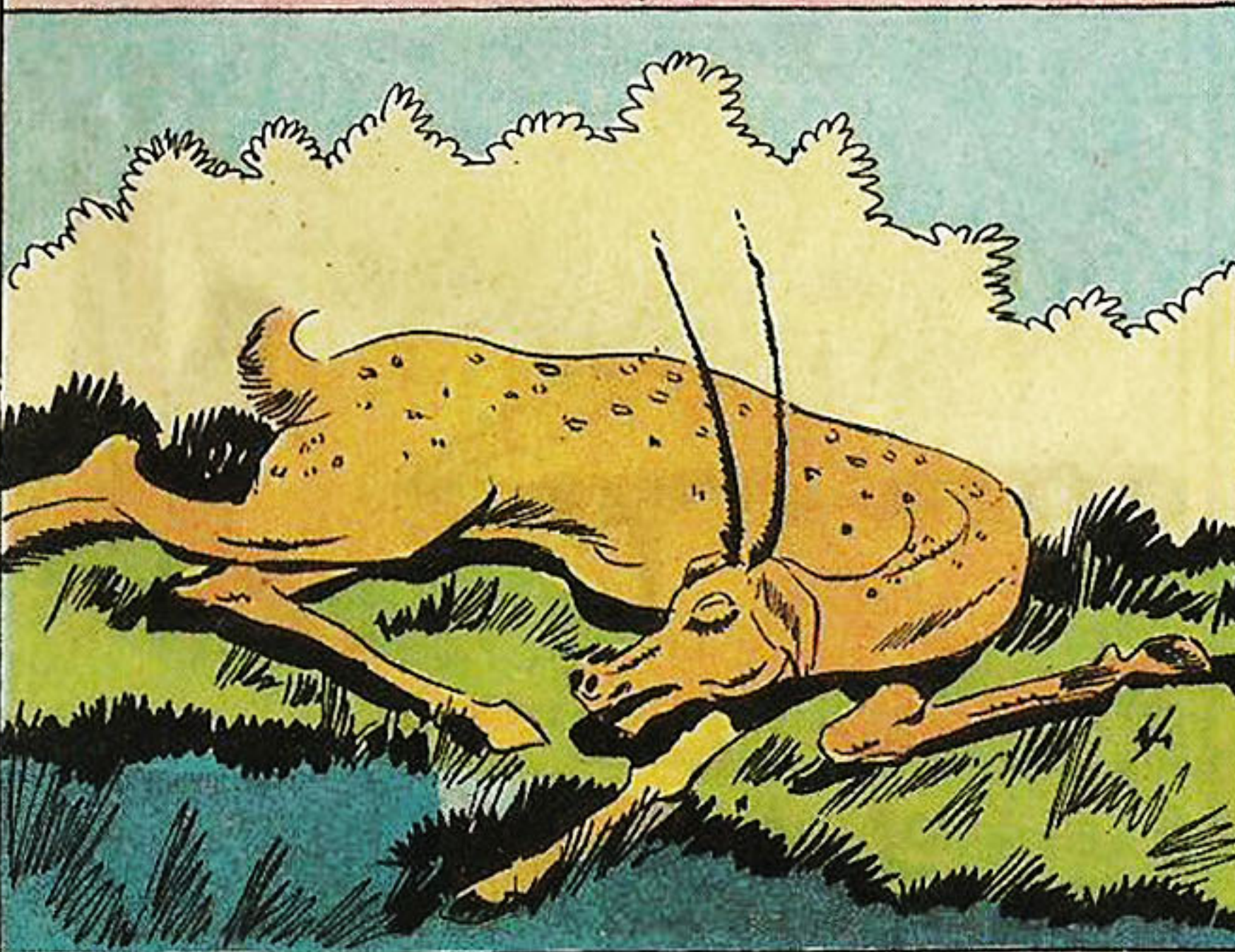
अब तो आप लोगों को मेरी बात का विश्वास आ गया होगा ?

हां,आपने सचमुच आश्चर्यजनक काम किया है।
मुझे तो पता ही नहीं था कि तुमने मधु मक्खियां पाल रखी हैं।

अब तो पता चल गया ना। आओ, अब भीतर चलते हैं। मैं तुम लोगों के खाने-पीने का प्रबन्ध करता हूं।

कुछ देर बाद वह हवेली के एक बड़े हॉल में खाने की मेज पर बैठे थे।

खाने के दौरान रॉजर ने डेविड को बताया कि वह लोग कितनी मुसीबत उठाकर यहां तक पहुंचे थे।
बस, यह समझ लो कि हम लोग बाल-बाल बचे हैं। अगर हम जहाज से न कूदते तो...।
तो यहां तक न पहुंच पाते?

हां!
बाई दी वे, तुमने अचानक यहां आने का फैसला क्यों कर लिया था रॉजर?
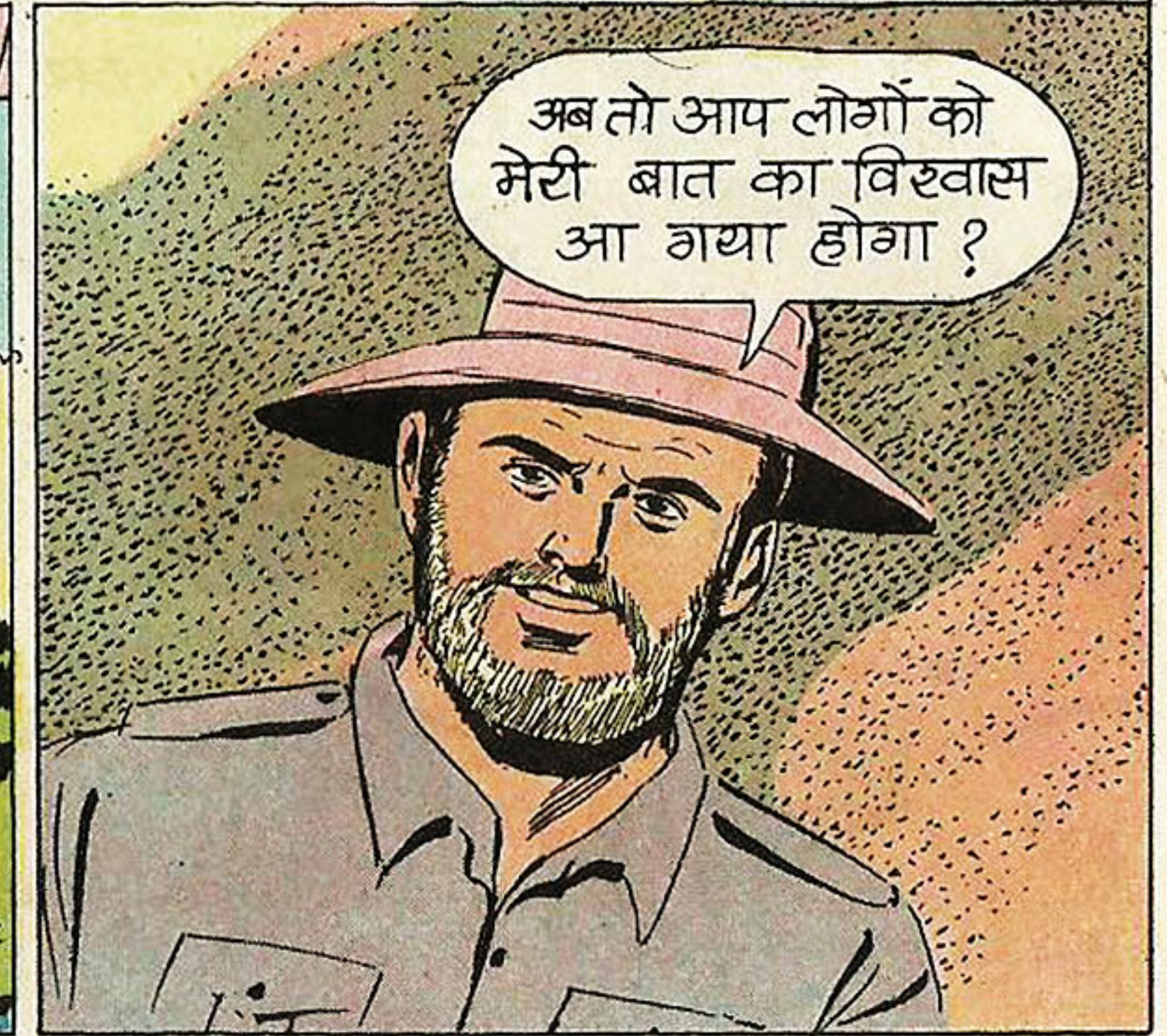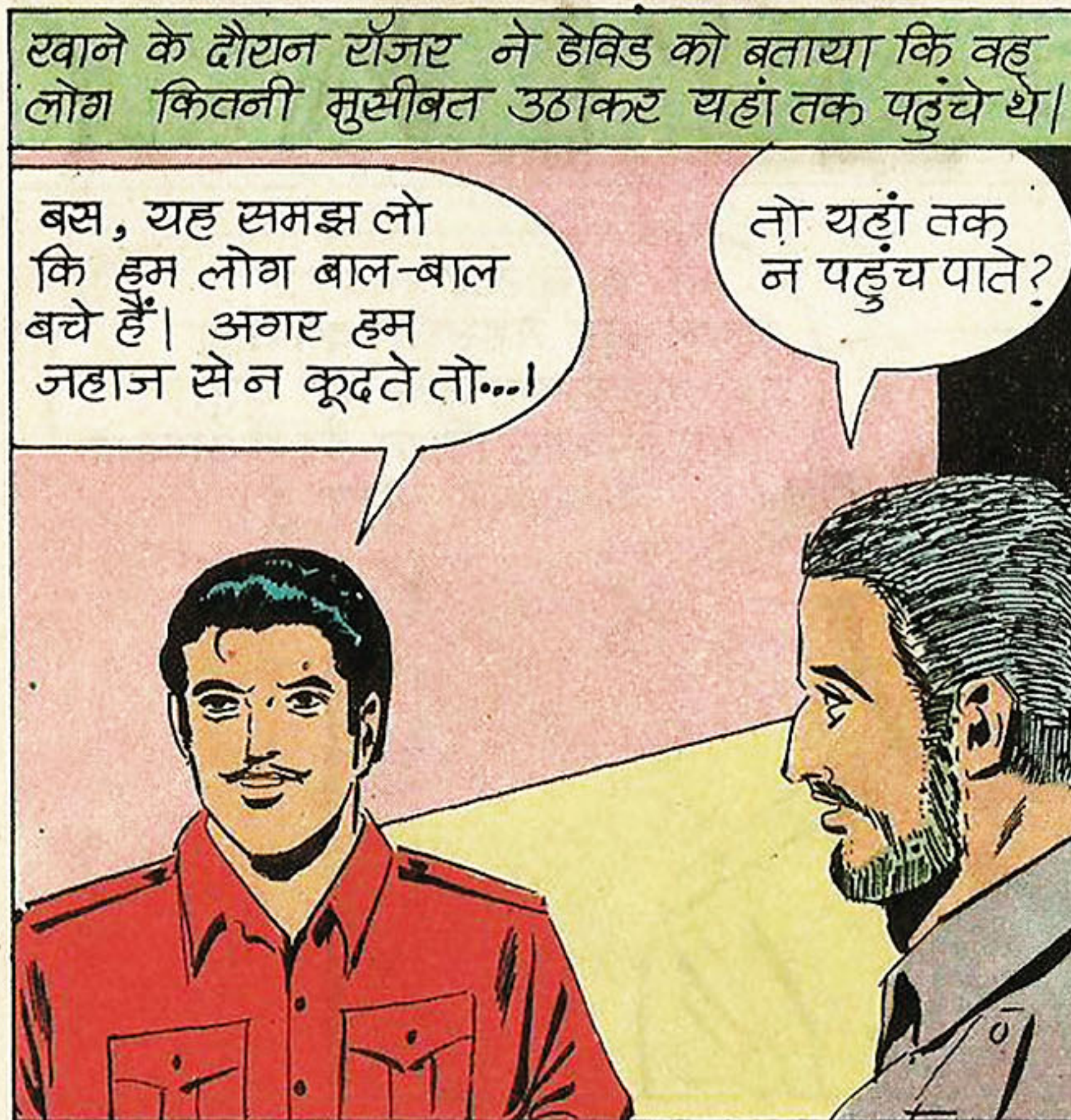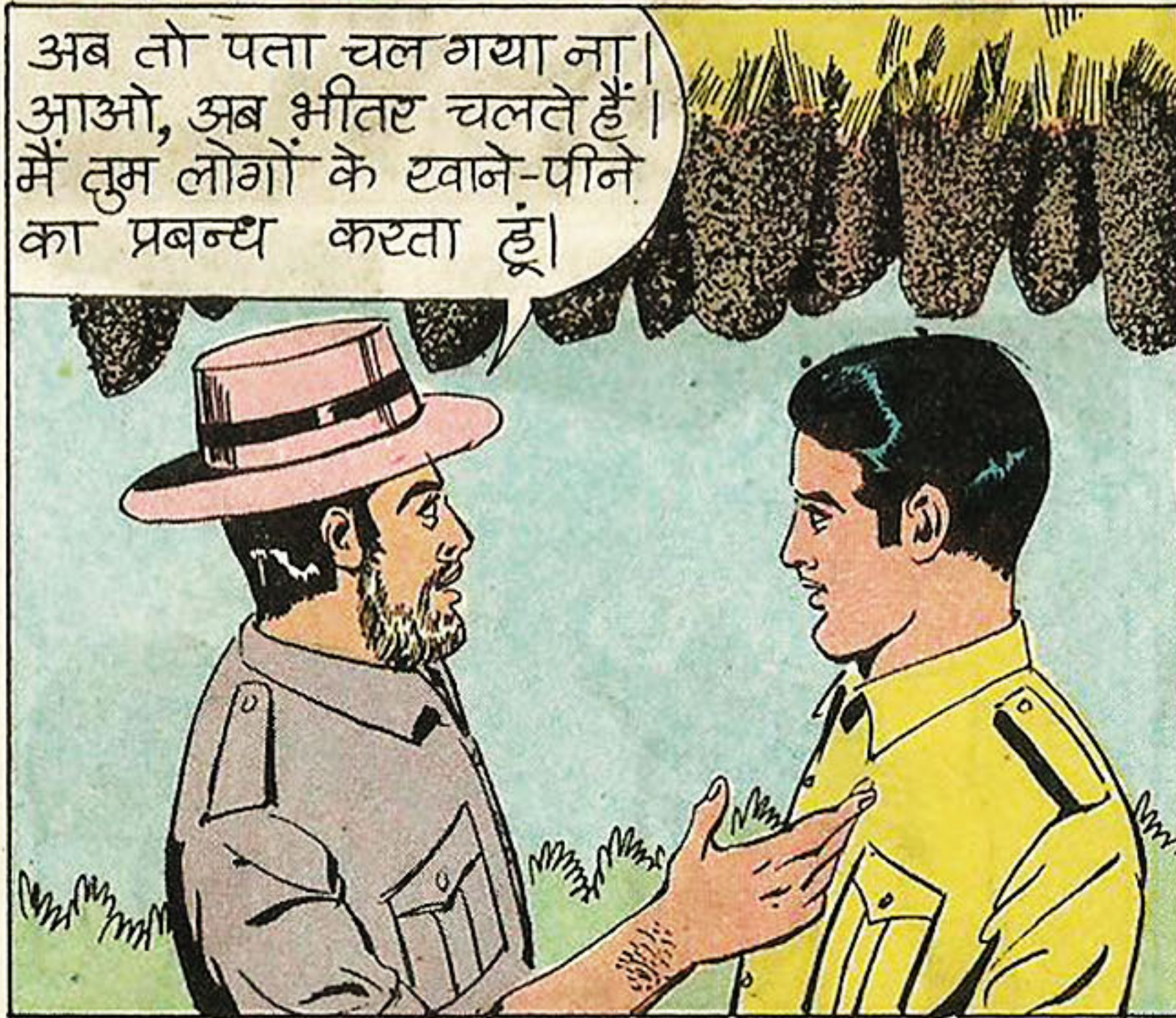
मैं तुमसे इस सम्पत्ति को बेचने के सिलसिले में बात करने आया हूं।
यानी तुमने यह टापू बेचने का निर्णय कर लिया है।

हां डेविड, और तुम जानते ही हो कि डैडी के वसीयतनामें के अनुसार मुझे यह निर्णय करने का अधिकार मिला हुआ है।
मैं जानता हूं, डैडी सारी सम्पत्ति का मालिक तुम्हें ही बना गये हैं। मुझे तो सिर्फ कुछ ही हिस्सा मिलना है।

कुछ नहीं डेविड, मैं तुम्हें बराबर का हिस्सा दूंगा।
अच्छा ठीक है। इस बारे में हम सुबह बात करेंगे। फिलहाल मैं तुम लोगों के आराम का प्रबन्ध करता हूं।

डेविड बाहर जाने के लिए उठा।
मैं तो अभी वापस जाऊंगा मिस्टर डेविड!
अभी ?

जी हां, मेरा आज रात मोंगिया द्वीप पहुंचना जरूरी है।
ओ. के. मिस्टर माइकल! आपने मेरे मेहमानों को यहां तक पहुंचाकर मुझ पर बहुत बड़ा उपकार किया है। मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

धन्यवाद की कोई जरूरत नहीं है। मैंने तो अपना फर्ज पूरा किया है।
अच्छा दोस्तो! मैं चलता हूं।
सबसे हाथ मिलाकर माइकल दरवाजे से बाहर निकल गया।

आप लोग यहीं रुकिए, मैं जाकर मिस्टर माइकल को उनकी बोट तक छोड़ आता हूं।

चलो, हम लोग भी बाहर चलते हैं।
हां, चलो।

माइकल हवेली से निकलकर नदी की ओर जा रहा था, जहां उसकी बोट खड़ी थी।
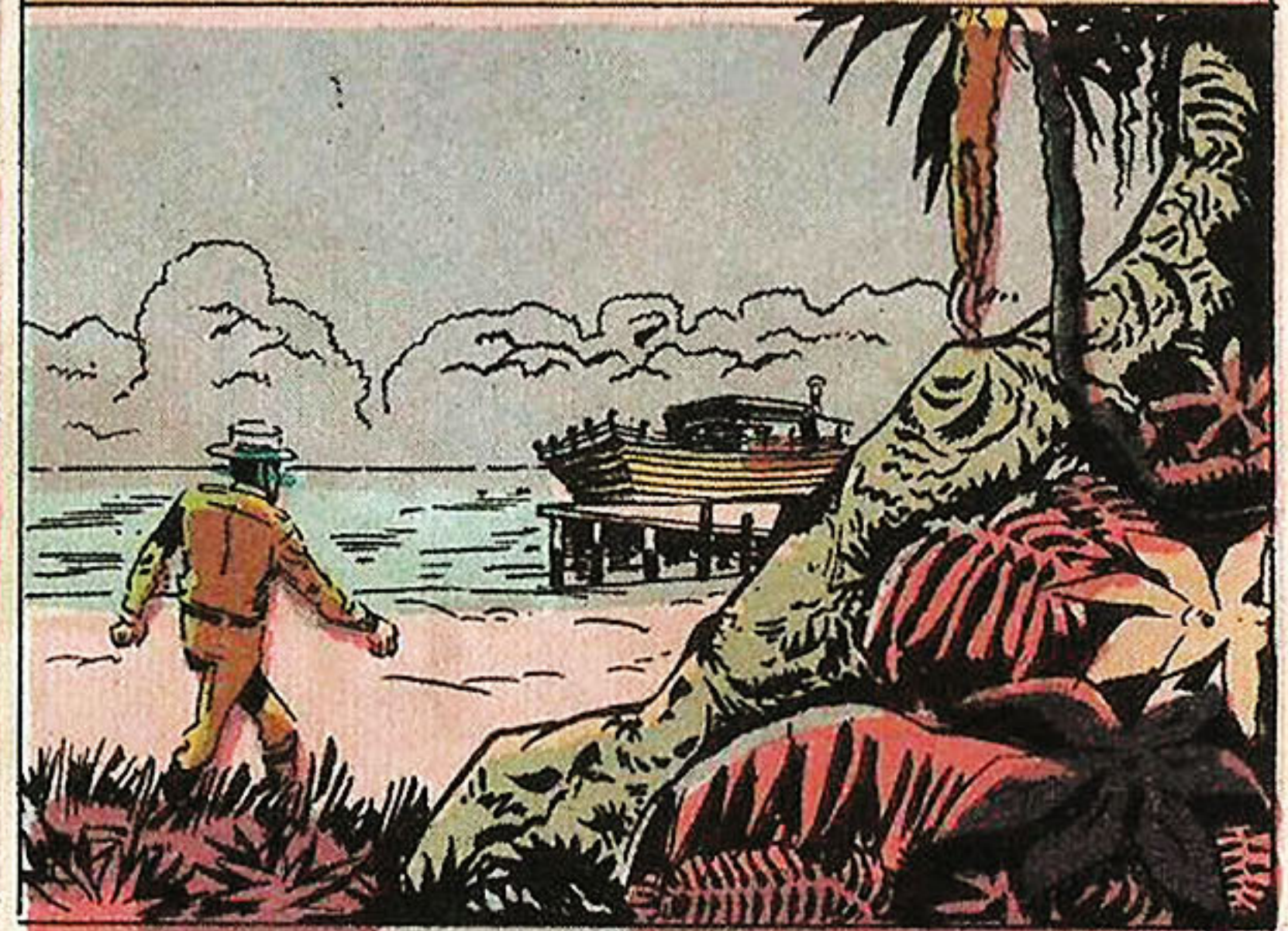
अचानक उसके कानों से तेज भिनभिनाहट का स्वर टकराया।
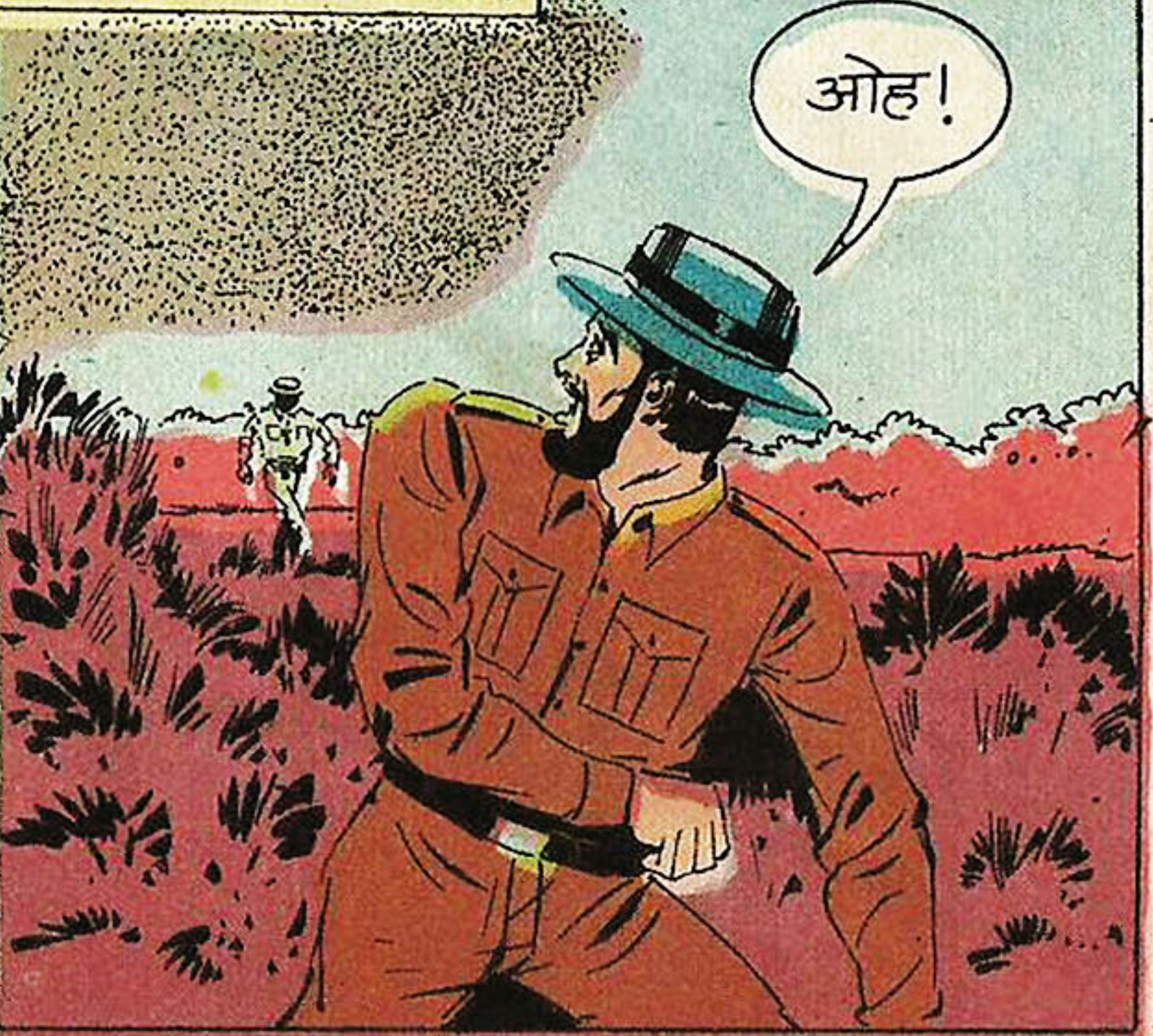
उसने पलटकर देखा।
ओह!

ओह गॉड! क्या डेविड अपनी मक्खियों से मेरा शिकार करना चाहता है?

भयभीत होकर वह अपनी बोट की ओर दौड़ा।
उसके भागते ही मक्खियों का बादल डेविड के सिर से ऊंचा उठा और माइकल की ओर बढ़ा।

माइकल किसी तरह बोट तक पहुंच गया...
...लेकिन मक्खियां भी उसके निकट पहुंच चुकी थीं।
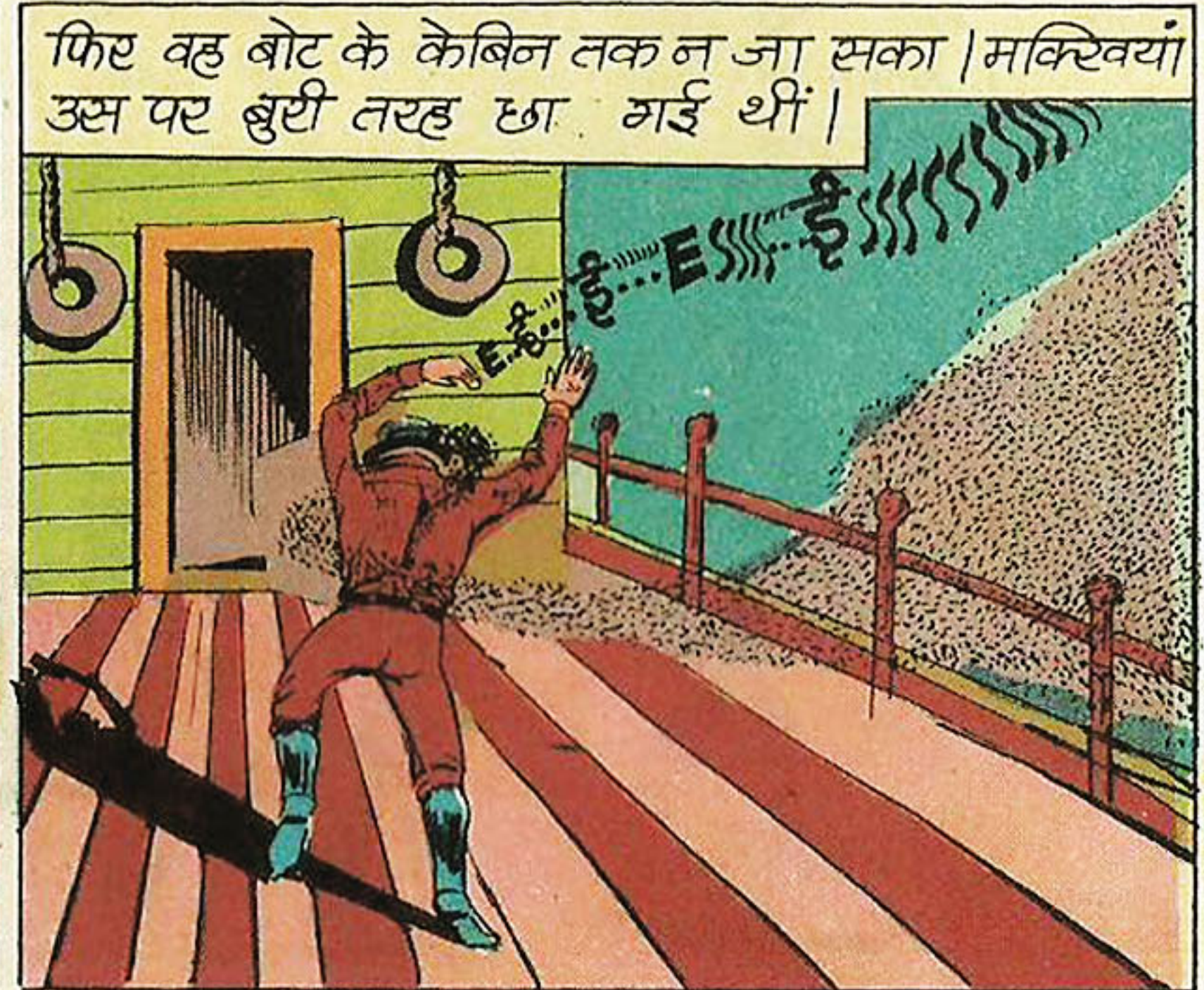
फिर वह बोट के केबिन तक न जा सका। मक्खियां उस पर बुरी तरह छा गई थीं।
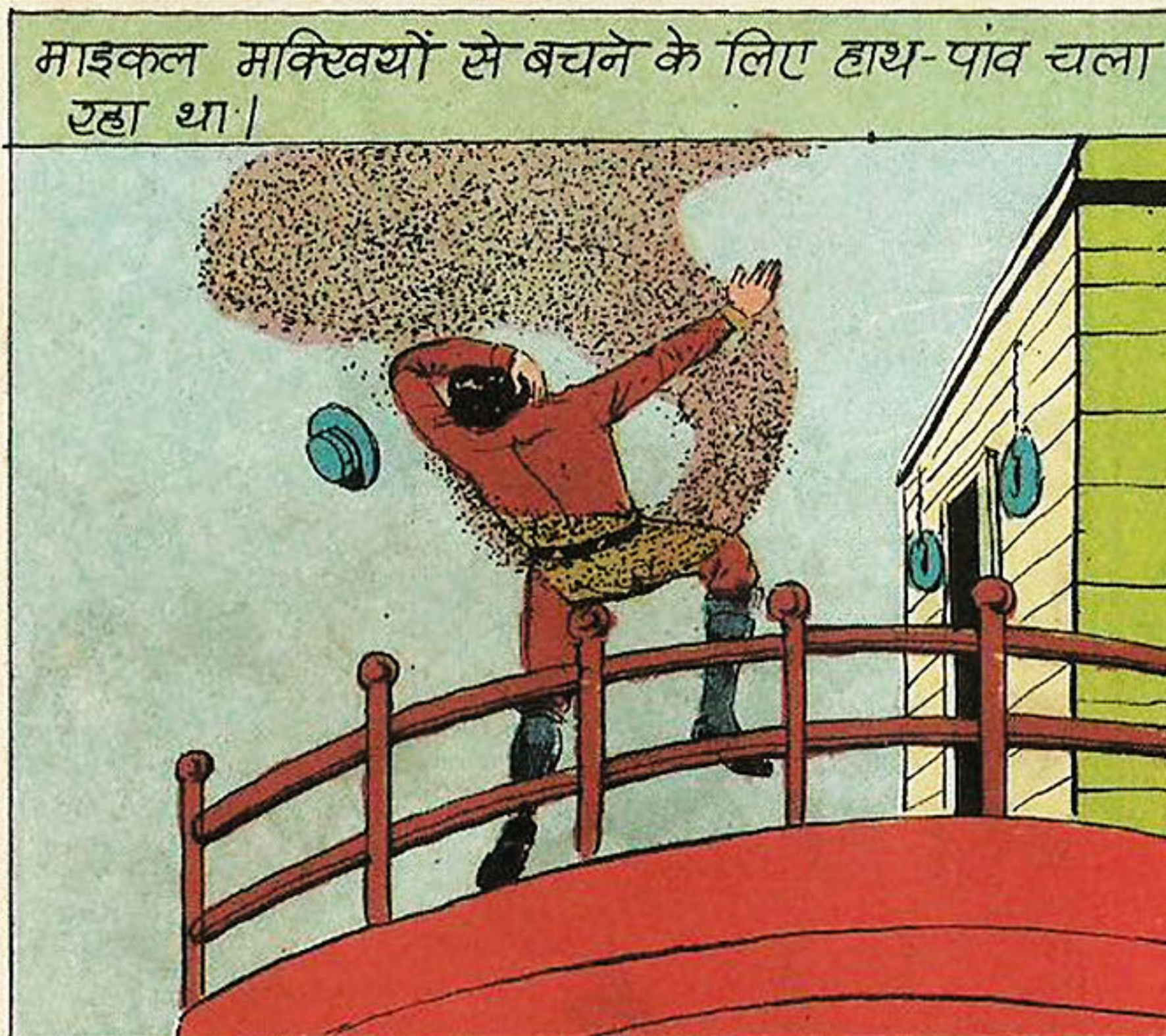
माइकल मक्खियों से बचने के लिए हाथ-पांव चला रहा था।

इसी संघर्ष में वह बोट की रेलिंग से फिसलकर नहर में जा गिरा।

तुरन्त ही नहर में दो मगरमच्छों की थूथनियां पानी से उभरती दिखाई दीं।

और अगले ही क्षण—

अमर, अकबर और रॉजर एक पेड़ की ओट से यह दृश्य देख रहे थे। सहसा अकबर के मुख से चीख निकल गई।
ओ गॉड

कुछ दूर खड़े डेविड ने चौंककर उनकी ओर देखा और मक्खियों को सिगनल देने लगा।
भागो, तुरन्त हवेली की ओर चलो।

वह तीनों हवेली की ओर दौड़ पड़े।
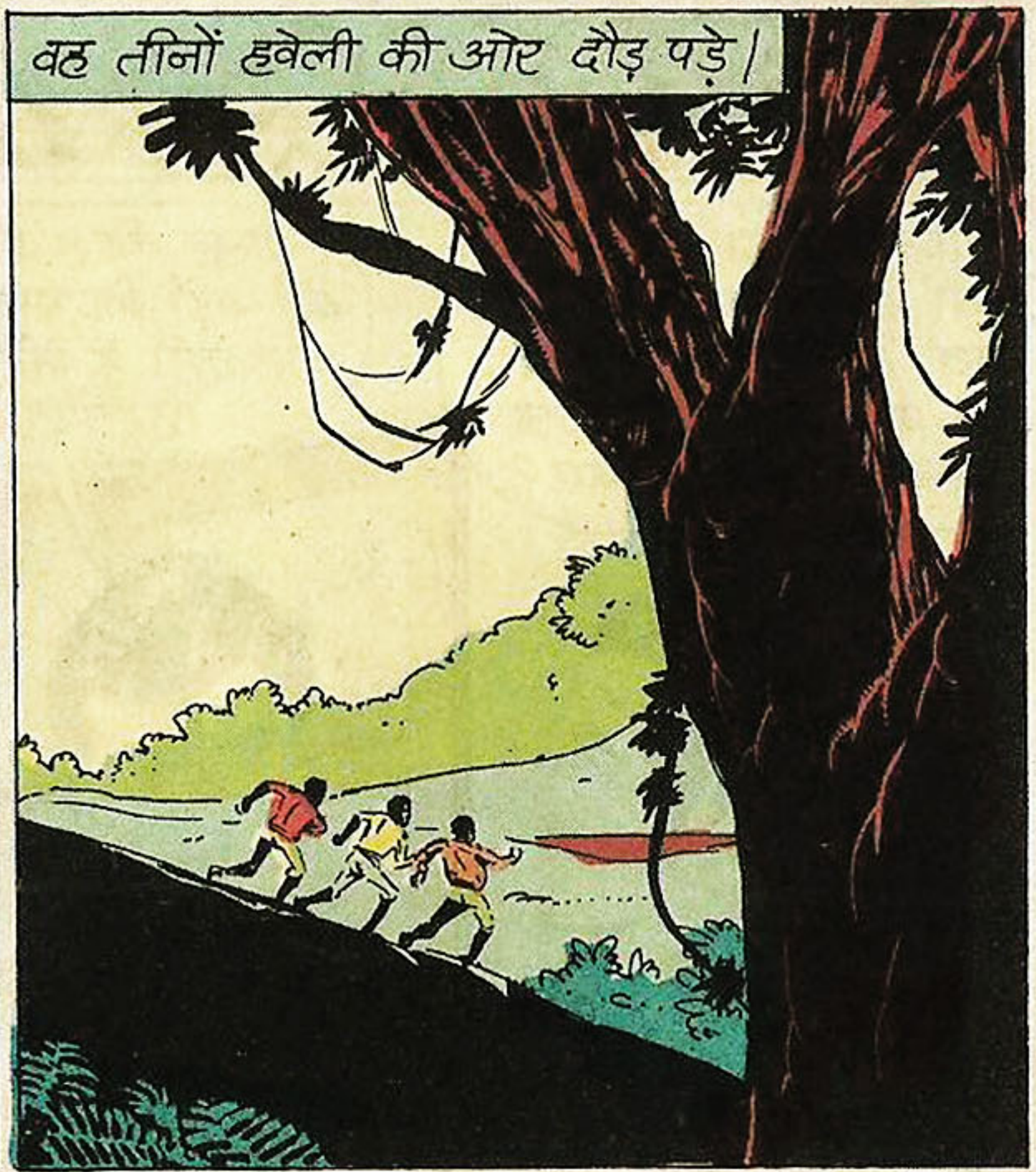
मधु मक्खियों के बादल ने उनका पीछा किया।

लेकिन वह तीनों सुरक्षित हवेली तक पहुंच गये और एक कमरे में घुसकर दरवाजा बंद कर लिया।

मक्खियां आकर खिड़की के शीशों से टकराने लगीं। सारी खिड़कियां मक्खियों से ढक गई थीं।
शुक्र है, यह खिड़कियां बंद हैं, वरना हमारा अंजाम भी उस हिरण और बेचारे माइकल जैसा हो चुका होता।
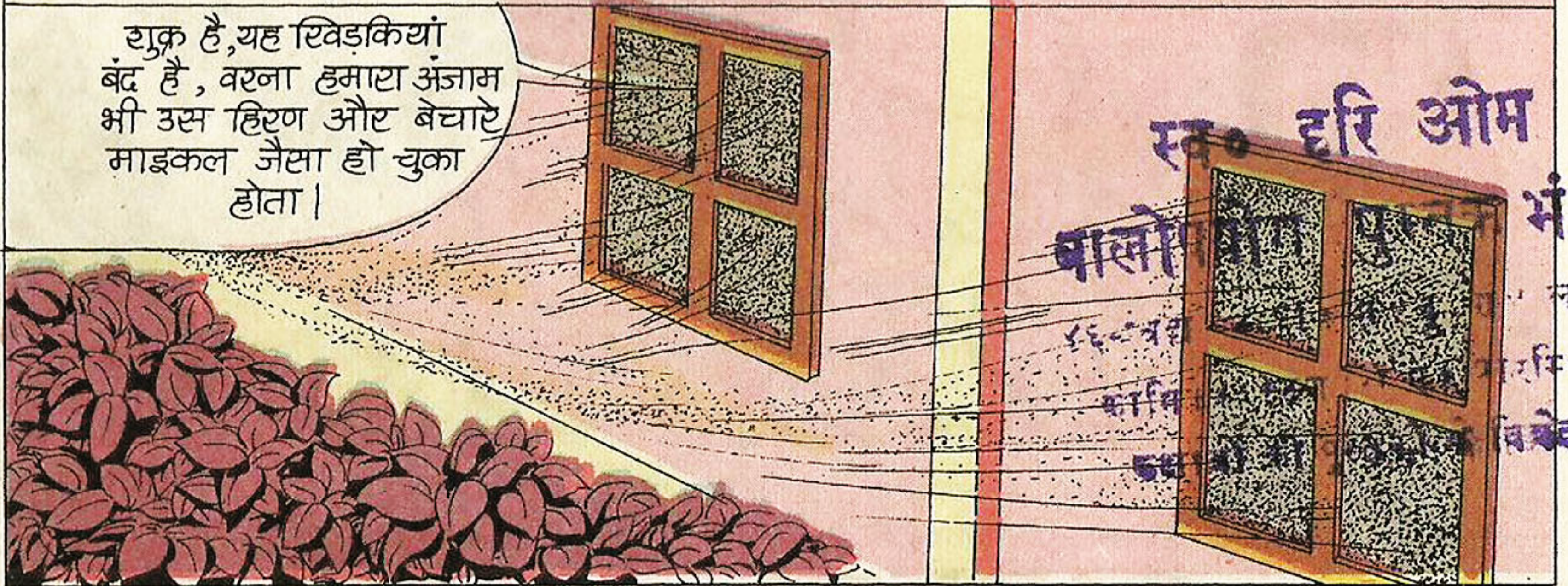
लेकिन मिस्टर अमर! क्या डेविड पागल हो गया है? उसने माइकल को मार डाला और अब उसकी यह मक्खियां?
दौलत की हवस बड़े-बड़ों को पागल कर देती है मेरे दोस्त!

क्या मतलब?
मतलब बाद में बताऊंगा! पहले इन मक्खियों का तमाशा देखो।

मक्खियां शीशों से टकरा रही थीं, लेकिन उन्हें भीतर घुसने का रास्ता नहीं मिल रहा था।
मेरा तो दिल बैठा जा रहा है, अगर यह अन्दर आ गईं तो?

शीशा तोड़कर तो यह अन्दर आ नहीं सकतीं।
तभी कुछ मक्खियां उड़कर वापस जाने लगीं।

वह जा रही हैं।
थैंक्स गॉड!

तभी दरवाजे पर आहट सुनाई दी।
शायद डेविड आ रहा है।
खट!
मैं उसकी गर्दन तोड़ दूंगा।

लेकिन डेविड भीतर नहीं आया था। उसने बाहर से दरवाजे पर ताला डाल दिया था।
तुम और तुम्हारे दोस्त यहां से जीवित वापस नहीं जा सकेंगे रॉजर! तुम्हारी मौत के बाद सारी सम्पत्ति मेरी हो जायेगी।

ताला लगाकर उसने पागलों की तरह ठहाका लगाया।
हा–हा–हा! अब यही समझा जायेगा कि इन तीनों की मृत्यु समुद्र में जहाज गिरने के कारण हुई है। इनके यहां आने का गवाह सिर्फ माइकल था। वह पहले ही समाप्त हो चुका है।

डेविड ने हमें इस कमरे में कैद कर दिया है रॉजर!

ओह गॉड! डेविड सचमुच पागल हो गया है।
अब तो उस पागल से बचने की कोई तरकीब सोचो। वह हमारी हत्या करने का निर्णय कर चुका है।

इस वक्त बाहर मक्खियां नहीं हैं। क्यों न हम शीशे तोड़कर बाहर निकल जायें और डेविड को काबू में करने की कोशिश करें।
नहीं अकबर! बाहर जाने में खतरा है। डेविड हम पर नजर रखे हुए होगा।

काश, हमारे पास कोई हथियार होता।
मुझे अपना पिस्तौल साथ न लाने का बहुत अफसोस है।

तभी अकबर की नजर दीवार पर लटकी हुई दोनाली बन्दूक पर पड़ी।
अरे! वह देखिये बन्दूक।
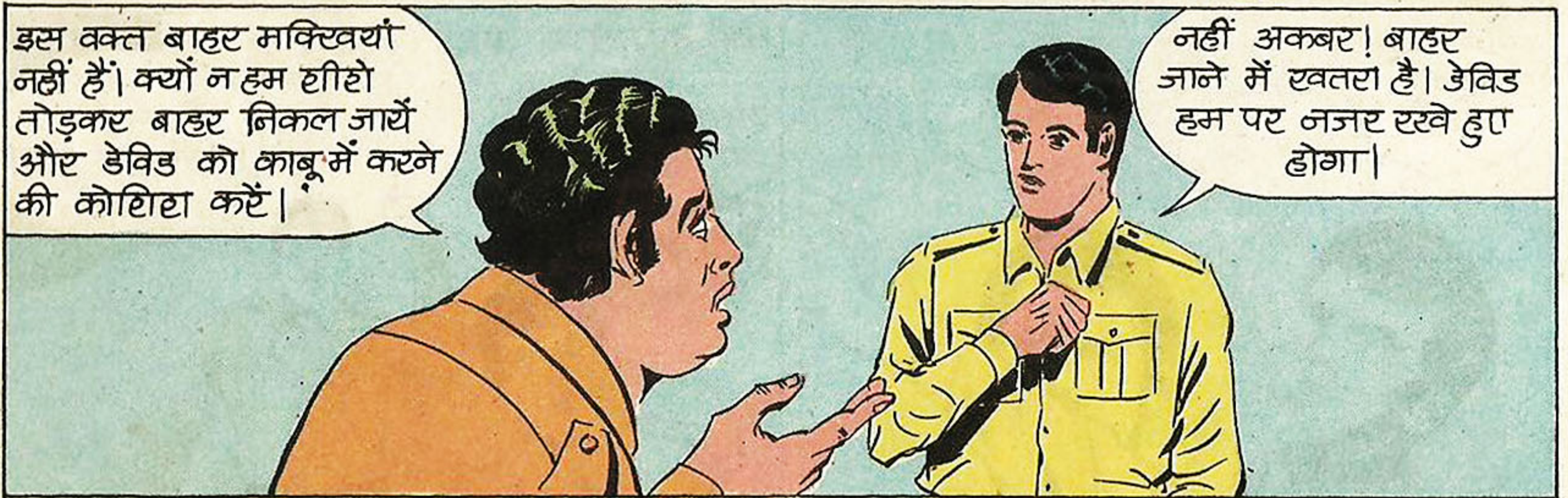
अमर ने लपककर दीवार से बन्दूक उतार ली, लेकिन उसे खोलकर देखने के बाद निराशा से सिर हिलाया।
यह तो खाली है और बिना कारतूस के इसकी हैसियत लाठी से अधिक नहीं है।

तो फिर अब क्या करें?
हम कुछ नहीं कर सकते। अब रात भी हो गई है, इसलिए सुबह होने की प्रतीक्षा करो और देखो डेविड क्या करता है?

अमर ने बंदूक वापस दीवार पर टांग दी और तीनों बैठकर चिंता में डूब गये।
मुझे दुख इस बात का है कि अगर डेविड हमें मारने में सफल हो गया तो कानून उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा, क्योंकि उसे इस बात का सबूत ही नहीं मिलेगा कि हम कोंगा द्विप पहुंचे थे। हमें तो प्लेन क्रेश में ही मृत मान लिया गया होगा।

मुझे डेविड से ऐसी आशा नहीं थी कि वह जायदाद के लिए मेरी जान का दुश्मन हो जायेगा।
अब अफसोस करने से कुछ नहीं होगा रॉजर! इस वक्त सिर्फ अपने बचाव के लिए रास्ता सोचने की कोशिश करो।

सुबह तक वह कोई निर्णय नहीं कर पाये थे।
सूर्य उदय हो चुका था और उसका प्रकाश शीशों से छनकर भीतर आ रहा था।
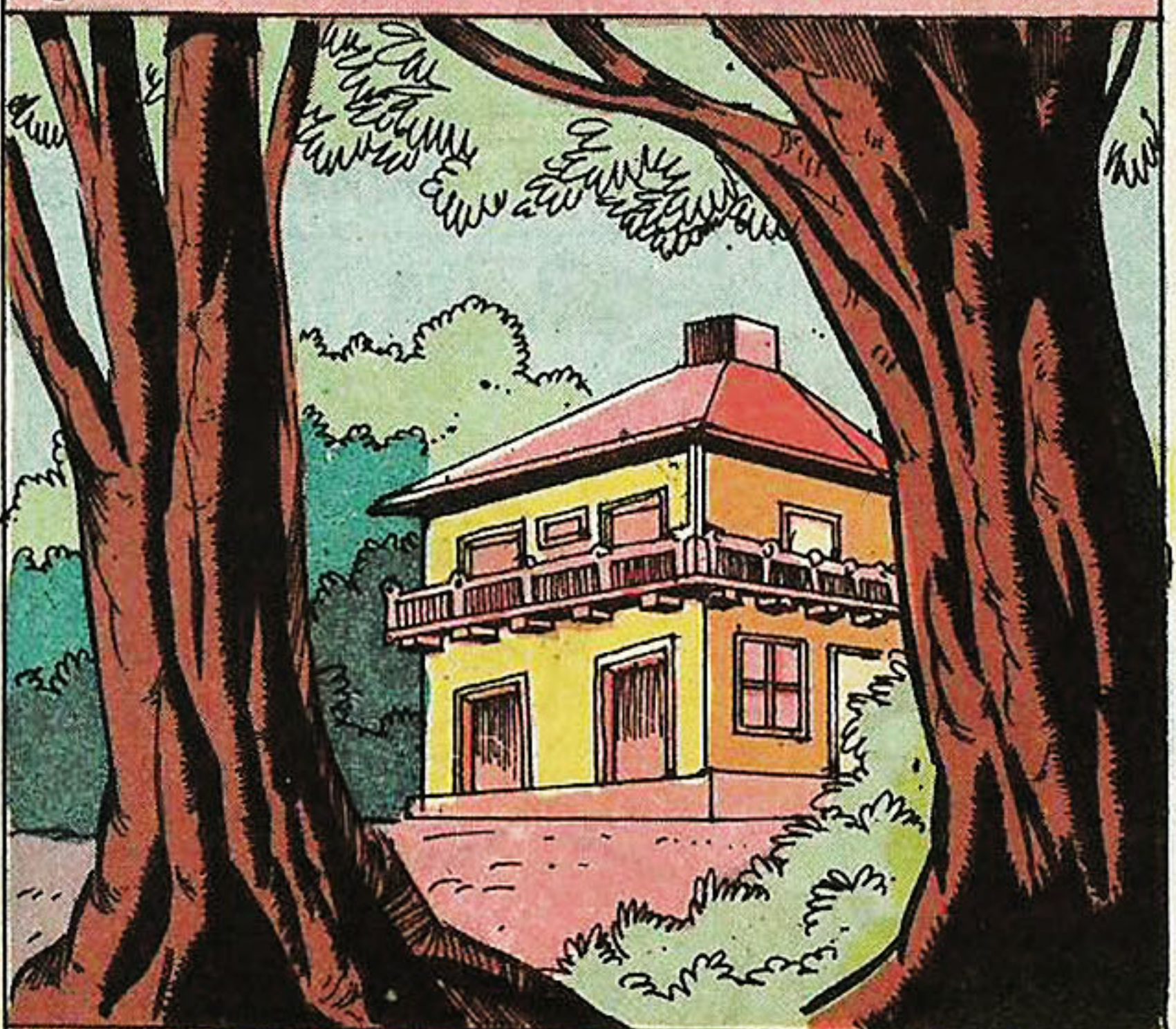
अचानक —
छनाक

ओह! किसी ने पत्थर मारकर शीशा तोड़ा है।
यह काम सिर्फ डेविड का है।

तभी दूसरी खिड़की का शीशा भी टूटा।
तड़ाक
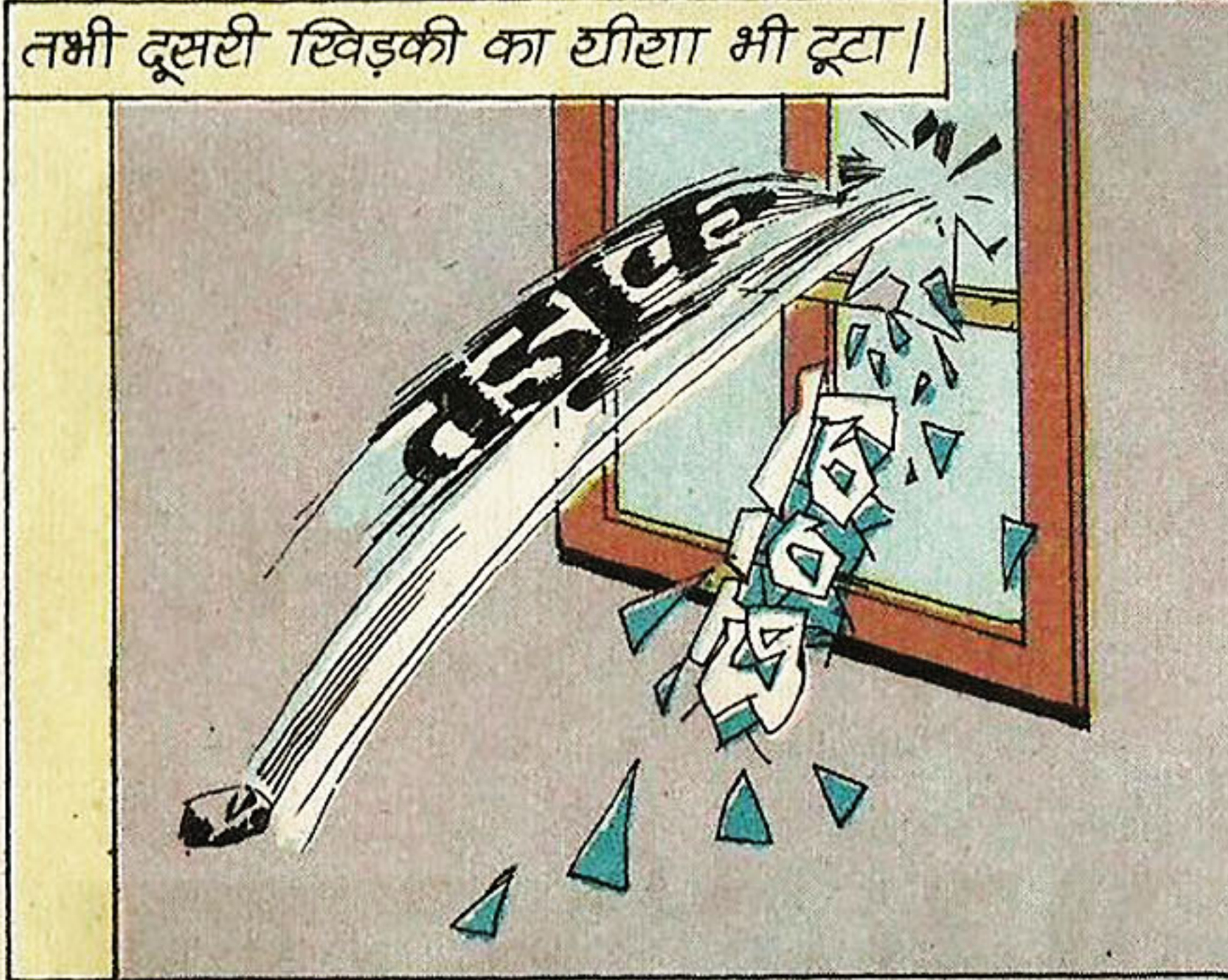
आखिर डेविड करना क्या चाहता है?
वह अपनी मक्खियों की फौज को हम तक पहुंचाने का रास्ता बना रहा है।

तभी बाहर मक्खियों की भिनभिनाहट सुनाई दी।
भिन्न भिन्न भिन्न भिन्न भिन्न
लो आ गई हमारी मौत।
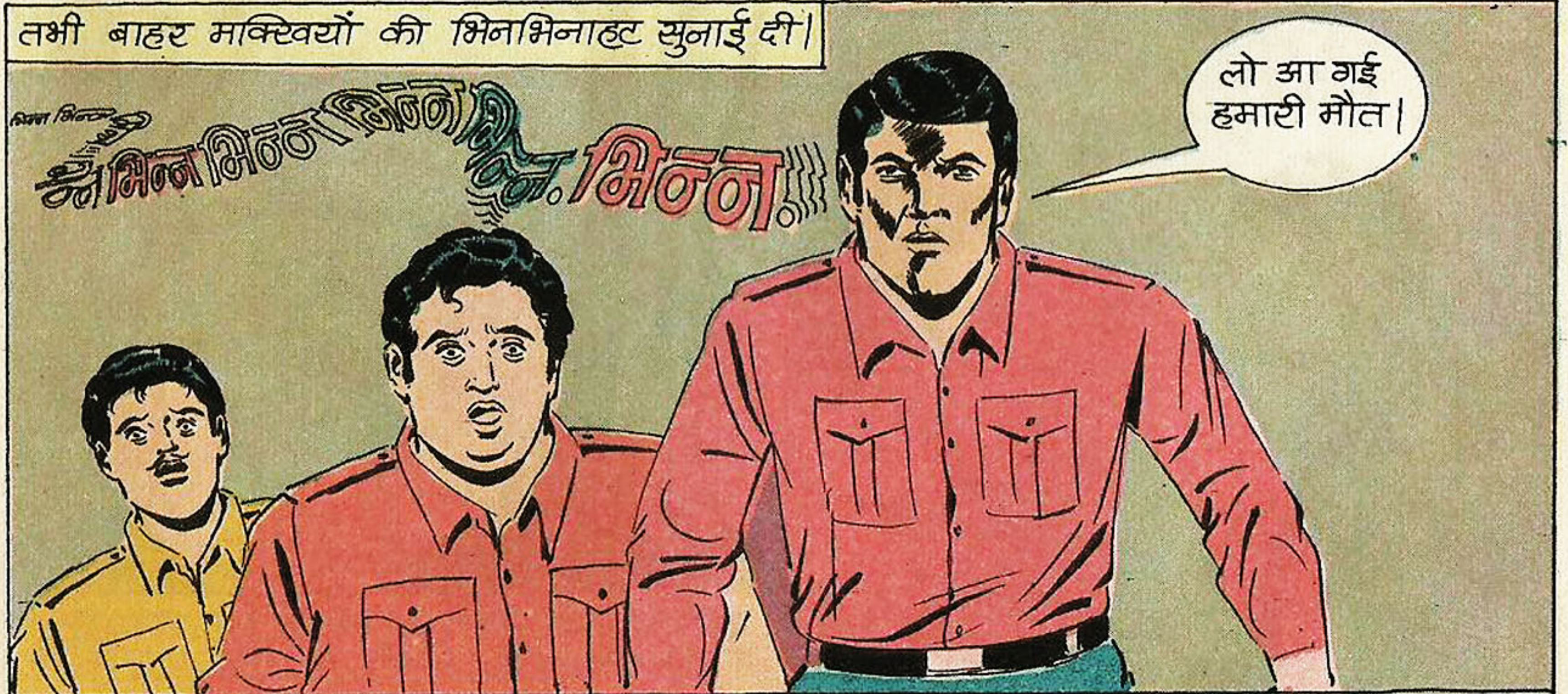
तीनों ने एक शीशे से झांका।
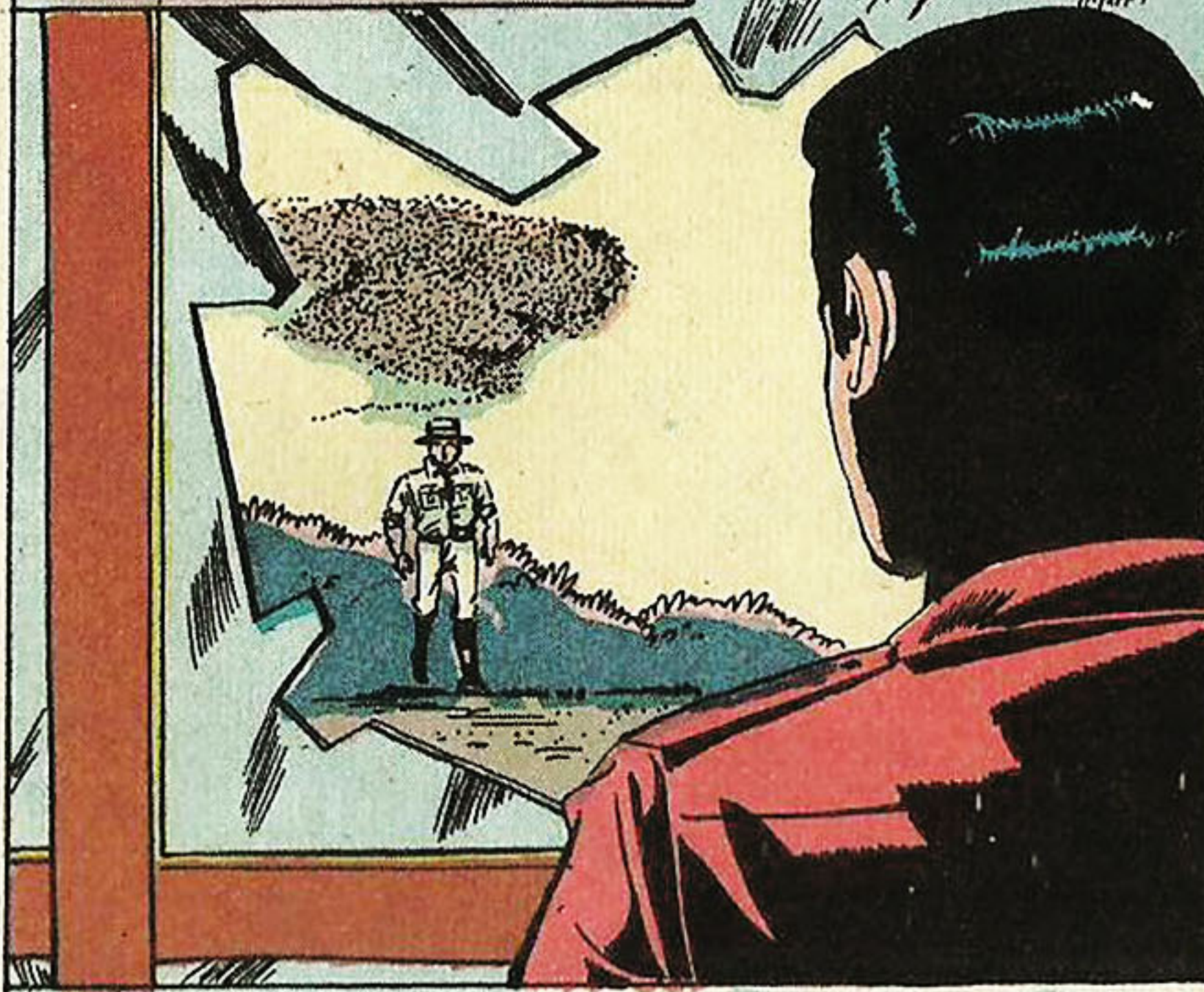
ओह गॉड! अब हम मक्खियों से नहीं बच सकते। वह टूटे हुए शीशों से भीतर आ जायेंगी।
कुछ करो अमर! तुम तो जासूस हो, बचने की कोई तरकीब सोचो।
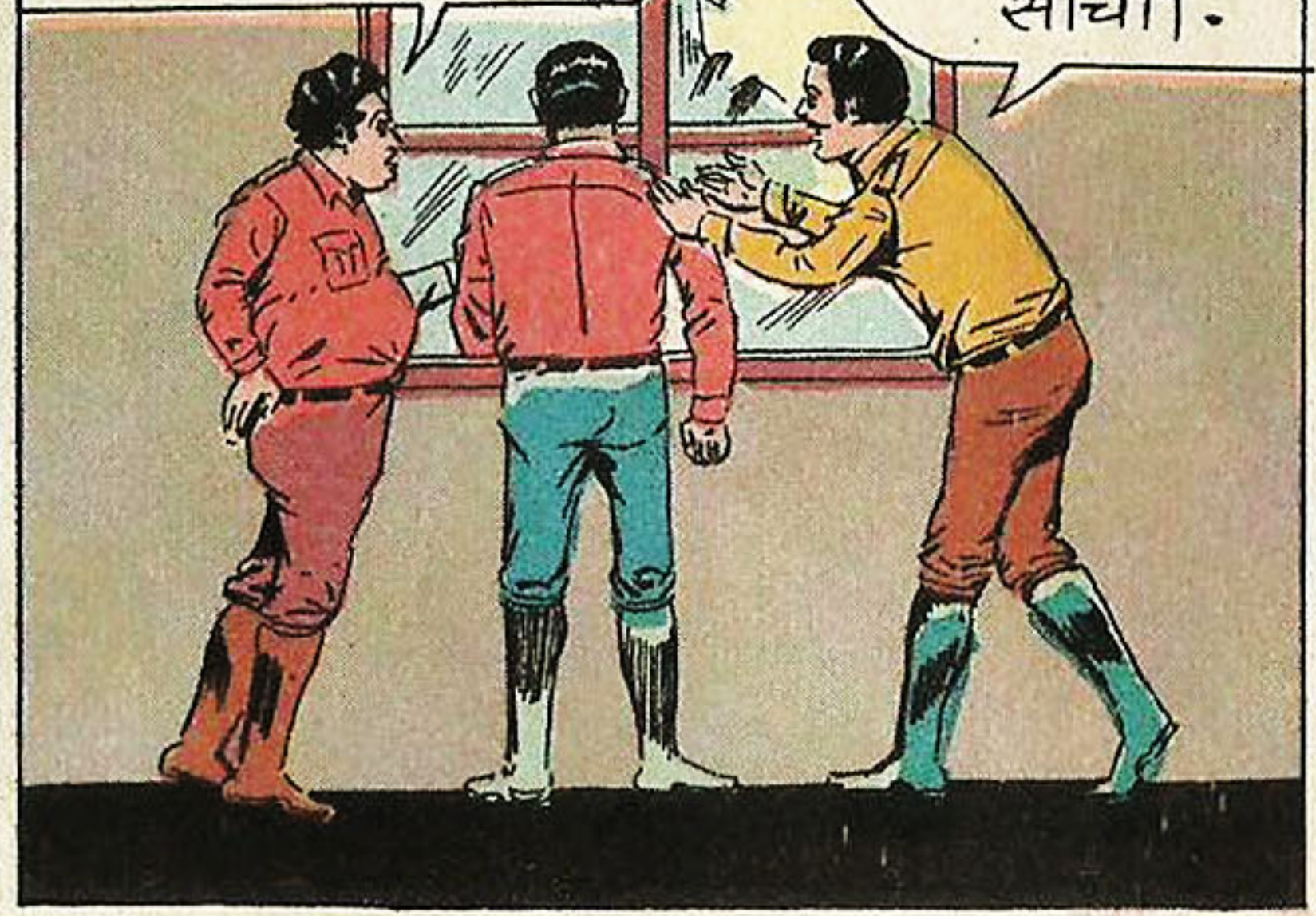
अमर का मस्तिष्क तेजी से काम कर रहा था।
उधर डेविड अपने मक्खी दल के साथ तेजी से बढ़ा चला आ रहा था।
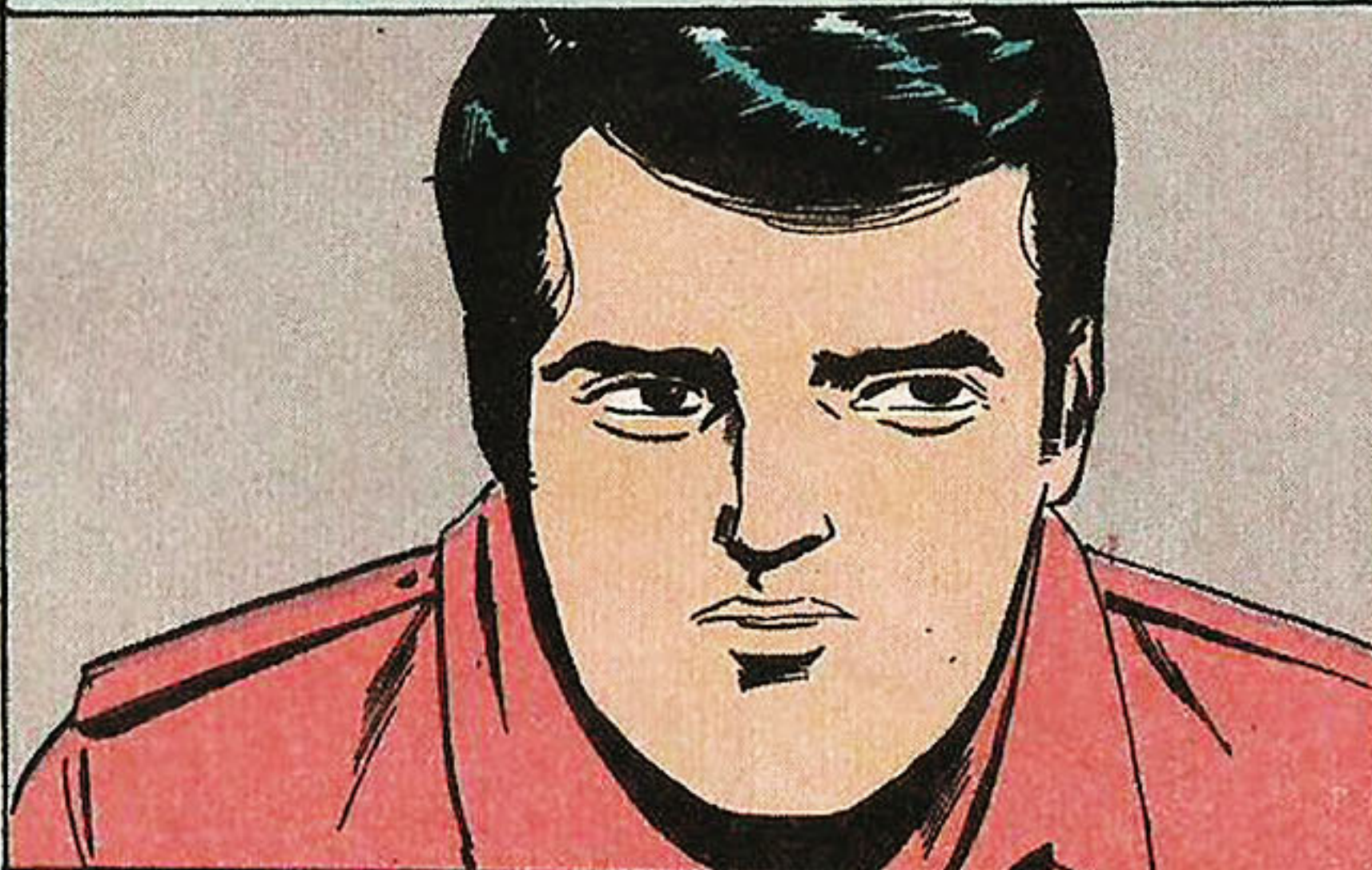
फिर अचानक अमर ने लपककर दीवार पर लटकी हुई खाली बंदूक उतार ली।
खाली बंदूक से क्या करोगे?
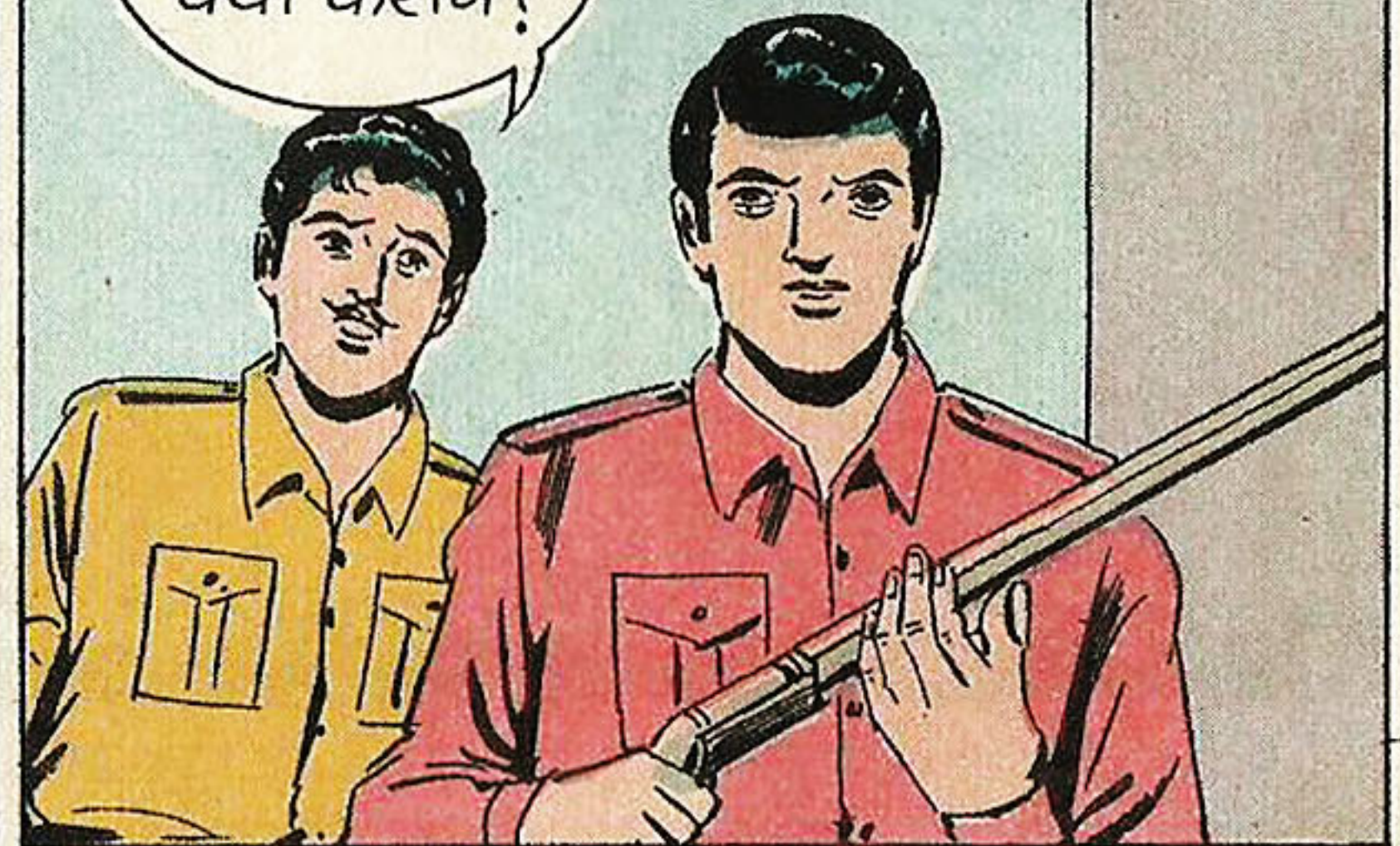
अमर कोई उत्तर दिये बिना टूटी हुई खिड़की के निकट गया और बन्दूक की नाल बाहर निकालकर डेविड का निशाना लेने लगा।

अगले पल वह जोरसे चिल्लाया।
डेविड! मैं गोली चला रहा हूं।

डेविड ने चौंककर खिड़की की ओर देखा। बन्दूक की नाल अपनी ओर तनी देखकर वह ठिठकक्र रुका।
मैं तुम्हें मार डालूंगा डेविड!
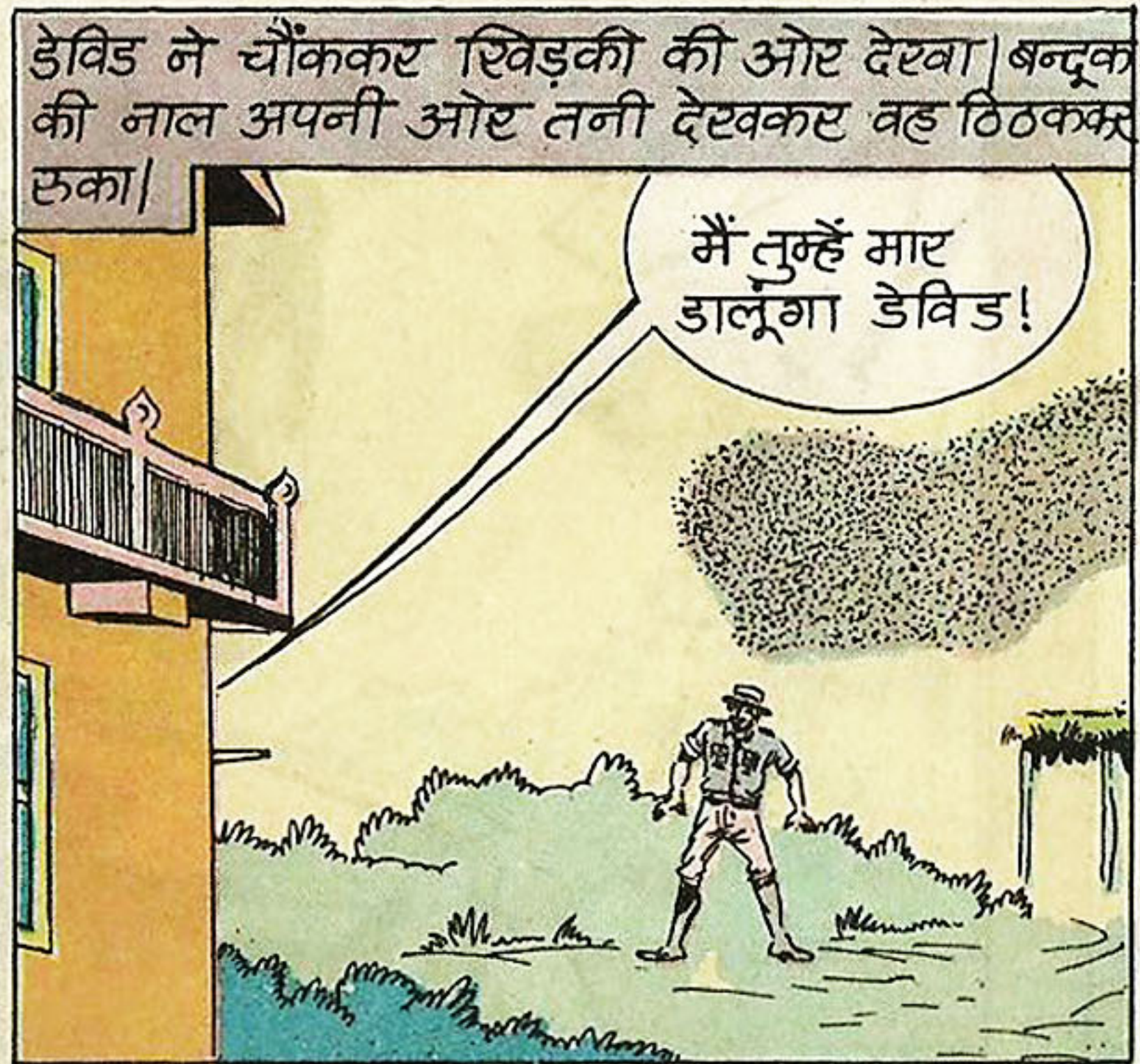
अचानक डेविड पलटा और भाग खड़ा हुआ।
यही उसकी गलती थी। मधुमक्खियों ने उसे भागते देखकर उसे ही अपना शत्रु समझ लिया ...

...और डेविड के पीछे लपकी और उसे अपनी चपेट में ले लिया।
आई...ई...ई...ई

कुछ ही क्षण में सारी मक्खियां डेविड के शरीर से चिपट चुकी थीं और वह नीचे गिरकर तड़फ रहा था।
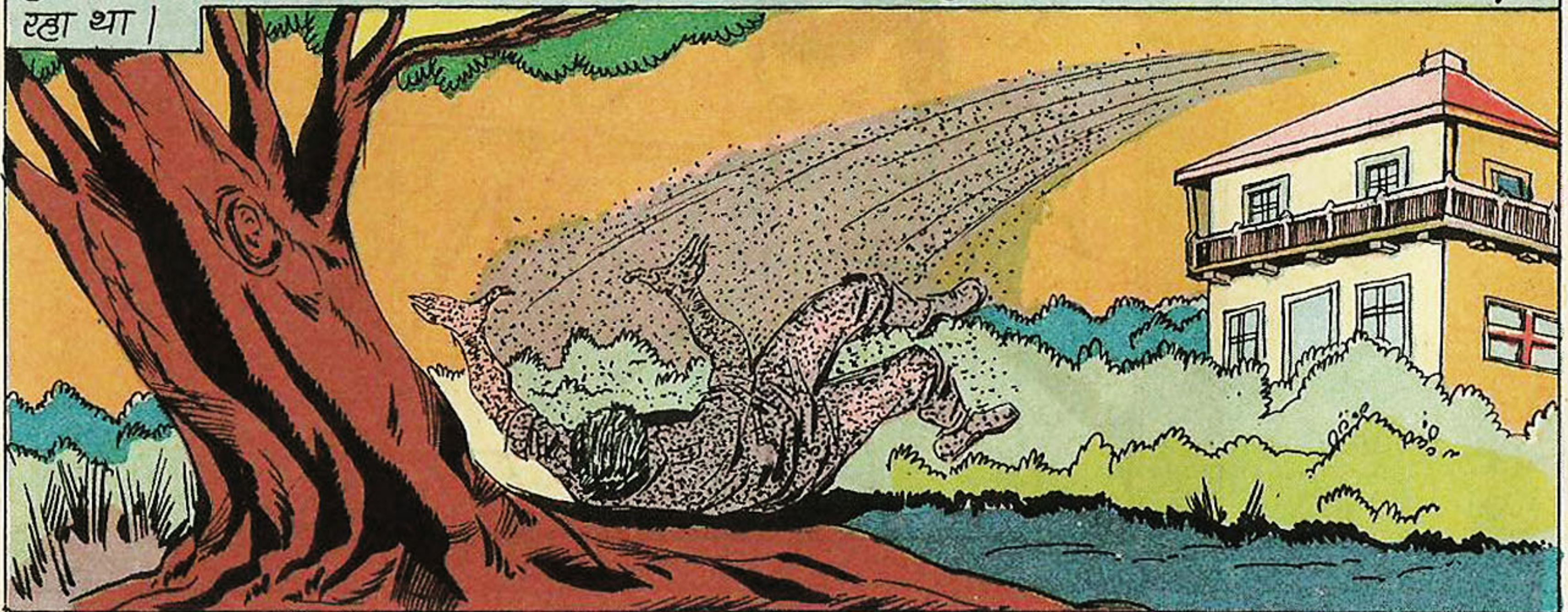
डेविड के प्राण निकल गये तो मक्खियां उसे छोड़कर वापस अपने छत्तों की ओर उड़ गईं।
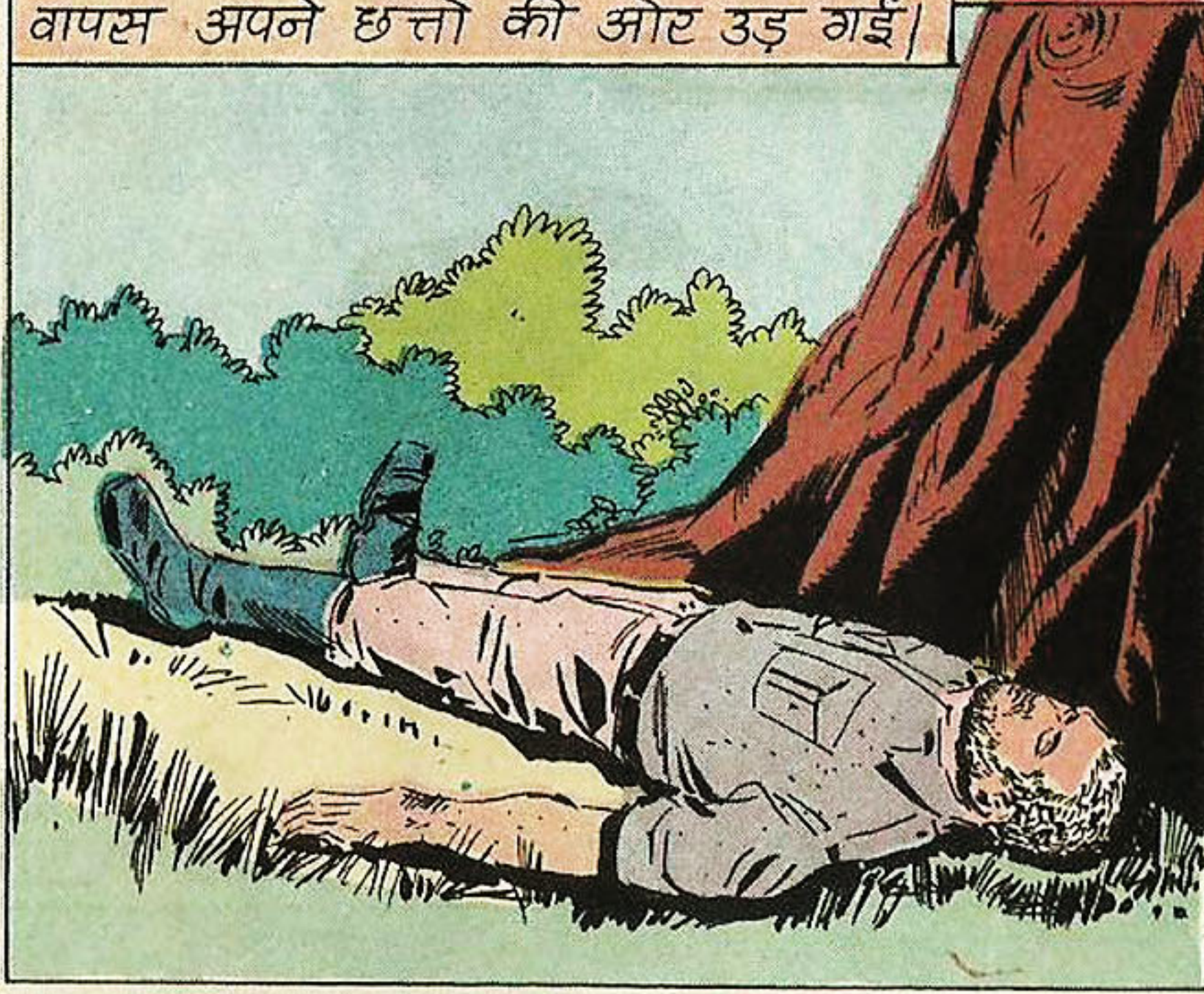
जब बाहर सिर्फ डेविड की लाश पड़ी थी।
ओह अमर! तुमने कमाल कर दिया। यह चमत्कार कैसे हो गया?

मैंने एक मनोवैज्ञानिक दांव खेला था। बन्दूक खाली हो या भरी हुई, अगर वह किसी इंसान पर तान दी जाये तो वह भयभीत जरूर होता है। यही डेविड के साथ भी हुआ। वह सोच ही नहीं सका कि कमरे में लटकी हुई बंदूक तो खाली थी और...

...बन्दूक अपनी ओर तनी देखकर उसके मस्तिष्क में सबसे पहला विचार स्वयं को बचाने का आया और वह दौड़ पड़ा। घबराहट में वह उन्हें सिगनल देना भूल गया और यह भी भूल गया कि उसके साथ चल रही मक्खियां दौड़ने पर उसे ही अपना शत्रु समझ लेंगी।

यू आर ग्रेट अमर! तुमने खाली हाथों से ही सिर्फ अपनी बुद्धि के बल पर हम सबकी जान बचा ली है।
आओ, बाहर चलकर डेविड को देखते हैं।
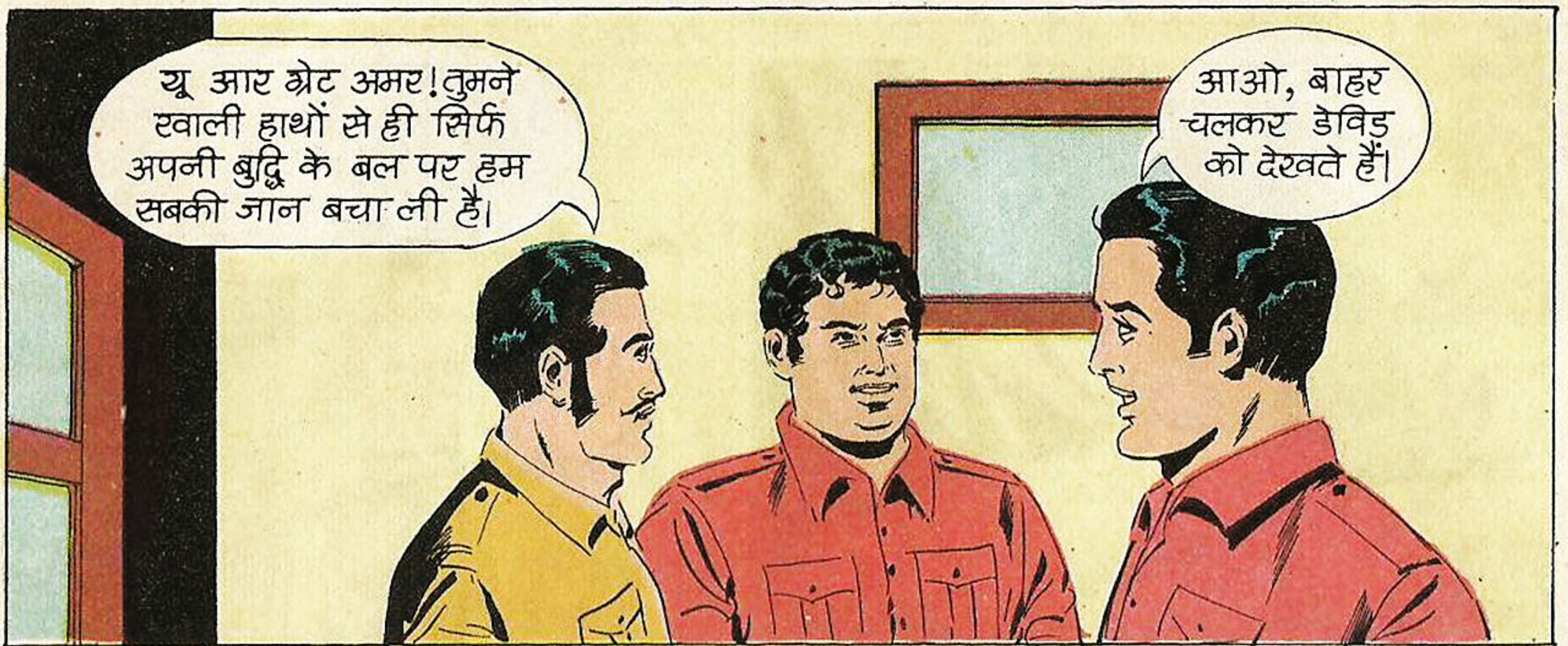
डेविड के निकट जाकर रॉजर ने उसका मृत सिर अपनी गोद में रख लिया और दुखी स्वर में बोला —
दौलत के लालच ने तुझे अंधा बना दिया था मेरे भाई! यही लालच तेरी मौत का कारण बन गया।

अब उठो रॉजर! हम माइकल की मोटर बोट लेकर वापस चलते हैं। शहर पहुंचकर इन घटनाओं की सूचना पुलिस को देनी होगी।
रॉजर जाने के लिए उठ खड़ा हुआ।

• समाप्त •